THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 2 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.1 2083 शुक्रवार, 3 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विदेशों में हर दिन मर रहे 20 से ज्यादा भारतीय श्रमिक

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार ने राज्यसभा में विदेशों में काम करने वाले भारतीय श्रमिकों की स्थिति को लेकर बेहद परेशान करने वाले आंकड़े पेश किए हैं। सरकारी आंकड़ों अनुसार पिछले पांच वर्षों में हर दिन औसतन 20 से ज्यादा भारतीयों की मौत विदेशी धरती पर हुई है। इनमें से सबसे ज्यादा मौतें खाड़ी देशों (गल्फ नेशन्स) में हुई हैं। विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने 29 जनवरी को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साल 2021 से 2025 के बीच विदेशों में कुल 37,740 भारतीय श्रमिकों की जान गई। हालांकि, सरकार ने इन मौतों के कारणों का अलग से कोई ब्यौरा नहीं दिया है। >14

'ध्रुवीकरण से ग्रस्त पश्चिम बंगाल'

> एसआईआर में शामिल अधिकारियों को बंधक बनाने पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने पश्चिम बंगाल की स्थिति पर चिंता जताते हुए बड़ी टिप्पणी की है। पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर प्रक्रिया में शामिल न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाए जाने की घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर संज्ञान लिया है। एसआईआर को लेकर बंगाल में विरोध-प्रदर्शन हुए थे। अदालत ने मालदा जिले के एक गांव से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि तीन महिलाओं समेत सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाना बेहद निंदनीय है। इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार पर कड़ी नाराजगी जताई है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने इसे न्यायिक अधिकारियों को डराने का दुस्साहसी प्रयास बताते हुए कहा कि यह न्यायालय के अधिकार को चुनौती देने जैसा है। अदालत के अनुसार, यह घटना न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराने और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने की सोची-समझी कोशिश प्रतीत होती है जो निहित स्वार्थों से प्रेरित लगता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह न्यायिक अधिकारियों पर मनोवैज्ञानिक हमले के लिए किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने या न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं देगा। इसके अलावा, उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार और प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह कर्तव्य के निर्वहन में विफलता का मामला है और उन्हें अपनी निष्क्रियता के कारण बताने होंगे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, यहां हर कोई राजनीतिक भाषा का इस्तेमाल कर रहा है। मैं रात 2 बजे तक खुद पूरे हालात पर नजर बनाए हुए था। हमें पता है कि यह किसकी हरकत है। पश्चिम बंगाल देश का सबसे ज्यादा राजनीतिक रूप से बंटा हुआ प्रदेश है। ध्रुवीकरण से ग्रस्त राज्य है।

सीजेआई ने राज्य के शीर्ष अधिकारियों (जिनमें मुख्य सचिव भी शामिल हैं) को फटकार लगाते हुए कहा कि वो अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि सूचना मिलने के बावजूद अधिकारियों ने न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षित क्यों नहीं निकाला? सीजेआई ने कहा कि मालदा की घटना पूर्व नियोजित, सुनियोजित और प्रेरित थी और इसका उद्देश्य न्यायिक अधिकारियों को हतोत्साहित कर पूरी प्रक्रिया को पटरी से उतारना था।

> राघव चड्ढा को बड़ा झटका

आप ने राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया, सदन में बोलने पर भी रोक

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने अपने राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता के पद से हटा दिया है। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के लिए यह बड़ा झटका है। आप ने सांसद अशोक मित्तल को उच्च सदन राज्य सभा में पार्टी का डिप्टी लीडर चुना है।

बता दें कि आम आदमी पार्टी ने राज्य सभा सचिवालय को एक पत्र भेजकर यह जानकारी दी। पिछले कुछ दिनों से राघव चड्ढा आप और उसके बड़े नेताओं से जुड़े बड़े मुद्दों पर चुप्पी साधे हुए थे। और अब पार्टी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उप नेता के पद से हटा दिया है। जानकारी के मुताबिक, आप ने राज्य सभा सचिवालय से कहा है कि सांसद राघव चड्ढा को सदन में बोलने के लिए समय आवंटित ना किया जाए। पिछले हफ्ते आम आदमी पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची से राघव चड्ढा को हटा दिया था। सूत्रों ने बताया कि इस फैसले के पीछे 'कोई खास वजह' नहीं थी और राघव चड्ढा किसी भी 'पार्टी-विरोधी गतिविधि' के दोषी नहीं पाए गए हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पार्टी इस कदम को उठाने के लिए सही समय का इंतजार कर रही थी। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने यह भी बताया कि राघव चड्ढा कई 'महत्वपूर्ण मौकों' पर उपलब्ध नहीं रहे जिसमें फरवरी के आखिर में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति मामले में राहत मिलने के बाद शक्ति प्रदर्शन भी शामिल था। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान चड्ढा धीरे-धीरे पार्टी और उसके वरिष्ठ नेतृत्व से दूर होते गए। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि आगे चलकर राघव चड्ढा को औपचारिक रूप से निलंबित किए जाने की संभावना नहीं है ताकि उन्हें 'शहीद' का दर्जा न मिल सके। उन्हें राज्य सभा में पार्टी के 10 सांसदों में से एक के रूप में तब तक बने रहने दिया जाएगा जब तक वह खुद ऐसा चाहते हैं।

पाक की 'नापाक' साजिश : भारत के रक्षा और वित्तीय ढांचे पर साइबर हमलों की योजना

खुफिया एजेंसियों का अलर्ट

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत के महत्वपूर्ण रक्षा और वित्तीय ढांचे को निशाना बनाने के लिए बहुस्तरीय साइबर हमलों की योजना बना रही है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के अनुसार, पिछले एक सप्ताह में आईएसआई अधिकारियों ने कई बैठकें कर इन हमलों की रणनीति तैयार की है, जिनका उद्देश्य भारत के अहम संस्थानों को ठप करना और संवेदनशील जानकारी हासिल करना है। अधिकारियों के मुताबिक, इन हमलों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान साइबर फोर्स को सक्रिय किया गया है। साथ ही विभिन्न हैकर समूहों को भी सक्रिय किया गया है, जिससे हाल के दिनों में गतिविधियों में तेजी देखी गई है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के 2025 के आकलन में भी 2026 में पाकिस्तान से जुड़े साइबर हमलों को सबसे बड़ा खतरा बताया गया था। सूत्रों के अनुसार, आईएसआई साइबर समूह एचओएएक्स1337 और नेशनल साइबर क्रू जैसे समूहों का इस्तेमाल कर भारतीय परिसंपत्तियों को निशाना बनाने की योजना बना रही है।

नागरिक देवो भव के सिद्धांत पर सरकार काम कर रही : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कर्मयोगी साधना सप्ताह के कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक सुधारों और भविष्य की योजनाओं को लेकर अपनी बात रखी। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के इस दौर में दुनिया और व्यवस्थाएं बहुत तेजी से बदल रही हैं। भारत भी उसी रफ्तार से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि सरकारी कामकाज और प्रशासन से जुड़े लोग खुद को समय के हिसाब से अपडेट रखें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्मयोगी साधना सप्ताह इसी बदलाव की एक जरूरी कड़ी है। इसके जरिए सरकारी कर्मचारियों की कार्यक्षमता को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सरकारी सेवा में लगे सभी लोगों को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके प्रयासों की सराहना की। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान सरकार 'नागरिक देवो भव' के सिद्धांत पर काम कर रही है। सरकार का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक सेवाओं को अधिक सक्षम और जनता के प्रति संवेदनशील बनाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें दूसरों की लकीर छोटी करने के बजाय अपनी लकीर बड़ी करने पर ध्यान देना चाहिए। आजादी के बाद से देश में कई संस्थाएं बनीं, लेकिन अब ऐसी संस्था की जरूरत थी जो सरकारी कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने पर काम करे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पुराने समय में सरकारी अधिकारी बनने पर केवल अधिकारों की बात होती थी। लेकिन आज के दौर में सरकार का पूरा जोर कर्तव्य पर है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य साल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए हमें आर्थिक विकास को तेज करना होगा और एक कुशल वर्कफोर्स तैयार करनी होगी। मिशन कर्मयोगी के माध्यम से हम सक्षम टीम तैयार कर रहे हैं जो देश के विकास में अपनी ताकत झोंक सके।

दिल्ली-बेंगलुरू हैदराबाद के ठिकानों पर ईडी की रेड

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के कथित कोयला तस्करी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को हैदराबाद समेत देश के कई शहरों में एक साथ छापेमारी की। एजेंसी ने इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) से जुड़े ठिकानों की तलाशी ली। इस दौरान कोलकाता में इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास और कार्यालय के साथ-साथ दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरू स्थित दफ्तरों में भी कार्रवाई की गई।

ईडी अवैध कोयला खनन और परिवहन से जुड़े धन के लेन-देन की जांच कर रही है। जांच के दौरान दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और बैंक खातों की पड़ताल की जा रही है, ताकि पैसों के प्रवाह और संभावित नेटवर्क का पता लगाया जा सके। यह मामला पिछले कई वर्षों से जांच के दायरे में है, जिसमें विभिन्न एजेंसियां अवैध खनन और कोयला तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जांच कर रही हैं।

मैं 15 दिन तक बंगाल में ही रहूंगा, सब टीएमसी को बाय-बाय कहना चाहते हैं : अमित शाह

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बीजेपी की कमान संभाल ली है। गुरुवार को वे शुभेंदु अधिकारी के नामांकन में शामिल होने के लिए भवानीपुर पहुंचे और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा।

अमित शाह ने जोर देकर कहा कि वे अगले 15 दिनों तक लगातार पश्चिम बंगाल में रहकर चुनावी कमान संभालेंगे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मैं पश्चिम बंगाल आया हूं और 15 दिन तक यहीं रहूंगा। मैं शुभेंदु अधिकारी के नामांकन के लिए आया हूं। शुभेंदु अधिकारी की जीत बंगाल में परिवर्तन की नींव रखने वाली है।

पिछली बार नंदीग्राम हारीं, अब बंगाल :

अमित शाह ने आगे कहा कि पिछली बार ममता बनर्जी नंदीग्राम में हार गई थीं और इस बार भवानीपुर के साथ-साथ पूरे पश्चिम बंगाल में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। गृह मंत्री ने आगे कहा कि पूरा बंगाल ममता बनर्जी की विदाई करने के लिए तैयार है। सुवेंदु दा नंदीग्राम से लड़ना चाहते हैं। मैंने सुवेंदु दा से कहा था कि केवल नंदीग्राम ही नहीं बल्कि ममता बनर्जी के घर में जाकर उन्हें हराना है। ममता बनर्जी बंगाल में सरकार तो बना पाई थीं लेकिन ममता बनर्जी नंदीग्राम में सुवेंदु दा के सामने चुनाव हार गई थीं। इस बार ममता बनर्जी पूरे बंगाल में भी हारेंगी और भवानीपुर में भी हारेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि शुभेंदु अधिकारी का नामांकन बंगाल में टीएमसी के पतन की शुरूआत साबित होगा। शाह ने दावा किया कि उन्होंने पूरे बंगाल का दौरा किया है और हर जगह से एक ही आवाज सुनाई देती है- ममता बनर्जी को बाय-बाय कहने का समय आ गया है।

इसके बाद गृहमंत्री अमित शाह ने टीएमसी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'टोलबाजी' और गुंडागर्दी ने राज्य को पूरी तरह त्रस्त कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बम धमाकों की घटनाएं बढ़ रही हैं और बेरोजगारी के कारण युवा परेशान हैं। पूरे बंगाल की जनता मांग कर रही है कि महान पश्चिम बंगाल के अंदर अब परिवर्तन होना चाहिए। पीएम मोदी के नेतृत्व में यहां भाजपा की सरकार बननी चाहिए। पश्चिम बंगाल की सीमा को सील करके पश्चिम बंगाल और देश भर से घुसपैठियों को चुन-चुन कर देश से बाहर निकालना चाहिए।

भाजपा नेताओं को पाकिस्तानी नंबरों से धमकी

चंडीगढ़, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। चंडीगढ़ के सेक्टर 37 में पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर धमाके की घटना से भाजपा नेता सकते में हैं। दरअसल, उन्हें इस तरह के हमले का अंदेशा पहले से ही था। दरअसल, पंजाब के कई भाजपा नेताओं को पाकिस्तान नंबर (92) से धमकी भरे लहजों में कई कॉल्स पिछले कई दिनों से आ रही थी।

पंजाब के एक भाजपा नेता ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ समय पहले पंजाब भाजपा के संगठन सचिव को भी मारने की धमकी भरा एक पत्र चंडीगढ़ कार्यालय आया था। इसकी सूचना चंडीगढ़ पुलिस को दी गई थी। चंडीगढ़ मुख्यालय के अलावा लुधियाना स्थित भाजपा कार्यालय में भी कई बार ऐसी कॉल्स और चिट्ठियां पहुंची, जिसमें विभिन्न भाजपा नेताओं मारने व ग्रेनेड से उड़ाने की धमकी दी गई। इसकी शिकायतें पंजाब पुलिस को भी दी गई थीं। इतना ही नहीं कुछ दिन पहले एक टूल किट के जरिये कुछ लोगों ने भाजपा के कई नेताओं को टारगेट पर लिया था।

ब्रह्मोस, तेजस, आकाश का दुनिया ने माना लोहा

'भारत ने 38424 करोड़ के बेचे स्वदेशी हथियार'

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के रक्षा निर्यात में वित्त वर्ष 2025-26 में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में डिफेंस एक्सपोर्ट का आंकड़ा रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। ये पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये के मुकाबले 62.66 प्रतिशत ज्यादा है। सरकार के अनुसार, इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक उपक्रम (डीपीएसयू) और निजी क्षेत्र, दोनों का अहम योगदान रहा। कुल निर्यात में डीपीएसयू का हिस्सा 54.84 प्रतिशत और निजी कंपनियों का 45.16 प्रतिशत रहा। इस कामयाबी पर राजनाथ सिंह ने कहा कि देश सफलता की शानदार कहानी लिखा रहा है।

रक्षा निर्यात में बंपर इजाफा :

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि रक्षा निर्यात में यह 'बड़ी छलांग' भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं पर बढ़ते वैश्विक भरोसे को दर्शाती है। देश रक्षा निर्यात में सफलता की शानदार कहानी लिख रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 62.66 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि है। रक्षा मंत्री ने कहा कि 14,802 करोड़ रुपये की इस बड़ी बढ़ोतरी से भारत की स्वदेशी क्षमताओं और उन्नत विनिर्माण क्षमता पर वैश्विक विश्वास झलकता है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) का योगदान 54.84 प्रतिशत है। वहीं निजी उद्योग का योगदान 45.16 प्रतिशत रहा, जो सहयोगात्मक और आत्मनिर्भर रक्षा परिवेश की ताकत को दर्शाता है।

भारत और पीएम मोदी को अमेरिका का दोस्ती का पैगाम

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट युद्ध में अमेरिका बुरी तरह से फंस चुका है। उसे इससे बाहर निकलने का रास्ता नहीं दिख रहा। इसी दौरान अमेरिका को भारत और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की याद आने लगी है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने एक्स पर डोनाल्ड ट्रंप के एक साल से भी ज्यादा पुराने एक बयान को पोस्ट करके भारत और अमेरिकी साझेदारी का गुणगान किया है। भारत में अमेरिकी दूतावास ने ट्रंप के 13 फरवरी, 2025 के बयान और उनके और पीएम मोदी के ज्वाइंट प्रेस कांफ्रेंस की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है-एक दिन पहले भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अमेरिका जाकर दोनों देशों के रिश्तों की घनिष्ठता की दुहाई दी थी। फिर गुरुवार को अमेरिकी दूतावास को भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों की ऊंचाइयों वाले दिन याद आ रहे हैं।

महिला आरक्षण पर संसद में 16 अप्रैल से चर्चा

लोकसभा की सीटें 543 से 816 की जा सकती हैं, बजट सत्र का 3 दिन का सेशन

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। संसद में बजट सत्र के दूसरे सेशन की आज की कार्यवाही पूरी हुई। सरकार ने मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। राज्यसभा और लोकसभा अब 13 दिन के ब्रेक के बाद 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर से बैठेंगी। 3 दिन चलने वाले इस सेशन में महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े अहम बिल पर चर्चा की जाएगी।

दरअसल, सरकार लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। प्रस्तावित 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिसमें से 273 (करीब एक तिहाई) सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार का मकसद 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधन करना है। इसके जरिए महिलाओं के लिए तय कोटे को परिसीमन प्रक्रिया से अलग करना है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' साल 2023 में पारित किया गया था। 2023 में महिला आरक्षण कानून संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था। इसके तहत महिला आरक्षण नई जनगणना के बाद लागू होना है। अब सरकार का प्रस्ताव है कि नई जनगणना का इंतजार करने की बजाय 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन किया जाए। इससे प्रोसेस तय समय पर पूरी हो सकेगी और आरक्षण लागू किया जा सकेगा।

2 बिल लाए जाएंगे, एससी और एसटी कोटा होगा :

दो बिल : एक बिल के जरिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन होगा, जबकि दूसरा परिसीमन कानून में बदलाव से जुड़ा होगा। इसे पास कराने के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा। इसी वजह से सरकार विपक्ष का समर्थन जुटाने में लगी है।

आरक्षण : प्रस्ताव के मुताबिक 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। आरक्षण का ढांचा ऐसा होगा, जिसमें एससी और एसटी वर्ग की महिलाओं को उनके कोटे के भीतर हिस्सा मिलेगा। ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से प्रावधान फिलहाल शामिल नहीं है। इसी फॉर्मूले पर राज्यों की विधानसभाओं में भी सीटें बढ़ाने और महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने की योजना है, ताकि पूरे देश में एक जैसा ढांचा रहे। >14

मेरी सारी शक्तियां छीन लीं : सीएम ममता

चुनाव आयोग और भाजपा पर भी साधा निशाना

मुर्शिदाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर बड़ा हमला बोला है। मुख्यमंत्री ने मालदा जिले में मतदाता सूची में सुधार (एसआईआर) के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों द्वारा घेरे जाने की घटना पर नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग अपने अधिकारियों की रक्षा करने में पूरी तरह नाकाम रहा। ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद के सागरदिघी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। उन्होंने कानून व्यवस्था के बिगड़ते हालात के लिए सीधे तौर पर चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया।

चुनाव आयोग कानून-व्यवस्था संभालने में विफल :

ममता बनर्जी ने कहा कि मालदा में सात न्यायिक अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों ने कई घंटों तक घेरे रखा। इन अधिकारियों को सुरक्षा बलों ने बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। यह अधिकारी मतदाता सूची से नाम काटे जाने के विरोध में हो रहे प्रदर्शन का सामना कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस घटना की कड़ी निंदा की।

उन्होंने कहा कि चुनाव की घोषणा के बाद से आयोग ने प्रशासन और पुलिस के सभी बड़े अधिकारियों को अपनी पसंद से तैनात किया है। इसके बावजूद वह सुरक्षा देने में विफल साबित हो रहा है। रैली में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक जैसे बड़े अधिकारियों को चुनाव आयोग ने हटा दिया है। उन्होंने कहा कि मेरी सारी शक्तियां छीन ली गई हैं और प्रशासन अब पूरी तरह आयोग के हाथ में है।

'सत्ता में आए तो रद्द होगा सीएपीएफ कानून'

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि अगर आगामी आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आती है, तो सीएपीएफ विधेयक 2026 को रद्द कर दिया जाएगा। राहुल गांधी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट अजय मलिक से मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि अजय मलिक ने नक्सली मुठभेड़ के दौरान आईईडी धमाके में अपना एक पैर खो दिया था देश की रक्षा में सब कुछ दांव पर लगा दिया।

राहुल गांधी ने सीएपीएफ बिल पर खड़े किए सवाल

राहुल गांधी ने कहा, 15 साल से अधिक की निष्ठापूर्ण सेवा के बावजूद- प्रमोशन नहीं, अपनी ही फोर्स को लीड करने का अधिकार नहीं। क्योंकि सभी शीर्ष पद आईपीएस अफसरों के लिए आरक्षित हैं। यह सिर्फ एक अफसर की पीड़ा नहीं- यह लाखों सीएपीएफ जवानों के साथ हो रहा संस्थागत अन्याय है। उन्होंने आगे कहा, ये जवान सीमाओं पर तैनात रहते हैं। आतंक और नक्सलवाद से लोहा लेते हैं, लोकतंत्र के उत्सव चुनावों को सुरक्षित बनाते हैं। लेकिन जब इनके अधिकार और सम्मान की बात आती है, तो व्यवस्था मुंह फेर लेती है। लोकसभा में नेता विपक्ष ने कहा, खुद सीएपीएफ के जवान इस भेदभाव के विरूद्ध हैं। सुप्रीम कोर्ट तक ने इस व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। फिर भी वर्तमान सरकार इसी अन्याय को कानूनी रूप से स्थायी बनाने पर आमादा है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट रही सरकार :

सीएपीएफ विधेयक पर कांग्रेस सांसद ने कहा, आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि भारत में किसी भी अर्धसैनिक बल का नेतृत्व ऐसे अधिकारी ने नहीं किया है जो अपने ही अर्धसैनिक बलों में निचले पदों से ऊपर उठा हो। ऐसा कोई अर्धसैनिक बल नहीं है जिसका नेतृत्व बल के भीतर से उभरा हो। शीर्ष नेतृत्व अर्धसैनिक बलों पर थोपा जाता है। यह पूरी तरह गलत है। हमने इसका विरोध किया है और सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसका विरोध किया है।

उन्होंने कहा, सरकार एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को पलट रही है। यह सीएपीएफ के लिए सबसे बड़ा मुद्दा है। मुझे समझ नहीं आता कि आप किसी ऐसे संगठन के मनोबल की रक्षा कैसे कर सकते हैं जो अपने ही किसी व्यक्ति को नेतृत्व के पद पर नहीं बिठा सकता। सरकार ने जो किया है वह अन्यायपूर्ण है। मुझे समझ नहीं आता कि सरकार ऐसा क्यों कर रही है।

गुजरात में आया भूकंप सुबह-सुबह हिली धरती घरों से बाहर भागे लोग

अहमदाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण गुजरात के नवसारी जिले में गुरुवार (2 अप्रैल) सुबह 3.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसकी जानकारी भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने दी। गांधीनगर स्थित इस संस्थान ने बताया कि भूकंप सुबह 5 बजकर 27 मिनट पर आया और इसका केंद्र वांसदा से 22 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में स्थित था। स्थानीय अधिकारियों ने भी बताया कि भूकंप से संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ और न ही किसी के हताहत होने की कोई खबर है। गुजरात भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले 200 सालों में यहां नौ बड़े भूकंप आ चुके हैं। जीएसडीएमए के अनुसार, 2001 का कच्छ भूकंप पिछली दो शताब्दियों में भारत में आया तीसरा सबसे बड़ा और दूसरा सबसे विनाशकारी भूकंप था।

आई-पीएसी प्रमुख से ईडी दिल्ली में करना चाहता है पूछताछ

कोलकाता में सबूत की सुरक्षा पर जताया संदेह

कोलकाता/ नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला घोटाले से संबंधित जांच में सबूत मिटाने का खतरा जताया है। ईडी की ओर से अदालत को बताया गया है कि कोलकाता में सबूत सुरक्षित नहीं हैं, इसलिए वो प्रतीक जैन और ऋषि राज सिंह से दिल्ली में पूछताछ करना चाहता है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि प्रतीक जैन को 2 अप्रैल के बाद कभी भी दिल्ली कार्यालय में तलब किया जा सकता है।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोयला घोटाला मामले में एआईपीएसी की संलिप्तता के आरोपों की जांच शुरू की है। 8 जनवरी को जांच अधिकारियों ने एआईपीएसी कार्यालय और संगठन के नेता प्रतीक जैन के घर की तलाशी ली। उस समय बंगाल की ममता बनर्जी वहां

आकर कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने साथ लेकर चली गयीं थी।

ईडी ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति को लेकर पहले ही मामला दर्ज करा दिया है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। इसी बीच, ईडी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में शिकायत दर्ज कराई है कि कोलकाता स्थित सीबीआई और ईडी कार्यालय जांच के लिए सुरक्षित नहीं हैं। महत्वपूर्ण सबूत चोरी हो सकते हैं। इस मामले की सुनवाई दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंबानी की अध्यक्षता वाली पीठ ने की। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने उन आरोपों का विस्तार से वर्णन किया कि कैसे मुख्यमंत्री ने आईपीएसी कार्यालय पर ईडी के छापे में बाधा डाली। कोर्ट ने ईडी को यह हलफनामा भी देने को कहा गया है कि कोलकाता में पूछताछ क्यों संभव नहीं है।

ईडी ने कोयला घोटाले के सिलसिले में प्रतीक जैन और ऋषिराज सिंह को दिल्ली में पूछताछ के लिए तलब किया है। प्रतीक और ऋषि ने इस समन के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। उनकी दलील है कि वे पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु चुनावों के लिए रणनीति बनाने में व्यस्त हैं, इसलिए वे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए या कोलकाता में पूछताछ का सामना करना चाहते हैं।

हालांकि, ईडी ने आवेदन का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि अगर किसी दस्तावेज़ पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए सवाल उठाए जाते हैं, तो उसकी गोपनीयता भंग हो सकती है। हालांकि, जज ने सवाल किया कि जांच पांच साल से क्यों चल रही है।

डीपफेक पर दिल्ली हाई कोर्ट की सख्ती

अनिरुद्धाचार्य से जुड़े एआई कंटेंट के प्रसार पर लगाई अंतरिम रोक

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। धार्मिक उपदेशक अनिरुद्धाचार्य के पक्ष में एकतरफा अंतरिम आदेश पारित करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने सोशल मीडिया पर एआई सृजित डीपफेक और मीम-आधारित सामग्री के अनधिकृत रोक लगा दी है।

अदालत ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए आध्यात्मिक गुरु का मामला पहली नजर में काफी मजबूत प्रतीत होता है। उनकी लोकप्रिय और सर्वमान्य छवि को देखते हुए अगर अंतरिम आदेश नहीं पारित किया गया तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी और इसकी मौद्रिक रूप से नहीं की जा सकेगी।

अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड पर पेश की गई सामग्री व्यंग के बजाय अपमानजनक प्रतीत होती हैं और अनिरुद्धाचार्य के व्यक्तित्व के अधिकारों का उल्लंघन करती हैं। अदालत ने कहा कि उक्त तथ्यों को देखते हुए अनिरुद्धाचार्य के नाम, आवाज, छवि, रूप का एआई या डीपफेक जैसी तकनीकों के जरिए उपयोग पर रोक लगाई जाती है।

मोहुआ मोइत्रा ने बढ़ा दी है तृणमूल कांग्रेस की टेंशन, नाराज हैं ममता बनर्जी!

कोलकाता, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। सुनने में थोड़ा अटपटा लगेगा लेकिन ये सच है । अपनी ही पार्टी की तेज़ तर्रार नेता और लोकसभा सांसद मोहुआ मोइत्रा के चलते तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और ममता दीदी की टेंशन बढ़ गई है । विधानसभा चुनाव के ठीक पहले मोहुआ मोइत्रा ने एक ऐसा बयान दिया है जो ख़ुद ममता दीदी के लिए मुसीबत बन सकता है।

बताया जा रहा है कि मोइत्रा के बयान से ममता बनर्जी नाराज है। मोहुआ मोइत्रा ने तीन दिनों पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आज़ादी के आंदोलन में बंगाल के लोगों की तुलना में गुजरात के लोगों की भूमिका को लेकर सवाल उठाया था । मोइत्रा ने ये भी पूछा था कि कालापानी की सज़ा पाने वालों में कितने गुजराती शामिल थे ? इस

मोहुआ मोइत्रा के बयान से बढ़ा टेंशन

बयान को लेकर ममता खासी नाराज़ बताई जा रही हैं और उसकी एक बहुत बड़ी वजह बताई जा रही है।

ममता बनर्जी भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और वहीं से एक बार फिर चुनाव लड़ने जा रही हैं। इस विधानसभा का ज़्यादातर इलाका दक्षिण कोलकाता में आता है और इस विधानसभा की एक बड़ी आबादी गुजरातियों और मारवाड़ियों की मानी जाती है। एक अनुमान के मुताबिक़ इस विधानसभा में क़रीब 40 फीसदी आबादी गुजरातियों, मारवाड़ियों और बिहारियों यानि गैर बंगालियों की है। ऐसे में मोहुआ मोइत्रा का ताज़ा बयान गुजरातियों को नाराज़ कर सकता है और इसी बात को लेकर ममता दीदी की सिरदर्दी बढ़ गई है। कुछ पार्टी सूत्रों ने बताया कि ममता ने अपने कुछ पार्टी नेताओं को डैमेज कंट्रोल करने के लिए इन लोगों से संपर्क बढ़ाने को कहा है।

पहले भी मोइत्रा के बयान से टीएमसी की हुई है फजीहत

मोहुआ मोइत्रा बंगाल में कृष्णानगर लोकसभा सीट से सांसद हैं और पहले भी संसद और संसद के बाहर अपने बयानों से विवादों में घिरती रही हैं। जुलाई 2022 में उन्होंने मां काली को मांस खाने और शराब पीने वाला बता दिया था जिसपर हंगामा हो गया था।

खुद उनकी अपनी पार्टी ने भी उनके बयान से किनारा कर लिया था। इसी तरह 2023 में भी लोकसभा में पैसे और गिफ्ट लेकर सवाल पूछने के आरोप में उनकी लोकसभा की सदस्यता चली गई थी।

शादी का झांसा देकर युवती से रेप

इंदौर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के भंवरकुआं थाना क्षेत्र में एक 23 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती को खाना देने के बहाने अपने दोस्त के कमरे पर बुलाया और वहां उसके साथ जबरन संबंध बनाए। घटना के बाद आरोपी ने युवती पर शादी का दबाव भी बनाया। युवती ने बुधवार को भंवरकुआं थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार पीड़िता द्वारकापुरी क्षेत्र की रहने वाली है। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई, जिसके बाद आरोपी ने रंगपंचमी के दिन युवती को कॉल कर अपने दोस्त के कमरे पर खाना लेकर आने के लिए कहा। जब युवती वहां पहुंची, तो आरोपी ने उससे अपने प्रेम का इजहार किया और शादी की बात कहकर उसके साथ संबंध बनाए। इसके बाद दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत जारी रही। कुछ समय बाद आरोपी ने युवती को बताया कि वह पहले से शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है,

पुलिस पर हमले के बाद बंगाल के बीरभूम में 14 लोग गिरफ्तार

कोलकाता, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के सूरी में सड़क निर्माण को लेकर हुए विवाद के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप में कम से कम 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी गुरुवार को अधिकारियों ने दी। यह घटना बुधवार देर रात उस समय घटी जब सूरी के कंकुरिया गांव में एक सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। पुलिस के अनुसार, इलाके में सड़क निर्माण को लेकर पहले से ही भूमि विवाद चल रहा था।

सड़क निर्माण कंपनी ने जेसीबी का इस्तेमाल शुरू कर दिया, जिससे ग्रामीणों और कंपनी के बीच विवाद शुरू हो गया। जल्द ही यह विवाद मारपीट में बदल गया। सूचना मिलते ही सूरी पुलिस स्टेशन के प्रभारी इंस्पेक्टर शैलेंदा उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। आरोप है कि उस समय ग्रामीणों के एक समूह ने पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। पुलिस वाहनों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया। ग्रामीणों के हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

पुलिस कांस्टेबल शैलेंदा उपाध्याय गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत बचाकर सूरी सदर अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंचे। साथ ही, स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए केंद्रीय बलों की दो कंपनियां भी मौके पर पहुंचीं। इस संबंध में बीरभूम जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने इस घटना के सिलसिले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें कई महिलाएं शामिल हैं।

आजम खान पर फांसीघर की जमीन कब्जाने के मामले में 16 अप्रैल को तय होंगे आरोप

सपा नेता आजम खान

रामपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा नेता आजम खान पर जेल के फांसीघर की जमीन कब्जाने के मामले में बचाव पक्ष की ओर से स्थगन प्रार्थना पत्र दिए जाने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले में 16 अप्रैल को सुनवाई होगी। इसमें आजम खां समेत अन्य पर आरोप तय किए जाने हैं। जेल में फांसीघर की जमीन कब्जाने का मामला गंज कोतवाली में 20 सितंबर 2019 को तत्कालीन नायब तहसीलदार कृष्ण गोपाल मिश्रा की ओर से कराया गया था।

मुकदमे में 37 लोगों को नामजद किया था। इन सभी पर फांसी घर की जमीन की खरीद फरोख्त का आरोप है। नायाब तहसीलदार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस जमीन की बिक्री नहीं हो सकती, क्योंकि यह सरकारी है।

कागजों में हेराफेरी कर कुछ लोगों ने जमीन बेच दी। जमीन खरीदने के बाद लोगों ने घर भी बना लिए। पुलिस रिपोर्ट में जमीन बेचने और खरीदने वाले सभी को नामजद किया गया। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आए कि आजम खां के इशारे पर ही जमीन खरीदी गई है। पूछताछ के दौरान खरीदारों ने यह बात कही कि उन्होंने आजम खां के कहने पर ही जमीन खरीदी थी।

इसी आधार पर चार्जशीट में उनका नाम धारा 120 बी (षड्यंत्र रचने) में शामिल किया गया था। उनकी मां और बेटे भी नामजद हुए। मां की मौत हो चुकी है, इसलिए उनका नाम निकाल दिया गया, जबकि आजम खां और बेटे के नाम आरोप पत्र में शामिल किए गए थे। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है।

ईरान में जंग के बीच पाक कहां

नक्सल मुक्त भारत पर क्या बोल गए कांग्रेस नेता? सियासी बवाल की आशंका

कांग्रेस अध्यक्ष सैम पित्रोदा

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने गुरुवार को ईरान युद्ध से लेकर ईवीएम तक कई मामलों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने भारत के पश्चिम एशिया मामले पर रुख को लेकर कहा, "मुझे लगता है कि हमने नैतिक ऊंचाई नहीं ली है। हम वास्तव में ताकतवर और समृद्ध आक्रामक पक्ष के साथ खड़े दिखे हैं।'

' पश्चिम एशिया संघर्ष में पाकिस्तान द्वारा मध्यस्थता की पेशकश पर उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि हर किसी को प्रयास करना चाहिए। यह उनका अधिकार है कि वे शांति स्थापित करने की कोशिश करें। जितने ज्यादा प्रयास होंगे, उतना बेहतर है। ऐसे हालात में कौन सा प्रयास सफल होगा, यह पहले से नहीं कहा जा सकता।"

नफरत फैलाकर समुदायों को बांटना छोटी सोच :सैम पित्रोदा

भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, "यह भारत बनाम पाकिस्तान का सवाल नहीं है। मैं दुनिया को इस नजरिए से नहीं देखता। हर किसी की अपनी भूमिका होती है। आपको उनका सम्मान करना चाहिए। और फिर, धर्म या प्रतिद्वंद्विता के आधार पर नफरत फैलाकर समुदायों को बांटना छोटी सोच है। मुझे उम्मीद है कि हम इतने विकसित हो चुके हैं कि ऐसी संकीर्ण सीमाओं से आगे सोच सकें।"

पश्चिम एशिया पर राहुल गांधी के रुख का किया बचाव

जब उनसे पूछा गया कि क्या पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पश्चिम एशिया पर वही रुख अपनाते जो राहुल गांधी अपना रहे हैं, तो उन्होंने कहा, "वह एक विचार का प्रतिनिधित्व करते हैं। मेरे लिए वह भारत की उस सोच के संरक्षक हैं जो हमारे संस्थापक नेताओं ने हमें दी- सत्य, विश्वास, लोकतंत्र, विविधता और हर व्यक्ति के सम्मान पर आधारित।" उन्होंने कहा, "मेरे अनुसार राहुल गांधी उसी विचार को प्रस्तुत करते हैं।

यह पाकिस्तान, अमेरिका, इस्राइल या ईरान के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन सिद्धांतों के पक्ष में है जिनके लिए हम खड़े हैं।" भारत के नक्सलवाद से मुक्त होने पर उन्होंने कहा, "मैं संवाद में विश्वास करता हूं, बल प्रयोग में नहीं। मैंने कभी बल प्रयोग में विश्वास नहीं किया। लेकिन ये समस्याएं बहुत जटिल हैं। यह 50 वर्षों से चल रही हैं। अगर आप इसकी जड़ में जाएंगे तो समझना होगा कि लोगों ने हथियार क्यों उठाए।

इसका मतलब यह नहीं कि मैं उसका समर्थन कर रहा हूं। लेकिन आपको हर पहलू से चीजों को देखना होगा, सिर्फ अपने नजरिए से नहीं।" उन्होंने कहा, "आपको सहानुभूति रखनी होगी, दूसरों के नजरिए से समझना होगा कि उन्होंने यह रास्ता क्यों चुना। यही महात्मा गांधी का सिद्धांत था। मुझे खुशी है कि अब हिंसा नहीं है, डर नहीं है, लेकिन किस कीमत पर और कैसे यह हुआ, यह बहुत जटिल मुद्दा है।"

एसजीएम नगर में ऑटो पार्ट्स वर्कशॉप में आग, केमिकल ड्रम के ब्लास्ट से छत उड़ी; हिलीं पड़ोस की दीवारें

फरीदाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। एसजीएम नगर में राजा चौक के पास ऑटो पार्ट्स बनाने की एक वर्कशॉप में सुबह करीब 11 बजे आग लग गई। इस दौरान वर्कशॉप में केमिकल से भरा एक ड्रम फट गया, जिससे तेज ब्लास्ट हुआ और वर्कशाप की टिन की छत उड़ गई। ब्लास्ट इतना तेज था कि आस-पास के घरों की दीवारें हिल गईं। वर्कशॉप की छत पर रखी टिन के टूकड़े दूर तक जाकर गिरे। इस आग से एक कर्मचारी के झुलसने की सूचना है। यहां संकरी गली होने के कारण फायर ब्रिगेड की बड़ी गाड़ी को भी फैक्ट्री तक पहुंचने में परेशानी हुई। इसके बाद छोटी गाड़ी मौके पर बुलाई गई, वह वर्कशॉप तक पहुंची। उस गाड़ी के जरिये पानी की बौछार कर आग बुझाई गई।

यह वर्कशॉप एनआईटी पांच निवासी प्रदीप की बताई जा रही है। आग के कारण का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। करीब एक महीने पहले मुजेसर में भी एक फैक्ट्री में आग लगी थी। इस दौरान फैक्ट्री में रखे 10 से अधिक केमिकल के ड्रमों में ब्लास्ट हुआ था, जिनसे करीब 15 लोग झुलस गए थे। इनमें से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

शिमला में 288 ग्राम चिट्टा बरामद

शिमला, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस ने इस साल की चिट्टे की सबसे बड़ी खेप बरामद की है। आईएसबीटी टूटीकंडी में हरियाणा के तस्कर से 288 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया है। इसकी कीमत 10 से 15 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी की पहचान शमशाद अहमद (उम्र 42 वर्ष), निवासी जिला अंबाला, हरियाणा के रूप में हुई। पुलिस ने बालूगंज थाना में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शिमला पुलिस की स्पेशल सेल टीम, मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु आईएसबीटी शिमला क्षेत्र में गश्त पर तैनात थी। इस दौरान टीम को मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति कैरी बैग में भारी मात्रा में चिट्टा (हेरोइन) लेकर आईएसबीटी के प्रथम तल पर घूम रहा है और यहां के स्थानीय युवाओं को बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए हुलिये के अनुसार संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उससे पूछताछ की।

मेडिकल चेकअप कराने इंदौर आया आसाराम

सरकारी सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में चेकअप के लिए पहुंचा, इस बार अलग रास्ते से अंदर ले गए अनुयायी

इंदौर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दुष्कर्म का आरोपी आसाराम बापू गुरुवार को इंदौर के सरकारी सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल में पहुंचा। उसके साथ कुछ अनुनायी थे। सुबह करीब 10 बजे सबसे पहले बापू के खास 10-15 अनुयायी हॉस्पिटल के साइड वाले गेट के रास्ते से अंदर पहुंचे। अंदर जाकर डॉक्टरों और संबंधितों से बात कर जल्द ही आसाराम के हॉस्पिटल में पहुंचने की सूचना दी। इसके बाद वहां गहमा-गहमी काफी बढ़ गई और आसाराम को अंदर ले जाने के इंतजाम शुरू हो गए।

दरअसल गुरुवार को आसाराम के आने की भनक किसी को नहीं थी। पिछली बार जब वह मुख्य गेट से आया था तो वहां काफी गहमागहमी बढ़ गई थी। इसके चलते इस बार उसकी एंट्री अलग साइड वाले गेट के रास्ते की थी। यहां उसके अनुयायियों और संबंधित स्टाफ व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ी के चलते बापू को तकलीफ होने की सूचना है। एक घंटे बाद करीब 11 बजे कार उसी साइड वाले गेट पर आकर रुकी। इसमें से पहले अनुयायी उतरे और आसाराम को उतारा। सफेद धोती-पाजामा पहले आसाराम को व्हील चेयर दी गई तो वह नहीं बैठा और रैलिंग के सहारे धीरे-धीरे गेट तक पहुंचा। फिर उसे अनुयायी अंदर ले गए। हॉस्पिटल में उसका चेकअप कराने के साथ कुछ जांचें भी हुई।

इस दौरान बाहरी किसी भी व्यक्ति की एंट्री नहीं थी। सभी गेट पर सिक्युरिटी गार्ड तैनात थे और हर एक्टिविटी पर नजर रख रहे थे। इस दौरान यूनिट में डॉक्टरों और इमरजेंसी स्टाफ के अलावा किसी की भी एंट्री नहीं था। नजदीकी सूत्रों के मुताबिक बापू को गुरुवार को इंदौर में ही है। उधर, खंडवा रोड इंदौर स्थित आसाराम बापू आश्रम में आज श्री रामा भाईजी और साध्वी ज्योत्सना बहन द्वारा गीता भागवत सत्संग और पूनम दर्शन कार्यक्रम है।

अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार; 10 पिस्टल बरामद

पटियाला, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के थाना शंभू पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से 10 अवैध पिस्टल बरामद की गई हैं,

जिन्हें वे राज्य में सप्लाई करने की फिराक में थे। आरोपितों की पहचान सौरव कुमार निवासी गांव जारंग, थाना गायघाट, जिला मुजफ्फरपुर (बिहार), साजन निवासी सोहाना (जिला मोहाली), इंद्रजीत सिंह निवासी बिशन नगर (पटियाला) और अभिषेक निवासी गुरदीप कॉलोनी, अबलोवाल (पटियाला) के रूप में हुई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ये हथियार किन राज्यों से लाए गए थे और इन्हें पंजाब में किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच को विभिन्न पहलुओं से आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि अवैध हथियारों की सप्लाई चेन को पूरी तरह से तोड़ा जा सके।

अवध ओझा ने राहुल गांधी को दी खास सलाह, वे अच्छे नेता हैं लेकिन राजनीतिक समझ की कमी है'

पूर्व नेता अवध ओझा

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और मशहूर शिक्षाविद अवध ओझा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विदेश दौरे पर प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ ही उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को 2 सलाह भी दे डालीं। अवध ओझा राजनीति से संन्यास ले चुके हैं और वह अपने विश्लेषण के लिए जाने जाते हैं। वह नेताओं की रणनीति, निर्णय क्षमता और राजनीतिक समझ पर अक्सर बात करते हैं। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को उनकी राजनीतिक समझ बढ़ाने और सही राजनीतिक गुरु चुनने के लिए कहा। अवध ओझा ने कहा, “क्यों विदेश यात्रा पर जाते हैं मुझे नहीं पता, लेकिन एक राजनेता के रूप में अच्छा विकास किया है। उन्हें दो चीज़ों चाहिए है। पहली, उन्हें एक अच्छा राजनीतिक गुरु चाहिए जो उन्हें राजनीतिक समझ पैदा करने में मदद करे। जब तक उनके अंदर राजनीतिक समझ विकसित नहीं होगी, तब तक वो अपने फैसले खुद नहीं ले पाएंगे। मैं यह नहीं कह रहा कि वो राजनीतिक विज्ञान पढ़ें, लेकिन उन्हें राजनीतिक समझ की आवश्यकता है।”

ओझा का मानना है कि राहुल गांधी बेहतर नेता बन रहे हैं और उनमें पहले से काफी सुधार हुआ है। ओझा ने दूसरी सलाह देते हुए कहा कि राहुल गांधी को चंद्रगुप्त मौर्य, समुद्रगुप्त, अलाउद्दीन खिलजी और अकबर जैसे महान शासकों के उदाहरणों से सीख लेनी चाहिए। उन्हें नवरत्नों का कॉन्सेप्ट समझना चाहिए, तो शायद वो राजनीतिक में और सफल हो सकते हैं। बता दें कि राहुल गांधी का विदेश दौरा अक्सर सुर्खियां में रहता है।

बीजेपी अक्सर आरोप लगाती है कि कांग्रेस नेता विदेश दौरे के दौरान विदेशी नेताओं और संगठनों से मिलते हैं, जो देश के हित में नहीं है। अभी हाल ही में लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी की यात्राओं पर तीखा हमला बोला था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने जब आरोप लगाया कि स्पीकर ओम बिरला उन्हें बोलने नहीं देते तब शाह ने कहा था कि जब बोलने का मौका आता है तब वो जर्मनी-इंग्लैंड घूमने निकल जाते हैं।

3 बच्चों की मां ने जहर खाकर जान दी

इंदौर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर में तीन बच्चों की मां ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। घटना आजाद नगर क्षेत्र की है। रात महिला को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतका सीमा (26) पत्नी चंद्रभान प्रजापति, निवासी अभिषेक नगर है। रात उसे उपचार के लिए एमवाय अस्पताल लाया गया था। पति चंद्रभान ने बताया कि रात करीब साढ़े 10 बजे घर पहुंचने पर सीमा की तबीयत खराब थी और पूछने पर उसने जहर खाने की बात बताई। पुलिस के अनुसार, सीमा कुछ दिनों से करण नाम के युवक से मोबाइल पर बात और चैटिंग कर रही थी। यह बात पति को पता चलने पर उसने उसे डांटा था।

पुलिस का कहना है कि इसी बात से आहत होकर सीमा ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। दोनों की शादी को 8 साल से ज्यादा समय हो चुका है और उनके तीन बच्चे हैं। चंद्रभान मूल रूप से सागर का रहने वाला है और करीब 14 साल पहले काम के सिलसिले में इंदौर आया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शुक्रवार, 3 अप्रैल, 2026

सुविचार: यदि कोई आपसे नाराज है और आपको बुरा-भला कह रहा है तो उस समय उत्तेजित होने के बजाय धैर्यता से काम लें

मुलुगु में प्राचीन मानव अंतिम संस्कार स्थल की खोज सफल

ऐतिहासिक धरोहर के बड़े प्रमाण का पता लगा

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के हेरिटेज विभाग ने मुलुगु जिले के दमरवाई मंडल के मोट्लागुड़ेम गांव में प्राचीन मानव अवशेषों और डोलमेन अंतिम संस्कार संरचनाओं की खोज की पुष्टि की है। यह कार्रवाई स्थानीय निवासियों की सूचना पर विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन के निर्देशन में हुई।

तकनीकी टीम का नेतृत्व आचार्य अर्जुन राव (निदेशक), डॉ.पी. नगराजु (उप निदेशक), एवं ए. राजू (ओएसडी) ने किया। बताया जा रहा है कि मानव ने चांद पर कदम रखा है और सूचना फाइव जी गति पर विश्व स्तर पर प्रसारित होती है, ऐसे समय में स्टोन एज (पाषाण युग) के मानव अंतिम संस्कार स्थल का मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण है। गोदावरी नदी के बेसिन में पाए गए ये स्थल इस क्षेत्र में प्राचीन मानव के अस्तित्व की पुष्टि करते हैं और उनके जीवन, रीति-रिवाज, व्यवसाय और सामाजिक संरचना के बारे में मूल्यवान ऐतिहासिक साक्ष्य प्रदान करते हैं। मोट्लागुड़ेम गांव तदवाई मंडल, मुलुगु जिले में स्थित स्थानीय रूप से इन्हें 'राकासी बंडालु' (विशाल पत्थर) और 'राकासी गुहालु' (विशाल गुफाएं) कहा जाता है। काप्पलायी गुट्टा क्षेत्र में पाए गए डोलमेन अंतिम संस्कार में चार बड़े खड़े पत्थर स्लैब और उनके ऊपर विशाल कैपस्टोन शामिल हैं। प्रत्येक अंतिम संस्कार में छोटे पत्थर के ट्रॉफ जैसे संरचना और एक खाली स्थान भी है, जिसे एक वृत्ताकार पत्थर सीमा में घेरा गया है। इन संरचनाओं का फैलाव लगभग 100 एकड़ में है और प्रत्येक कैपस्टोन का वजन 10-20 टन है। पत्थर के स्लैबों और संरचनाओं से स्पष्ट है कि यह एक सुव्यवस्थित प्राचीन बस्ती का संकेत देता है। ईटुरनगरम एजनसी और मंगापेट मंडल में मोट्लागुड़ेम, कोमुड़ारम, चेत्तुपल्ली, कंचनपल्ली, गलाबा, डोंगठोगु, गुंडला आदि क्षेत्रों में सैकड़ों ऐसे स्थल पाए गए। समय के साथ कुछ संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और कुछ पत्थर स्थानीय निवासियों द्वारा घर निर्माण या पशुपालकों के लिए पानी के बर्तन के रूप में उपयोग किए जा चुके हैं।

ये डोलमेन अंतिम संस्कार मिस्र के पिरामिडों की तरह जीवन के बाद के विश्वास और पुनर्जन्म की प्राचीन आस्थाओं को दर्शाते हैं। दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों जैसे तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना में भी समान अंतिम संस्कार परंपराएं पाई जाती हैं। तेलंगाना में इस प्रकार की अद्वितीय और महत्वपूर्ण धरोहर संरचनाओं की उपस्थिति पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। इसे संरक्षित और अध्ययन के योग्य घोषित करना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है।

सीपीआई (एम) ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान की आलोचना की

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (एम) की राज्य इकाई ने केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के खिलाफ मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बड़ा भाई कहने वाले उनके पुराने बयान को भी याद दिलाया।

सीपीआई (एम) के राज्य सचिव जॉन वेस्ली ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने यह दावा किया कि केरल के मुख्यमंत्री को वोट देना प्रधानमंत्री को वोट देने के बराबर है। एक बयान में वेस्ली ने बताया कि रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना दौरे के दौरान प्रधानमंत्री को अपना बड़ा भाई कहा था, जबकि केरल में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि पिनारयी विजयन और नरेंद्र मोदी एकमत हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केरल में यूडीएफ सरकार के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं, जबकि तेलंगाना को कई क्षेत्रों में अग्रणी राज्य के रूप में पेश कर रहे हैं। वेस्ली ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि केरल अपने बजट का 24 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करता है, जबकि तेलंगाना में यह आंकड़ा लगभग आठ प्रतिशत है।

बिना किसी समझौते के विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रही है सरकार : सीएम

ग्राम सभाओं के आयोजन पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का संदेश

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 'प्रजा पालना-प्रगति योजना' के 99 दिनों के कार्यकाल के तहत आज राज्यभर में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीएम ए. रेवंत रेड्डी ने प्रदेश की जनता के नाम संदेश जारी किया, जिसे ग्राम सभाओं में अधिकारियों द्वारा पढ़कर सुनाया गया।

अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि जन सरकार को जिम्मेदारी संभाले दो वर्ष तीन महीने पूरे हो चुके हैं। आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए और पिछली सरकार की गलतियों को सुधारते हुए वर्तमान सरकार बिना किसी समझौते के कल्याण और विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार खुद को शासक नहीं, बल्कि जनता का सेवक मानती है और हर निर्णय में जनता की भलाई, सामाजिक जिम्मेदारी और राज्य के भविष्य को प्राथमिकता दी जा रही है। उपचुनाव, पंचायत और नगर निकाय चुनावों में मिली लगातार जीत को उन्होंने जनता के समर्थन का प्रमाण बताया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित न रहकर लोगों के जीवन में बदलाव लाने के उद्देश्य से लागू की जा रही हैं। इसी सोच के साथ 'प्रजापालन-प्रगति योजना' की शुरूआत की गई है, जो 6 मार्च से 99 दिनों तक गांव से लेकर राज्य स्तर तक एक जनआंदोलन की तरह संचालित होगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गांव-गांव की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दें, फाइलों का तेजी से निपटारा करें, सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता बनाए रखें और निर्णयों में पारदर्शिता सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि महालक्ष्मी योजना के तहत मुफ्त बस सेवा, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, आरोग्यश्री, राशन कार्ड, सन्ना चावल, इंदिरम्मा आवास और महिला सशक्तिकरण जैसी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने 'तेलंगाना राइजिंग-2047' विजन का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य को हर क्षेत्र में विश्व स्तर पर अग्रणी बनाना लक्ष्य है। इसके लिए क्योर, प्योर और रेयर मॉडल के तहत सेवा, विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह 99 दिनों का कार्यक्रम केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक संकल्प है, जिसमें चार करोड़ तेलंगाना के लोग मिलकर राज्य को देश और दुनिया के लिए आदर्श बनाएंगे। अंत में उन्होंने राज्य के सभी नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए इस लक्ष्य को साकार करने का आह्वान किया।

दक्षिण मध्य रेलवे ने वर्ष 2025-26 में दर्ज किए अभूतपूर्व प्रदर्शन

माल राजस्व में 13,575 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में यात्री और माल परिवहन सहित कई क्षेत्रों में अपने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

इस दौरान 28.64 करोड़ यात्रियों ने एससीआर की सेवाओं का लाभ लिया, जबकि माल राजस्व में 13,575 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल हुआ। एससीआर के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में पिछले वित्तीय वर्ष की उपलब्धियों का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि 2026-27 के लिए एससीआर को 13,026 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जो पिछले वर्ष 11,012 करोड़ रुपये की तुलना में 18.3 प्रतिशत अधिक है। संजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि एससीआर ने 147.87 मिलियन टन माल परिवहन किया, जो अब तक का सर्वोच्च रिकॉर्ड है। सीमेंट, क्लिंकर और लौह अयस्क की लोडिंग भी सर्वाधिक रही। माल राजस्व 13,575 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो पिछली वर्ष की तुलना में सबसे अधिक है। यात्री राजस्व 6,235.37 करोड़ रुपये रहा, जबकि यात्रियों की संख्या 2.86 करोड़ रही।

वर्ष में 3,791 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। 276 अतिरिक्त डिब्बे 197 ट्रेनों में जोड़े गए और 59 ट्रेनों में एलबीएच कोच शामिल किए गए। उन्होंने कहा कि 194.57 किमी नई ट्रैकिंग हुई, जिसमें नई लाइनें, डबलिंग और ट्रिपलिंग शामिल हैं। 325 किमी ट्रैक विद्युतीकरण किया गया। 72 रोड अंडर ब्रिज और 27 रोड ओवर ब्रिज बनाए गए। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 119 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। 40 स्टेशन तेलंगाना में हैं, जिनमें वारंगल, बेगमपेट और करीमनगर का उद्घाटन किया गया। अन्य उपलब्धियों की चर्चा करते हुए महाप्रबंधक ने बताया कि 479 आर.किमी. ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग स्थापित की गई। कवच 4.0 का 486 आर.किमी. में सफल कार्यान्वयन किया गया। 65 मानव एलसी गेट हटाए गए और इंटरलॉकिंग/स्लाइडिंग बूम प्रदान किए गए। 40 लिफ्ट और 25 एस्केलेटर स्थापित किए गए। 10.74 एमडब्लूपी सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया, जिससे 13.2 करोड़ रुपये वार्षिक बचत होगी। 37 सर्विस बिल्डिंग्स को शून्य/शून्य प्लस ऊर्जा लेबलिंग प्राप्त हुई। एससीआर ने 2025-26 में अपने प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त की है और भविष्य में भी विकास की ऊंचाइयों को छूने का संकल्प लिया है।

भीषण गर्मी से बढ़ा बीमारियों का खतरा अस्पतालों में मरीज बढ़े

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में भीषण गर्मी का दौर शुरू होते ही गर्मी से जुड़ी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ने लगा है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने से लू और निर्जलीकरण की समस्या आम हो गई है। स्थानीय क्लीनिक, नर्सिंग होम और बड़े अस्पतालों में मरीजों की संख्या में बदलाव देखा जा रहा है। बुखार अस्पताल सहित कई स्वास्थ्य केंद्रों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीज बढ़ने लगे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। दिन में तेज गर्मी और शाम को गरज के साथ बारिश व तेज हवाएं चल रही हैं, जिससे शरीर को अनुकूल होने में दिक्कत हो रही है। इसके चलते अस्पतालों में गर्मी से थकावट और पानी से होने वाले संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं।

डॉक्टरों ने बताया कि इस मौसम में भोजन जल्दी खराब हो जाता है, जिससे तीव्र दस्त और निर्जलीकरण जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

भेड़-बकरी का 12 टन सड़ा मांस बरामद, एक गिरफ्तार

> अवैध बेकरी उत्पाद निर्माण का भी खुलासा

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स, गोलकोंडा टीम ने एच-फास्ट टीम और मंगलहाट पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर अवैध रूप से भेड़ और बकरी के खराब/बासी मांस का संग्रहण और बिक्री करने वाले एक गिरोह को पकड़ा। कार्रवाई में लगभग 12 टन मांस जब्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये बताया जा रहा है।

इस कार्रवाई में रफी अहमद (52 वर्ष) प्रबंधक, ए टू जेड भेड़ और बकरी ऑफल स्टोर, अमन नगर कॉलोनी, मंगलहाट को गिरफ्तार किया गया। उनके मालिक मो. अफरोज़ वर्तमान में फरार हैं। आरोपी रफी अहमद ने मालिक की मदद से सस्ते दामों पर थोक बाजार से बासी/खराब मांस खरीदे और उन्हें स्टोर में लंबे समय तक डीप फ्रीजर और प्लास्टिक टब में जमा कर रखा। इसके बाद, वे इन्हें ताजा और स्वच्छ दिखाकर शादी, आयोजनों और होटलों में सप्लाई करते थे, जिससे लोगों की सेहत को गंभीर खतरा होता था। इस कार्रवाई में एडिशनल डीसीपी अंडे. श्रीनिवास राव, कमीशनर टास्क फोर्स, हैदराबाद, निरीक्षक आर. वेणकटेश, गोलकुंडा ज़ोन, एस. राघवेंद्र, मंगलहाट, एसआई के. वेंकट रमण, गोलकोंडा टास्क फोर्स, टी. अनुशा आदि शामिल रहे। इसी क्रम में एक अन्य मामले में अवैध बेकरी उत्पाद निर्माण का गिरोह पकड़ा गया है और 2.77 लाख रुपये के सामान जब्त किया गया है। कमिश्नर की टास्क फोर्स, गोलकोंडा टीम ने टप्पाचबुतरा पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर 'चांद बेकरी', नटराज नगर, झिर्रा में अवैध और अस्वच्छ परिस्थितियों में बेकरी उत्पाद निर्माण करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में कुल 2,77,630 मूल्य के बेकरी सामान जब्त किए गए। पुलिस ने इस मामले में सैयद ख़दीर (42 वर्ष) व्यवसायी, चांद बेकरी, निवासी अंबेडकर नगर कॉलोनी, आसिफ नगर, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार सैयद ख़दीर बिना किसी वैध खाद्य लाइसेंस, निर्माण लाइसेंस, श्रम या ट्रेड लाइसेंस के अस्वच्छ परिस्थितियों में बेकरी उत्पाद तैयार कर रहा था। इन उत्पादों को विभिन्न किराना स्टोर, कैफ़े और होटलों में सप्लाई किया जा रहा था। यह न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा भी है।

एसपीआर हिल्स को खेल मैदान बनाए रखने की मांग

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के जुबली हिल्स क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को अधिकारियों से मुलाकात कर एसपीआर हिल्स क्षेत्र को खेल मैदान के रूप में बनाए रखने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद कलेक्टर दासारी हरि चंदना, महिला एवं बाल कल्याण विभाग की सचिव अनीता रामचंद्रन और आर एंड बी विभाग के मुख्य अभियंता राजेश्वर रेड्डी से मिलकर प्रस्तावित महिला छात्रावास निर्माण को किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र पहले पत्थर की खदान और निचला इलाका था, जिसे पिछली बीआरएस सरकार के दौरान खेल मैदान के रूप में विकसित किया गया था। वर्तमान में स्थानीय लोग यहां सुबह की सैर करते हैं और युवा खेलकूद व सामाजिक गतिविधियों के लिए इसका उपयोग करते हैं।

सोशल मीडिया वीडियो के आधार पर पांच गिरफ्तार

> मोटरसाइकिल पर जोखिमपूर्ण ड्राइविंग का आरोप

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सैफाबाद पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो की जांच के बाद पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। आरोप है कि उन्होंने मोटरसाइकिल पर अत्यधिक लोडिंग की और सार्वजनिक मार्गों पर खतरनाक स्टंट किए। बीते 29 मार्च को रात लगभग 01:00 बजे, एक काली पल्सर मोटरसाइकिल को तेलंगाना तल्ली फ्लाईओवर जंक्शन से टीजी सचिवालय की ओर जाते देखा गया। सवार ने चार पिलियन सवारों को लेकर तेज और लापरवाह ड्राइविंग की। वीडियो, जो इंट्राग्राम अकाउंट पर साझा किया गया था। वीडियों में सभी बिना हेलमेट दिखाई दिए, जिससे उनकी और अन्य राहगीरों की जान को गंभीर खतरा था। वीडियों के आधार पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने वड्डी अर्जुन (22) निजी कर्मचारी, विद्यानगर, अरुपु रोहित (19) रैपिडो कर्मचारी, मणिकेश्वर नगर, चिंतकुंटा अंजा कुमार (19) छात्र, रामनगर गुंडू, सिद्दम कौशिक (18) छात्र, मणिकेश्वर नगर, वल्लापु मुरली (18) कार मैकेनिक, आडिकमेट को गिरफ्तार कर लिया। सैफाबाद पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने वाले स्टंट से बचें।

एमडीएमए तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

> 3.6 लाख रुपये के नशीले पदार्थ बरामद

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी कमिश्नरेट के एसओटी एलबी नगर जोन और नागोले पुलिस ने एक बड़े एमडीएमए तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए दो व्यक्तियों को नागोले क्रॉस रोड से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपी जुनैद रज़ा सिद्दिकी (36 वर्ष) और सुनील सुब्बा उर्फ़ जॉनी (29 वर्ष)है । उनके पास 25.65 ग्राम एमडीएमए, तीन मोबाइल फोन, नकद राशि, दो होंडा एक्टिवा स्कूटर और एक तराजू बरामद हुआ। बरामद की गई कुल संपत्ति की कीमत लगभग 3.61 लाख रुपये है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने हिमाचल प्रदेश के आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क कर यह नशीला पदार्थ शहर में वितरित किया और तेज़ी से मुनाफा कमाया। दो मुख्य आपूर्तिकर्ता, मुहम्मद अंसार और राजू, अभी फरार हैं। गिरफ्तारी 1 अप्रैल को सूचना मिलने के बाद की गई। पुलिस ने आपूर्तिकर्ताओं की तलाश तेज कर दी है और शहर में नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नशीले पदार्थों की गतिविधियों के संबंध में जानकारी साझा करें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। यह कार्रवाई मल्काजगिरी पुलिस कमिश्नर अविनाश मोहंती की सीधे देखरेख में हुई और डीसीपी के. मनोहर, डीसीपी बी. अनुराधा, अतिरिक्त डीसीपी शाकिर हुसैन तथा एसओटी और एलबी नगर/नागोले पुलिस कर्मियों के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

केवल सस्ता प्रचार पाने के लिए नाटकीय बयानबाजी : एन.वी. सुभाष

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने गुरुवार को राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा केरल में हाल ही में आयोजित चुनावी रैली में दिए गए 'असंवेदनशील और अपरिपक्व' बयान पर कड़ा आपत्ति जताई। भाजपा के राज्य मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने बताया कि मुख्यमंत्री के बयान, जिसमें उन्होंने पिनराई विजयन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना 'भाई' के रूप में की और राज्य की समस्याओं का दोष उन्हें दिया, तथ्यों के विरूद्ध होने के साथ-साथ संवैधानिक पद धारण करने वाले नेता के लिए अनुचित हैं। सुभाष ने कहा कि इस तरह के बयानों से राजनीतिक अपरिपक्वता और मुख्यमंत्री पद की गरिमा के प्रति उपेक्षा झलकती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि चुनावी प्रचार के दौरान सार्वजनिक विमर्श तथ्यों, जवाबदेही और रचनात्मक आलोचना पर आधारित होना चाहिए, न कि केवल सस्ता प्रचार पाने के लिए नाटकीय बयानबाजी तक सीमित। भाजपा प्रवक्ता ने याद दिलाया कि भारत और केरल की राजनीतिक रूपरेखा दशकों की शासन व्यवस्था और कांग्रेस व कम्युनिस्ट पार्टियों की नीतियों से गढ़ी गई है।

मुख्यमंत्री द्वारा दोष को सुविधाजनक तरीके से स्थानांतरित करना और इस ऐतिहासिक वास्तविकता की अनदेखी करना केवल राजनीतिक अवसरवाद को उजागर करता है। सुभाष ने रेवंत रेड्डी के राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी राजनीति की शुरूआत तेलुगु देशम पार्टी से की थी और बाद में कांग्रेस में शामिल हुए। ऐसे बदलावों से विचारधारात्मक स्थिरता पर सवाल उठते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस की लंबी चालाकी पर भी ध्यान दिलाया, जो राष्ट्रीय स्तर पर लेफ्ट पार्टियों के साथ गठबंधन बनाए रखते हुए केरल में विरोधी होने का ढोंग करती रही है। उन्होंने कहा कि यूडीएफ और एलडीएफ के बीच कथित मुकाबले ने वर्षों में राज्य के विकास के रास्ते को मूलतः बदलने में बहुत कम योगदान दिया है। सुभाष ने चेताया कि अवसरवादी बदलाव और आक्रामक रुख जनता के नेतृत्व पर विश्वास कमजोर करते हैं। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब मतदाता गंभीरता और समाधान की उम्मीद रखते हैं, इस तरह के बयान महत्वपूर्ण प्रशासनिक मुद्दों को तुच्छ कर देते हैं और राजनीतिक बहस के मानक को घटाते हैं। उन्होंने नेताओं से आग्रह किया कि वे पक्षपातपूर्ण नाटकों से ऊपर उठें और मतदाताओं के साथ जिम्मेदारी से संवाद करें, दूरदर्शिता और जवाबदेही पेश करें।

सरकारी सेवा न करने पर डॉक्टरों पर भारी जुर्माना और प्रतिबंध

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मेडिकल स्नातकोत्तरों के लिए अनिवार्य सरकारी सेवा को सख्ती से लागू करने के लिए नए कड़े नियम लागू किए हैं। सेवा पूरी न करने वाले डॉक्टरों पर भारी जुर्माना और करियर से जुड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

चिकित्सा शिक्षा निदेशालय (अकादमिक) के निदेशक डॉ.के. सिवराम प्रसाद द्वारा जारी परिपत्र में इन दिशानिर्देशों को लागू किया गया है। नए नियमों के तहत, यदि कोई डॉक्टर 18 महीने के भीतर सेवा में शामिल नहीं होता या सेवा पूरी नहीं करता है, तो पीजी डिग्री धारकों पर 20 लाख रुपये और डिप्लोमा धारकों पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा, ऐसे डॉक्टरों को सरकारी संस्थानों में आगे की पढ़ाई की अनुमति नहीं मिलेगी और वे राज्य में सरकारी नौकरी के लिए भी अयोग्य घोषित किए जाएंगे। निर्देशों के अनुसार, सभी पीजी, डिप्लोमा और सुपर स्पेशलिटी डॉक्टरों को पोस्टिंग की तारीख से 12 महीने के भीतर अपनी अनिवार्य सेवा पूरी करनी होगी। जिन डॉक्टरों को पढ़ाई पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय मिला है, उनके लिए यह अवधि कोर्स पूरा होने की तिथि से मानी जाएगी। सेवा अवधि के दौरान अवकाश भी सीमित रहेगा। डॉक्टरों को केवल साप्ताहिक अवकाश, ड्यूटी के बाद का अवकाश और 20 दिन का आकस्मिक अवकाश ही मिलेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आकस्मिक अवकाश से अधिक छुट्टी केवल गर्भावस्था या मातृत्व से जुड़े कारणों पर ही दी जाएगी।

बीएचयू के छात्र की जाति पूछकर पिटाई, सपा छात्र सभा इकाई अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर; गिरफ्तार

वाराणसी, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में परास्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र प्रशांत मिश्र की क्लास में जाति पूछकर पिटाई की गई है। आरोप है कि समाजवादी छात्र सभा बीएचयू इकाई के अध्यक्ष हिमांशु यादव ने गाली गलौज करते हुए पिटाई की। मामले में पीड़ित छात्र ने लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। छात्र प्रशांत मिश्र ने पुलिस को बताया कि सुबह 11.45 बजे क्लास में था। इस दौरान हिमांशु यादव ने उससे जाति और कोर्स पूछा फिर उसकी पिटाई कर दी। आरोपी ने गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

सीएम नीतीश कुमार को मिली जेड प्लस सिक्योरिटी

गृह विभाग से आदेश

पटना, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जेड प्लस कैटेगरी की सिक्योरिटी मिली है। यह सुरक्षा उनके पास मुख्यमंत्री का पद छोड़ने तक मिलती रहेगी। गृह विभाग ने पुलिस महानिदेशक और डीजी को इसे लेकर आदेश भी जारी कर दिया है। गृह विभाग की ओर से जारी लेटर में कहा गया, सीएम नीतीश कुमार को बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट-2000 के तहत सुरक्षा अनुमान्य है।

गृह विभाग के लेटर में और क्या लिखा गया?

गृह विभाग की ओर से जारी लेटर में सीएम नीतीश के राज्यसभा जाने का भी जिक्र किया गया। कहा गया कि राज्यसभा के लिए मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए हैं। जल्द ही अब वे मुख्यमंत्री के पद से भी त्यागपत्र देंगे और राज्यसभा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

की सदस्यता ग्रहण करेंगे। ऐसे में सीएम नीतीश की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की गई और जेड प्लस कैटेगरी की सुरक्षा देने का निर्णय लिया।

क्या होती है जेड प्लस सुरक्षा?

भारत में सुरक्षा श्रेणियों को 6 स्तरों में बांटा गया है। जेड प्लस श्रेणी में चार या पांच एनएसजी कमांडो समेत कुल 22 सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। जेड प्लस श्रेणी में 36 जवान होते हैं, जिनमें 10 से अधिक एनएसजी कमांडो के साथ दिल्ली पुलिस, आईटीबीपी या सीआरपीएफ के जवान भी शामिल होते हैं। एक एस्कॉर्ट गाड़ी भी सुरक्षा में शामिल होती है। सबसे उच्च स्तर की एसपीजी सुरक्षा की शुरुआत 1985 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद की गई थी।

30 मार्च को सीएम नीतीश ने दिया इस्तीफा

30 मार्च को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद की सदस्यता से आधिकारिक तौर पर इस्तीफा दे दिया। 16 मार्च 2026 को राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने जाने के बाद नीतीश कुमार ने उच्च सदन जाने का फैसला किया।

नीतीश कुमार का यह कदम भारतीय राजनीति के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है, क्योंकि अब वे उन राजनेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने लोकतंत्र के चारों सदनों का प्रतिनिधित्व किया है।

सपा सांसद मोहिबुल्लाह के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका इलाहाबाद हाई कोर्ट ने की खारिज

प्रयागराज, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह के चुनाव की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा, पराजित हुए भाजपा प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी ने चुनाव याचिका में वाद कारण का उल्लेख नहीं किया है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की बाध्यकारी धारा 83 का अनुपालन नहीं हुआ है। कोर्ट ने विपक्षी सपा सांसद की सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत दाखिल अर्जी स्वीकार करते हुए भाजपा प्रत्याशी की चुनाव याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सीके राय ने याची के अधिवक्ता मधुर प्रकाश व विपक्षी सांसद के अधिवक्ता नरेंद्र कुमार पाण्डेय को सुन कर दिया है।

भाजपा प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी ने सांसद मोहिबुल्लाह के चुनाव को भ्रष्ट आचरण के आधार पर शून्य घोषित करने की मांग की थी। कहना था कि विपक्षी का नामांकन पत्र गलत तरीके से स्वीकार किया गया है। विपक्षी का कहना था कि वाद कारण ही नहीं है, जिससे चुनाव प्रभावित हो। इनका कहना था कि सांसद ने वोटर लिस्ट में नाम स्पेलिंग की त्रुटि दुरुस्त करा ली थी। इसकी जानकारी याची को नहीं थी। बिना ठोस आधार के मनमाने आरोप में याचिका दायर की गई है। याचिका में वाद कारण का विवरण नहीं दिया गया है। यह कानून के बाध्यकारी नियम का उल्लघंन है इसलिए याचिका खारिज की जाए।

हार के बाद प्रशांत किशोर ने बनाया नया प्लान, जनसुराज में कर रहे बड़ा बदलाव

प्रशांत किशोर

पटना, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में पिछले साल मिली करारी हार के बाद प्रशांत किशोर अब अपनी पार्टी जनसुराज को फिर से मजबूत करने में जुट गए हैं। चुनावी नतीजों के बाद पार्टी संगठन को लेकर लगातार समीक्षा की जा रही है और अब इसमें बड़े बदलाव शुरू कर दिए गए हैं। इसी कड़ी में जनसुराज ने बिहार में संगठन को विस्तार देते हुए 15 नए प्रदेश महासचिव नियुक्त किए हैं। माना जा रहा है कि यह कदम जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने के लिए उठाया गया है। प्रशांत किशोर का फोकस अब संगठन को सक्रिय करने और आने वाले चुनावों के लिए मजबूत आधार तैयार करने पर है। जानकारी के अनुसार, ये महासचिव संगठन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नई टीम संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करेगी। इन नियुक्तियों में जातिगत संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है। जिसमें यादव, सहनी, मांझी, ब्राह्मण, मुस्लिम समेत अन्य जातियों को तरजीह दी गई है। इसमें प्रदेश महासचिव में दरभंगा से सुरेंद्र मोहन यादव, सहरसा से नवल किशोर सिंह, सीवान से हसमुद्दीन खान, मुजफ्फरपुर से शत्रुघ्न सहनी, भागलपुर से अरविंद साह, किशनगंज से डॉ। विजय कुमार, सारण से ब्रिजेंद्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना भवानी को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, गया से नरेश माझी, वैशाली से सुरेश पटेल, कैमूर से हेमंत चौबे, लखीसराय से अमित सागर, पूर्वी चंपारण से सुबोध यादव, पूर्णिया से मो। इतेफाक आलम पर दांव लगाया है।

नकली नोट केस में बीजेपी-एसपी में संग्राम

आरोपियों से पूछताछ करो, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा

देवरिया, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। देवरिया में सामने आए कथित नकली नोट मामले ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में जबरदस्त उबाल ला दिया है। समाजवादी पार्टी और भाजपा आमने-सामने हैं और आरोपों का लेवल लगातार तीखा होता जा रहा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मामले में बीजेपी पर सीधा हमला बोलते हुए आरोप लगा डाला है कि भाजपाई नकली नोट देश के अंदर चला रहे हैं और असली नोट देश के बाहर ले जा रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि नकली नोट चलाने वालों की तस्वीरें भाजपा विधायक शलभमणि त्रिपाठी के साथ सड़क से लेकर उनके कार्यालयों तक में मौजूद हैं, फिर उनके खिलाफ कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है? इसके बाद बीजेपी विधायक ने अखिलेश पर पलटवार किया है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि शायद शासन-प्रशासन इस बात से डर रहा है कि

नकली नोट कांड पर बयानबाजी से गरमाई युपी की सियासत

बाटी-चोखा बैठक में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने से मामला और न गरमा जाए या फिर इस पूरे गोरखधंधे में सभी की हिस्सेदारी है। उन्होंने देवरिया और गोरखपुर का जिक्र करते हुए इशारों में कहा थोड़े कहे को, ज्यादा समझिएगा!

इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी मीडिया सेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि जिन लड़कों को नकली नोट मामले में सपा से जोड़कर पेश किया जा रहा है, उनकी तस्वीरें देवरिया के भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी के साथ सामने आई हैं। सवाल उठाया गया कि क्या मीडिया अब अपनी गलती स्वीकारेगा? क्या भाजपा नेता बताएंगे कि ये लड़के विधायक के लिए क्या करते हैं? और क्या शलभ मणि त्रिपाठी से भी इस मामले में पूछताछ होगी?

इन आरोपों पर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश जी, आप मुझसे पूछताछ करवाना चाहते हैं, इसलिए जवाब दे रहा हूं। मैं विधायक हूं, मुझसे मिलने सपाई भी आते हैं, बसपाई भी आते हैं और तस्वीरें खिंचवाते हैं।

जनप्रतिनिधि के तौर पर मैं बिना भेदभाव सबकी बात सुनता हूं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि 'कौन सा सपाई अपने नेताओं से प्रेरणा लेकर देवरिया में लूट का एटीएम खोलकर बैठा है, यह भी सामने आएगा।' उन्होंने दावा किया कि आरोपी की कई तस्वीरें सपा से जुड़े होने की ओर इशारा करती हैं और जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में योगी जी की सरकार है, नकली नोट के इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश जल्द होगा। आप इस मुद्दे को जिंदा रखिए, सब सामने आ जाएगा।

गोकशी में शामिल चार बदमाश गिरफ्तार

आजमगढ़, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। आजमगढ़ जनपद के मेहनाजपुर थाना क्षेत्र में रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें गोकशी की घटना में संलिप्त चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें तीन बदमाश पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि बुधवार की रात ग्राम झिन्झपुर सरैया में प्रतिबंधित पशु के अवशेष मिलने के मामले में संलिप्त बदमाशों की तलाश की जा रही थी। तभी सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी सिधौना मार्ग होते हुए मानिकपुर की ओर आ रहे हैं और फिर से वारदात की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, लेकिन बदमाश नहीं माने। इसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने नियंत्रित फायरिंग की, जिसमें तीन बदमाशों के पैर में गोली लगी, जबकि एक को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

ममता बनर्जी का नाम लेते हुए पप्पू यादव ने बीजेपी के लिए की 'भविष्यवाणी'

'पूरा बंगाल और बंगाली सेंटीमेंट ममता दीदी के साथ है'

ममता बनर्जी और सांसद पप्पू यादव

पटना, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा का चुनाव होने है। सियासी गलियारे में इसको लेकर बयानबाजी भी तेज है। बीजेपी इस चुनाव में अपनी जीत की बात कर रही है तो वहीं पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कह दिया है कि 100 जन्म लेने पर भी ऐसा नहीं होगा। गुरुवार (02 अप्रैल, 2026) सांसद पप्पू यादव ने आईएएनएस से बातचीत में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सुपर टाइगर बताया। उन्होंने कहा, बंगाल की संस्कृति की रक्षा, बांग्ला की आवाज, एक ही शेरनी है झांसी की रानी, ममता दीदी... पूरा बंगाल और बंगाली सेंटीमेंट ममता दीदी के साथ है।

'बीजेपी बंगाली कल्चर, संस्कृति, सभ्यता के खिलाफ'

पप्पू यादव ने कहा, बीजेपी हमेशा बंगाली कल्चर, बंगाली संस्कृति, बंगाली सभ्यता के खिलाफ रही है। बीजेपी पूरे नॉर्थ में सिर्फ साजिश के तहत असम में जीती थी। बीजेपी कहीं भी जीतने की स्थिति में नहीं होती है... बंगाल की जनता 100 जन्म में भी बीजेपी को स्वीकार नहीं करेगी।

पप्पू यादव के बयान पर क्या बोली बीजेपी?

बीजेपी के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि पप्पू यादव आजकल 'सुपर टाइगर' और 'शेरनी' की राजनीति कर रहे हैं। जनता इन जुमलों से प्रभावित नहीं होने वाली है। सच ये है कि जिनके पास खुद का जनाधार नहीं होता है वे दूसरों के कंधों पर राजनीति करते हैं। बीजेपी को लेकर उनकी टिप्पणी हास्यास्पद है क्योंकि देश की जनता लगातार बीजेपी पर भरोसा कर रही है। पप्पू यादव का ये बयान सुर्खियों में बने रहने भर के लिए है।

हापुड़ में दुकान पर छापा नकली अरलडाइट के 26 पैकेट बरामद

हापुड़, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। हापुड़ में कोतवाली नगर क्षेत्र में पुलिस और कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधियों की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए एक दुकान से नकली अरलडाइट के 26 पैकेट बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि अरलडाइट का उपयोग मुख्य रूप से धातु, पत्थर, लकड़ी, कांच, सिरेमिक और कठोर प्लास्टिक को आपस में या एक-दूसरे से जोड़ने के लिए किया जाता है। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट में स्पीड सर्च एंड सिक्योरिटी नेटवर्क कंपनी में फील्ड मैनेजर के पद पर कार्यरत ललित कुमार ने बताया कि उसकी कंपनी को पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड की ओर से अधिकृत किया गया है।

एआईएमआईएम ने कहा- मुस्लिमों को गुलाम समझते हैं

अखिलेश यादव, अब आया सपा से करारा जवाब

सपा नेता राजीव राय

इटावा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले सियासी दलों के बीच बयानबाजियां तेज हो गईं हैं। चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा इटावा में बनवाए जा रहे मंदिर की चर्चा है। बीते दिनों अखिलेश ने मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के बाल स्वरूप की प्रतिमा के संयोजन की तस्वीर साझा की थी। इस पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी तंजिया लहजे पर सियासी टिप्पणी की थी।

इसी क्रम में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेताओं ने कहा है कि अखिलेश ने मुस्लिमों को अपना गुलाम समझ रखा है। एआईएमआईएम नेताओं के इस बयान पर राज्य स्थित मऊ जनपद की घोसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद और सपा नेता राजीव राय ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि चुनाव से पहले ऐसे बयान आते रहेंगे। सांसद ने कहा कि यूपी विधानसभा चुनाव से पहले ये सब लोग ऐसे ही आयेंगे।

अखिलेश यादव सबके हैं। एआईएमआईएम नेताओं के टिप्पणी पर राय ने कहा कि ये लोग पिछले चुनाव में भी आए थे क्या हुआ। न हमको उनके सर्टिफिकेट की जरूरत है और न ही यूपी की जनता को। राय ने बीते विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि वह जब-जब चुनाव लड़े तब उनकी स्थिति चुनाव दर चुनाव खराब होती चली गई यह पूछे जाने पर कि क्या 2027 के चुनाव से पहले एआईएमआईएम मुस्लिम मतों में सेंध लगाने की कोशिश कर रही है, राय ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश है, वह पहले भी चुनाव लड़े थे।। इस चुनाव में उनका हश्र और ज्यादा बुरा होगा।

डॉक्टरों का कमाल: 70 वर्षीय महिला के पेट से निकाला 11 किलो का ट्यूमर, मिली नई जिंदगी

गोपालगंज, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। चिकित्सा विज्ञान को यूं ही धरती का भगवान नहीं कहा जाता। इस कहावत को भोरे के डॉक्टरों ने एक बार फिर सच साबित कर दिया है। खजुरहां स्थित गिरिजा शंकर हॉस्पिटल में चिकित्सकों की टीम ने एक 70 वर्षीय महिला के पेट से 11 किलोग्राम का विशाल ट्यूमर सफलतापूर्वक निकालकर उसे नया जीवन दिया है। इस जटिल ऑपरेशन की क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है। समय के साथ ट्यूमर का आकार इतना बढ़ गया कि उनका चलना-फिरना और सांस लेना भी मुश्किल हो गया था।

महिला के स्वजन ने कई अस्पतालों में इलाज कराया, लेकिन उम्र अधिक होने के कारण डॉक्टरों ने ऑपरेशन से हाथ खड़े कर दिए। खजुरहां स्थित अंततः उन्हें गिरिजा शंकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के मुख्य चिकित्सक(सर्जन) डॉ। संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। जांच में पता चला कि ट्यूमर आंतरिक अंगों को प्रभावित कर रहा है। स्वजन की सहमति से उनके नेतृत्व में मंगलवार शाम मेडिकल टीम ने करीब तीन घंटे चले ऑपरेशन में ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया।

सीएम योगी बोले-जरूरतमंद के आवास और बीमार के इलाज की होगी व्यवस्था

बच्चों को पढ़ने के लिए किया प्रेरित

गोरखपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 100 लोगों से मुलाकात की।

महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने ध्यान से उनकी समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। उन्होंने पुलिस से जुड़े मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई।

मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद मांगने लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए बच्चों को चॉकलेट देकर सीएम योगी ने उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अयोध्या से लौटकर गौतम अदाणी का सोशल मीडिया पर पोस्ट, लिखा-सियावर रामचंद्र की जय

परिवार के साथ गौतम अदाणी

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के प्रख्यात उद्योगपति गौतम अदाणी ने गुरुवार को हनुमान जयंती पर राम नगरी अयोध्या में श्रीराम दरबार का दर्शन-पूजन किया। परिवार के साथ दर्शन-पूजन के बाद अयोध्या से लखनऊ पहुंचे गौतम अदाणी सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया पोस्ट की। गौतम अदाणी ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज अयोध्या जी में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन कर प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला।

श्रीराम का जीवन मर्यादा, करुणा और कर्तव्य का प्रतीक है, और उनके आदर्श हमें निरंतर धर्म और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर इस पवित्र भूमि पर परिवार सहित आकर मन को असीम संतोष मिला। प्रभु श्रीराम और बजरंगबली भारत को एकता, साहस और समृद्धि का आशीर्वाद दें। सियावर रामचंद्र की जय।

अयोध्या में रामलला के दरबार पहुंचे उद्योगपति गौतम अदाणी ने कहा कि श्रीराम मंदिर का दर्शन करना अत्यंत भावुक क्षण है। उन्होंने हनुमान जयंती पर परिवार के साथ यहां पर पूजा-अर्चना की। जहां उनका निजी विमान महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड हुआ और वहां से सीधे राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान श्रीराम के दर्शन और पूजन करने पहुंचे।

यहां पर उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर का दर्शन करना उनके परिवार के लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। यह मंदिर केवल आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारत की संस्कृति, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। भगवान श्रीराम के आदर्श हमें सत्य, कर्तव्य और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

श्रावस्ती में आग से छह किसानों की 12 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख

जमुनहा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। (श्रावस्ती)। हरदत्तनगर गिरंट क्षेत्र के बेगमपुर गांव के पास खेत में अज्ञात कारणों से लगी आग से 12 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्राम पंचायत रानीसीर के बेगमपुर गांव के पास मनोडीह गांव निवासी इस्माइल का खेत स्थित है। इसमें लगी गेहूं की फसल बुधवार को उन्होंने कटवा लिया था। गुरुवार को इसी खेत में लगे फसल के अवशेष में अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते तेज हवा चलने से आग उग्र होकर फैलने लगी। ग्रामीणों ने दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया,

सौरभ हत्याकांड मुस्कान-साहिल के बारे में 20वें गवाह ने कोर्ट को क्या बताया?

मेरठ से भागकर हिमाचल में किया था बड़ा फर्जीवाड़ा

मेरठ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड की सुनवाई कोर्ट में लगभग अंतिम में है। जिला जज कोर्ट में 20वें गवाह के बयान दर्ज किए गए। जिसमें कसौल स्थित पूर्णिमा गेस्ट हाउस के मैनेजर ने अहम खुलासा किया। गवाह ने कोर्ट को बताया कि आरोपी मुस्कान और साहिल होटल में पति-पत्नी बताकर रुके थे। इस गवाही के बाद अब 7 अप्रैल को 21वें गवाह की पेशी होगी, जिसे मामले का महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है।

पीड़ित पक्ष के वकील विजय बहादुर सिंह के अनुसार, पूर्णिमा गेस्ट हाउस के मैनेजर अमन कुमार ने कोर्ट में होटल का रजिस्टर, एंट्री रिकॉर्ड और दोनों आरोपियों के पहचान पत्र पेश किए। रजिस्टर में मार्च 2025 की वह एंट्री दर्ज है, जिसमें मुस्कान और साहिल ने खुद को पति-पत्नी बताते हुए कमरा बुक कराया था।

यह गवाही पीड़ित पक्ष के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि इससे हत्या के बाद दोनों के साथ घूमने और फरार होने की पुष्टि हो सकती है। अब अदालत में 7 अप्रैल को मृतक सौरभ के दोस्त संजीव पाल की 21वीं गवाह होगी। संजीव वही व्यक्ति है, जिनसे 8 मार्च 2025 को मुस्कान ने सौरभ के मोबाइल फोन से बात की थी। वकील के मुताबिक, जब संजीव ने अपने दोस्त सौरभ से बात करने के लिए फोन किया, तो मुस्कान ने फोन उठाकर उन्हें धमकाते हुए कहा था कि दोनों साथ घूमने आए हैं और बार-बार कॉल कर परेशान न करो। यह गवाही भी केस में एक अहम कड़ी साबित हो सकती है। अब तक इस मामले में 20 गवाहों की बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

नशा तस्करी के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़, एएनटीएफ ने नाकेबंदी कर दबोचे चार तस्कर; 10 किलो चरस बरामद

जम्मू, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने चार अंतरराज्यीय नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनसे 10 किलोग्राम चरस बरामद की है, जिसकी बाजार में कीमत 30 लाख से अधिक बताई जा रही है। आरोपित अमर चंद निवासी जाटी गली, जिला रामबन, सचिन वर्मा निवासी बलरामपुर, जिला गोंडा, विजय वर्मा निवासी मलारी, जिला गोंडा उप्र तथा आकाश राम सुहेल निवासी सूरत (गुजरात) के रहने वाले है।

एएनटीएफ प्रवक्ता के अनुसार, प्रदेश के भीतर और बाहर मादक पदार्थों की खेप की आवाजाही को लेकर सूचना मिली थी। इसी आधार पर टीम ने एक स्थान पर नाके लगाकर संदिग्ध वाहन को रोका। जब उसकी तलाशी ली गई तो वाहन में सवार चार लोगों के पास भारी मात्रा में चरस बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी आरोपित एक संगठित अंतरराज्यीय नशा तस्करी गिरोह का हिस्सा हैं,

1,300 करोड़ की धोखाधड़ी, 80 एफआईआर

फिर भी अधूरा पड़ा 'वेनिस मॉल' प्रोजेक्ट, एससी ने रद्द की सतिंदर सिंह भसीन की जमानत

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर नोएडा के बहुचर्चित 'ग्रैंड वेनिस' रियल एस्टेट प्रोजेक्ट से जुड़े बड़े घोटाले में प्रमोटर सतिंदर सिंह भसीन को बड़ा झटका देते हुए उनकी जमानत रद्द कर दी है। भसीन पर करीब 1,300 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप है और उनके खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में 80 से ज्यादा एफआईआर दर्ज हैं। यह आदेश जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एनके सिंह की पीठ ने सुनाया। अदालत ने पाया कि भसीन ने हजारों निवेशकों को ऑफिस स्पेस, दुकानें और एक होटल देने का वादा किया था, लेकिन हकीकत में प्रोजेक्ट में बुनियादी सुविधाओं का भी घोर अभाव है। आरोप है कि जिस प्रोजेक्ट में निवेश कराया गया, वहां लिफ्ट, सीढ़ियां, एयर कंडीशनिंग, शौचालय और अग्नि सुरक्षा जैसी अनिवार्य सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। इसके बावजूद निवेशकों से प्रीमियम दरों पर भारी रकम वसूली गई।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त दो सदस्यीय स्वतंत्र समिति ने पहले ही ग्रैंड वेनिस प्रोजेक्ट को उपयोग और कब्जे के लिए अयोग्य करार दिया था। समिति में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस दीपक गुप्ता अध्यक्ष के रूप में और वरिष्ठ अधिवक्ता रेखा पल्ली सदस्य के रूप में शामिल थीं। समिति की रिपोर्ट, जो सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित हुई, में कहा गया कि यह प्रोजेक्ट पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से अधूरा पड़ा है और इसमें करीब 1,000 करोड़ से अधिक निवेशकों की राशि फंसी हुई है।

रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया कि ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक मॉल ही फिलहाल चालू है, जबकि बाकी ढांचे अधूरे हैं और उन्हें न तो कानूनी मंजूरी मिली है और न ही वे रहने या व्यावसायिक उपयोग के योग्य हैं। समिति ने डेवलपर कंपनी भासिन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (बीआईआईपीएल) के आचरण को बड़े पैमाने पर लापरवाह और गैर-जिम्मेदाराना बताया। समिति ने तकनीकी जांच के लिए अनंत कुमार, पूर्व स्पेशल डायरेक्टर जनरल (सीपीडब्ल्यूडी।) और पूर्व पीडब्ल्यूडी।) इंजीनियर-इन-चीफ की सेवाएं लीं।

उनकी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में सामने आया कि निर्माण स्थल पर स्वीकृत नक्शों और वास्तविक निर्माण के बीच गंभीर विचलन हैं। 15 मंजिला प्रोजेक्ट में अभी तक 15वीं मंजिल का निर्माण नहीं हुआ है, जबकि 9वीं से 14वीं मंजिल तक कोई पार्टीशन वॉल मौजूद नहीं है, जिससे अलग-अलग यूनिट्स की पहचान भी संभव नहीं हो पाती।

तकनीकी रिपोर्ट में यह भी उजागर हुआ कि प्रोजेक्ट के लिए जो फायर सेफ्टी क्लियरेंस 25 जुलाई 2025 को लिया गया था, वह सिर्फ 57.15 मीटर ऊंचाई (आठवीं मंजिल) तक ही मान्य है, जबकि पूरी इमारत इससे कहीं अधिक ऊंची प्रस्तावित है।

अनंत कुमार ने समिति को बताया कि मौजूदा स्थिति में यह प्रोजेक्ट न तो पूरा है और न ही वैधानिक और सुरक्षा मानकों को पूरा करता है। समिति की रिपोर्ट के मुताबिक, बीआईआईपीएल ने वर्ष 2010 में निवेशकों से 6,500 से 10,000 प्रति वर्ग फुट की दर से प्रीमियम कीमत वसूली। करीब 75 प्रतिशत अलॉटियों ने कुल राशि का लगभग 90 प्रतिशत तक भुगतान कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद आज तक उन्हें न तो यूनिट्स का कब्जा मिला और न ही प्रोजेक्ट के पूरा होने की कोई ठोस समयसीमा दिखाई दी।

धाम में अब भागवत कथा के लिए लेनी होगी अनुमति

क्षेत्र में मांस लाने पर प्रतिबंध, नए नियम लागू

चमोली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बदरीनाथ धाम में अब नगर पंचायत की अनुमति के बिना भागवत कथा, भंडारा व अन्य विशेष कार्यक्रम आयोजित नहीं हो सकेंगे। इसके लिए पंचायत से ऑनलाइन या ऑफलाइन अनुमति लेनी जरूरी होगी। बिना अनुमति के धार्मिक कार्यक्रम करने पर 50 हजार रुपये तक जुर्माना लिया जाएगा। इसके अलावा बदरीनाथ क्षेत्र में यदि कोई मांस लाता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी और जुर्माना लगेगा।

बदरीनाथ क्षेत्र में झुग्गी झोपड़ी भी बिना अनुमति के नहीं बनाई जाएंगी। पंचायत की ओर से इसके लिए तीन बायलॉज (उप विधि) बनाए गए हैं। जिन्हें आपत्तियों व सुझाव के उपरांत गजट नोटिफिकेशन के लिए रुड़की भेज दिया गया है। हर साल बदरीनाथ धाम की यात्रा के दौरान तीर्थयात्री भागवत कथा और भंडारों का आयोजन करवाते हैं। कुछ अनुमति लेते थे बाकी बिना अनुमति के आयोजन करवाते थे। अब नगर पंचायत ने इसके लिए तीन बॉयलॉज बनाए हैं। इसके तहत मांसाहार परिवहन एवं उपयोग प्रतिबंध उपविधि 2026, झोपड़ी, अस्थाई आवास नियंत्रण एवं स्वच्छता उपविधि और भंडारा, भागवत एवं विशेष कार्यक्रम नियंत्रण उपविधि बनाई गई है। इसके साथ ही व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अनुमति के साथ यूजर चार्ज की भी व्यवस्था की गई है।

दिल्ली की सुरक्षा पर बीजेपी का बड़ा फैसला

पहले चरण में हटाए जाएंगे 50 हजार चीनी सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में लगे करीब डेढ़ लाख चीनी सीसीटीवी कैमरे अब बदले जाएंगे। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने इस काम की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार का कहना है कि राजधानी में लगे पुराने कैमरों में बड़ी संख्या चीन की कंपनी हिकविजन के कैमरों की है। इन कैमरों को हटाकर नए कैमरे लगाए जाएंगे, जो ज्यादा सुरक्षित होंगे और जिनका डेटा भारत में सुरक्षित रखा जा सकेगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली में कुल 2 लाख 74 हजार 389 सीसीटीवी कैमरे लगे हुए है।

इनमें से पहले चरण में लगाए गए 1 लाख 40 हजार कैमरे चीनी कंपनी के हैं। ये कैमरे सितंबर 2020 से नवंबर 2022 के बीच लगाए गए थे। बाकी 1 लाख 34 हजार 389 कैमरे पिछले साल जून से मार्च 2026 के बीच लगाए गए। मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि सरकार ने पहले चरण में 50 हजार कैमरे बदलने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद बाकी कैमरे भी धीरे-धीरे हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था में ऐसे कैमरे लगाए जाएंगे जो नए तकनीकी नियमों के मुताबिक हों और जिनमें सुरक्षा का ज्यादा ध्यान रखा गया हो।

आप ने बिना सोचे-समझे दिल्ली में लगाए चीनी कैमरे

प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने पिछली आम आदमी पार्टी सरकार पर भी हमला बोलते हुए कहा कि आप सरकार ने बिना सोचे-समझे पूरे दिल्ली में चीनी कैमरे लगा दिए। उस समय यह नहीं सोचा गया कि अगर इन कैमरों का डेटा बाहर चला गया तो इससे देश की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि राजधानी की सुरक्षा से जुड़ा कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लिया जाना चाहिए। उधर इस मामले पर आम आदमी पार्टी ने बीजेपी सरकार पर सवाल उठाए हैं। आप के दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह फैसला सुरक्षा से ज्यादा नई कंपनी को ठेका देने के लिए लिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हिकविजन के कैमरे केवल दिल्ली में ही नहीं, बल्कि देश के कई दूसरे सरकारी प्रोजेक्ट में भी लगे हैं। कई जगहों पर मेट्रो और दूसरी सरकारी इमारतों में भी ऐसे कैमरे इस्तेमाल हो रहे हैं।

बंगाल में नकली आधार कार्ड के साथ 14 बांग्लादेशी गिरफ्तार, बुल्गारिया निकलने की फिराक में थे

कोलकाता, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी रोड स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दिल्ली जाने वाली नॉर्थ-ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन से 14 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। इसमें चार महिलाएं और चार नाबालिग शामिल हैं। रेलवे सुरक्षा बल को इन लोगों के पास से आधार कार्ड भी मिले हैं। जिसकी जांच की जा रही है। आरपीएफ इंस्पेक्टर बिप्लब दत्ता ने बताया कि यह जांच खास सूचनाओं के आधार पर की गई थी। जांच के दौरान कुछ संदिग्ध लोग नजर आए, जिसके बाद उनके दस्तावेजों की जांच की गई। इस कार्रवाई में 5 पुरुष, 5 महिला और 4 बच्चों के खिलाफ एक्शन लिया गया। ये सभी बांग्लादेश के रहने वाले हैं और उनके पास से नकली आधार कार्ड और मलेशियाई करेंसी बरामद की गई।

पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत मार्च में 155 लापता लोगों को परिवार से मिलाया

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मार्च महीने में 39 लापता बच्चों और 116 वयस्कों को उनके परिवारों से मिलाकर एक सराहनीय काम किया है। लापता व्यक्तियों की रिपोर्ट मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू कर दिया। स्थानीय पूछताछ ने इसमें अहम भूमिका निभाई।

इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज की जांच करने और अपहृत व्यक्तियों की तस्वीरें ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर दिखाने जैसे प्रयास भी किए गए। लापता व्यक्तियों की आवाजाही का पता लगाने के लिए बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और विक्रेताओं से भी पूछताछ की गई। तलाशी अभियानों के दौरान स्थानीय मुखबिरों की मदद भी ली गई। इसके अतिरिक्त, आसपास के पुलिस स्टेशनों और अस्पतालों के रिकॉर्ड की भी गहन जांच की गई। इन त्वरित और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस 1 मार्च से 31 मार्च के बीच 155 लापता व्यक्तियों (जिनमें 39 लापता बच्चे और 116 लापता वयस्क शामिल हैं) का पता लगाने में सफल रही। पुलिस टीमों ने ऑपरेशन मिलाप के तहत इन व्यक्तियों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से मिलाने में समर्पण और पेशेवर रवैया दिखाया।

इस दौरान चलाए गए सफल ऑपरेशन्स वसंत विहार पुलिस ने तीन लापता महिलाओं को ढूंढ कर सुरक्षित उनके घर पहुंचाया, वहीं आरके पुरम पुलिस ने एक पुरुष और दो महिलाओं सहित तीन लोगों को बरामद किया। साउथ कैंपस में एक नाबालिग लड़की और एक महिला सुरक्षित मिलीं। वसंत कुंज नॉर्थ और साउथ की टीमों ने कुल 21 लोगों को ढूंढा, जिसमें 8 नाबालिग लड़कियां और पुरुष-महिला शामिल थे। कापसहेड़ा पुलिस ने 25 लोगों को, पालम गांव पुलिस ने 17 लोगों को, और सागरपुर पुलिस ने 19 व्यक्तियों को सुरक्षित उनके परिवारों तक पहुँचाया।

दिल्ली कैंट पुलिस ने पांच, सरोजिनी नगर ने पांच और एसजे एन्क्लेव ने 16 लापता व्यक्तियों को बरामद किया। किशनगढ़ पुलिस ने आठ लोगों को ढूंढा। इसके अलावा, एएचटीयू/एसडब्ल्यूडी ने 19 लापता नाबालिग बच्चों को बरामद किया और डीएमपीयू/एसडब्ल्यूडी ने तीन लापता व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलवाया।

खुले कुएं से गिरा नन्हा हाथी, 3 घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन: कूदता-फांदता बाहर आया जम्बो

भुवनेश्वर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा से रात एक नन्हे हाथी के रेस्क्यू का वीडियो आया है, जो किसी की भावनाओं को बेकाबू कर देगा। जंगल में हाथियों के झुंड से बिछड़कर खुले कुएं में गिरा नन्हा हाथी काफी देर रात कुएं में फंसा रहा,अथक कोशिशों के बावजूद वह बाहर नहीं निकल पाया। कुएं से बाहर निकलने की कोशिश थके-हारे नन्हें हाथी पर स्थानीय लोगों की नजर गई, तो उन्होंने जंगल के अधिकारियों को उसके रेस्क्यू के लिए सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने नन्हें हाथी के रेस्क्यू के लिए ऑपरेशन शुरू किया और उसे बचा लिया।

करीब 3 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान नन्हें जम्बो को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए जंगल के अधिकारियों ने जेसीबी मंगवाए गए और जेसीबी की मदद से खुले कुएं के समानांतर एक रास्ता बनाया गया। कुएं में काफी देर तक फंसे रहे नन्हें जम्बो को जैसे ही कुएं से बाहर निकलने का रास्ता दिखा वह उछलता-कूदता हुआ खुद बाहर निकल आया।

गौरतलब है खुले कुएं में गिरा नन्हे हाथी की उम्र करीब 4 साल बताई जा रही है। नन्हा हाथी 16 हाथियों के झुंड से अलग होकर काजू के जंगल में पाटलीश्वर गांव के पास एक खाली कुएं में गिर गया था। जंगल के अधिकारियों ने लोकल मदद से हाथी के बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और 3 घंटे के लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद नन्हें जंबों को सुरक्षित बचा लिया।

गुजरात में सियासी घमासान! गढ़वी की गिरफ्तारी पर बोले केजरीवाल- 'हार के डर से बौखलाई बीजेपी'

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को गिरफ्तारी पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत तमाम नेताओं ने बीजेपी पर करारा हमला बोला है। ईशुदान गढ़वी पार्टी कार्यकर्ताओं की अवैध गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने पहुंचे थे। बीजेपी सरकार की इस तानाशाही पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले तीन महीनों में गुजरात में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ 145 एफआईआर हो चुकी हैं और 160 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को बीजेपी सरकार गिरफ़्तार कर चुकी है।

बीजेपी गुजरात में हार के डर से आम आदमी पार्टी से बुरी तरह से बौखलाई हुई है और अब तानाशाही पर उतर आई है। इसी डर का नतीजा है कि गुरुवार को पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी को गिरफ्तार कर लिया। अब गुजरात का एक-एक शख्स बीजेपी से बदला लेगा। बीजेपी का यह घमंड और अत्याचार गुजरात की जनता ही तोड़ेगी।

उधर, पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर संजय सिंह ने कहा कि पिछले तीन महीने में आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर 145 एफआईआर और करीब 160 नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।

उन्हें जेल में डाला गया, यातनाएं दी गईं और अपने पक्ष में झुकाने के लिए दबाव बनाया गया, लेकिन पार्टी के कार्यकर्ता और नेता चट्टान की तरह खड़े रहे। संजय सिंह ने कहा, "आप" कार्यकर्ता दीपक कुमार को कुछ गुंडों ने पीटा। जब वह अपनी शिकायत लेकर थाने गया, तो पुलिस ने उसी को गिरफ्तार कर लिया और उस पर धारा 307 लगा दी। इसके बाद जब पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी अपने कार्यकर्ता की पैरवी करने थाने गए, तो उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। इसुदान गढ़वी का एक लंबा इतिहास रहा है, उन्होंने एक पत्रकार के तौर पर गुजरात की जनता को जगाने का काम किया है और एक नेता व शानदार वक्ता के तौर पर मजबूती से जनता के मुद्दे उठाते रहे हैं। संजय सिंह ने सवाल किया कि यह दादागिरी और बीजेपी की घबराहट नहीं है तो और क्या है?

संजय सिंह ने कहा, नरेंद्र मोदी और अमित शाह के गढ़ में आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ जो व्यवहार हो रहा है, वह इस बात का साफ संकेत है कि वे डरे हुए हैं।

तीन साल पुराना शादी का लिबास निकाला

दूल्हा-दुल्हन की तरह तैयार हुए फिर दंपति ने लगा लिया फंदा

सागर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले से एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवा दंपति ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। जब पुलिस कमरे के अंदर पहुंची, तो वहां का नजारा देख अधिकारी भी खुद हैरान रह गए। मामला रहली थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदपुर के मुठिया टोला का है।

मृतकों की पहचान 22 वर्षीय राजेंद्र उर्फ गोलू और 21 वर्षीय काजल पटेल के रूप में हुई है। रात जब परिजनों ने कमरे में झांका, तो दोनों के शव पंखे से लटके मिले। चौंकाने वाली बात यह थी कि काजल ने अपनी शादी का जोड़ा (साड़ी) पहना हुआ था और राजेंद्र भी अपनी शादी के सूट में दूल्हे की तरह तैयार था। ऐसा प्रतीत होता है कि जान देने से पहले दोनों ने अपनी शादी की यादों को ताजा किया और फिर यह आत्मघाती कदम उठाया। परिजनों के अनुसार, राजेंद्र और काजल ने करीब तीन साल पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों के बीच कभी किसी बड़े विवाद या तनाव की बात सामने नहीं आई। राजेंद्र मजदूरी के साथ-साथ खेती-किसानी भी करता था। घर में उसके पिता और छोटा भाई भी साथ रहते थे। राजेंद्र की मां का पहले ही निधन हो चुका है।

हालांकि, पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन शुरुआती जांच में एक बात सामने आई है कि शादी के तीन साल बाद भी इस जोड़े की कोई संतान नहीं थी। ग्रामीण और पुलिस कयास लगा रहे हैं कि शायद इसी सूनेपन या किसी अन्य गुप्त मानसिक तनाव के चलते उन्होंने यह खौफनाक फैसला लिया। रहली थाना प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि शवों का पंचनामा कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

शादी के बाद शराब नहीं पिलाई तो पड़ोसियों ने दूल्हे-दुल्हन को पीटा, दोनों अस्पताल में भर्ती

ग्वालियर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले में शादी की खुशी में शराब नहीं पिलाने को लेकर कुछ पड़ोसियों ने दूल्हा-दुल्हन सहित एक परिवार के सदस्यों की कथित तौर पर पिटाई कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोन थाना क्षेत्र के पाटई गांव में मंगलवार रात हुई इस घटना में दूल्हे के परिवार के कुछ सदस्य घायल हुए है। परिवार के सदस्यों ने यह आरोप भी लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपी पक्ष घरेलू सामान के साथ रुपये भी लूट ले गए।

नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) मनीष यादव ने पत्रकारों को बताया कि पटाई गांव के रहने वाले महेश जाटव की 30 मार्च को शादी हुई थी और इस खुशी में उनके पड़ोसियों ने शराब पिलाने को कहा, जिसे लेकर विवाद हुआ था। उन्होंने बताया कि दूल्हे ने शराब के रुपये देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ही पक्षों में मारपीट हो गई। यादव ने बताया कि घायलों का मेडिकल टेस्ट कराया गया और पुलिस जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

महेश जाटव की मां शीला जाटव ने पत्रकारों से कहा कि दुल्हन के आने के बाद घर में रस्में चल रही थीं कि इसी दौरान कुछ पड़ोसी आ गये और महेश से शराब के लिए रुपये मांगने लगे। उन्होंने कहा कि इसी को लेकर विवाद हो गया और फिर पड़ोसियों ने उनके परिवार के सदस्यों की पिटाई कर दी। शीला ने आरोप लगाया कि बीच-बचाव करने के दौरान पड़ोसियों ने उनकी, उनके पति और महेश की दुल्हन को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, वे घरेलू सामान के साथ घर पर रखे कुछ रुपये भी लूट ले गए। अधिकारी ने बताया कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद दूल्हा और दुल्हन घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं।

ट्राईसिटी में 9 प्राइवेट हॉस्पिटलों पर सीबीआई की रेड ईसीएचएस में हुए 100 करोड़ के घोटाले के खुलेंगे राज

चंडीगढ़, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। सीबीआई ने एक साथ ट्राइसिटी में 9 जगह रेड की। ट्राइसिटी के प्राइवेट हॉस्पिटलों के साथ इनके संचालकों के घर भी रेड की गई। केंद्र सरकार ने पूर्व सैनिकों के इलाज के लिए एक्स सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ईसीएचएस) शुरू की थी। ट्राईसिटी में इस स्कीम में ही 100 करोड़ से अधिक का घोटाला किया गया है। फर्जी तरीके से मरीजों को प्राइवेट हॉस्पिटलों में एडमिट दिखाकर इस स्कीम के तहत मोटे क्लेम लिए गए। न केवल मरीज की एडमिशन फर्जी हुई बल्कि दवाइयों के बिल और टेस्ट रिपोर्ट भी फर्जी बनाई गई। इस घोटाले में ट्राईसिटी के कई प्राइवेट हॉस्पिटल शामिल है।

सीबीआई ने ट्राईसिटी के विभिन्न धर्म हॉस्पिटल, केयर हॉस्पिटल, एडन हॉस्पिटल, अमर हॉस्पिटल सेक्टर 38 में एक धार्मिक स्थल में चल रहे मेडिकल सेंटर में रेड की। ईसीएचएस में फर्जीवाड़े का यह खेल सुनियोजित तरीके से खेल जा रहा है। सेक्टर 38 इस खेल का केंद्र है। इस खेल में प्राइवेट हॉस्पिटल से लेकर, डॉक्टर, प्राइवेट लैब तक शामिल है। यही नहीं शहर की एक प्राइवेट एजेंसी इस खेल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह एजेंसी हॉस्पिटलों को ईसीएचएस के तहत रजिस्टर्ड मरीज लाकर देती है। चंडीगढ़ के साथ साथ मोहाली और पंचकूला के हॉस्पिटल की इसमें प्रमुख भूमिका है। मरीज को डॉक्टरों की मिलीभगत से महंगी से महंगी दवा लिखी जाती है। यह दवा खरीदी नहीं जाती सिर्फ फर्जी बिल बनता है। मरीज को गंभीर दिखाने के लिए लैब रिपोर्ट भी फर्जी तैयार की जाती है। मरीज के हॉस्पिटल में एडमिट हुए बिना हफ्ते दो हफ्ते का एडमिशन का बिल बना दिया जाता है।

कई मामलों में तो बिना ऑपरेशन के ही मरीज को ऑपरेट हुआ बता कर बिल वसूल लिया गया। बिल की पेमेंट होने के बाद डॉक्टर, हॉस्पिटल, लैब और एजेंसी के बीच हिस्से का बंटवारा होता है। इस खेल में प्राइवेट हॉस्पिटलों के एक दर्जन डॉक्टर शामिल है। मरीजों को अधिकतर चंडीगढ़ और मोहाली के हॉस्पिटल में एडमिट दिखाया जाता है। मरीजों की सिर्फ ओपीडी में बुलाया जाता हैं। वहीं उन्हें हॉस्टल में एडमिट दिखा दिया जाता है। हॉस्पिटलों ने ईसीएचएस स्कीम के तहत फर्जीवाड़े से 5 से 10 लाख रुपए तक के फर्जी बिल तैयार किए है। इनमें फर्जी टेस्ट रिपोर्ट और महंगी दवाइयों का बिल जोड़ दिया जाता है। दर्जनों बिल 2 से 5 लाख रुपए के है।

पश्चिम बंगाल में 'कल्चरल इमरजेंसी', हेमा मालिनी बोलीं- 'मुझे डांस शो की नहीं दी गई परमिशन'

कोलकाता, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी का पश्चिम बंगाल में डांस शो फिर कैंसिल हो गया है, स्थानीय प्रशासन इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दे रहे हैं। हेमा मालिनी का उनका कहना है कि यह स्थिति सुरक्षा जोखिम पैदा करती है और आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव भी डालती है। इसको लेकर उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को एक पत्र भी लिखा है। हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि उन्होंने अपने पत्र में पश्चिम बंगाल में कलाकारों और सांस्कृतिक जगत से जुड़े लोगों के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि वहां का माहौल कलाकारों के लिए ठीक नहीं है और इसका असर उनके काम और रोजगार पर भी पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल में एक बार फिर शो कैंसिल होने पर भड़की हेमा मालिनी ने कहा, पश्चिम बंगाल को कला की राजधानी कहा जाता था, लेकिन अब वहां कला पर राजनीति की छाया पड़ गई है। कोलकाता में मेरा एक नृत्य प्रोग्राम तय किया गया था, लेकिन 10 दिन पहले मुझे कहा गया की शो कैंसिल हो गया है। एक स्थानीय उद्योगपति ने एक वैकल्पिक वेन्यू तय किया, लेकिन वहां भी मेरा प्रोग्राम कैंसिल हो गया।

मेरा साथ 8-9 साल से ऐसा हो रहा है। हर बार कहा जाता है कि सरकार सिक्योरिटी मुहैया नहीं करा सकेगी। मेरा प्रोग्राम गैर-राजनीतिक है। मैं सांसद हूं, लेकिन मुझे सिक्योरिटी नहीं दी गई। लगता है पश्चिम बंगाल में कल्चरल इमरजेंसी लगी हुई है। पश्चिम बंगाल में संस्कृति को दबाया जा रहा है।

नेपाल में एवरेस्ट स्कैंडल का भंडाफोड़

खाने में बेकिंग सोडा मिलाकर बीमार करते थे, फिर हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू कराकर मोटा पैसा बनाते थे

काठमांडू, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल में माउंट एवरेस्ट से जुड़ा एक बड़ा स्कैंडल सामने आया है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ शेरपा और ट्रेकिंग से जुड़े लोग मिलकर खाने में बेकिंग सोडा या एक खास दवा मिलाकर पर्यटकों को बीमार बनाकर महंगे हेलिकॉप्टर रेस्क्यू के जरिए करोड़ों का बीमा घोटाला कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल पुलिस ने इस मामले में 32 लोगों पर केस दर्ज किया है। इनमें ट्रेकिंग कंपनी के मालिक, हेलिकॉप्टर ऑपरेटर और अस्पताल से जुड़े लोग शामिल हैं। इन पर संगठित अपराध और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं।

नेपाल के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू करना कई बार लोगों की जान बचाने का जरूरी तरीका होता है। वहां ऑक्सीजन कम होती है और मौसम अचानक खराब हो सकता है, इसलिए बीमार या फंसे ट्रेकर को जल्दी काठमांडू पहुंचाना जरूरी होता है।

लेकिन इसी सिस्टम का गलत फायदा भी उठाया जा रहा है। जल्दीबाजी, साफ जानकारी की कमी और सही निगरानी न होने के कारण यहां एक बड़ा बीमा घोटाला भी चल रहा है।

जांच में सामने आया कि कुछ शेरपा, ट्रेकिंग एजेंसियों के साथ मिलकर पर्यटकों के खाने में बेकिंग सोडा मिला देते हैं। इससे पर्यटकों को तेज पेट दर्द, उल्टी और अन्य दिक्कतें होती थीं, जो ऊंचाई पर होने वाली बीमारी (एल्टीट्यूड सिकनेस) जैसी लगती हैं। कुछ मामलों में लोगों को डायमॉक्स (एक दवा जो ऊंचाई की बीमारी के लिए दी जाती है) के साथ ज्यादा पानी पिलाकर ऐसे लक्षण पैदा किए गए, जिससे लगे कि हालत गंभीर है। जब पर्यटक बीमार पड़ जाते हैं, तो उन्हें महंगे हेलिकॉप्टरसे रेस्क्यू कराने के लिए दबाव बनाया जाता है। इसके बाद फर्जी मेडिकल रिपोर्ट और फ्लाइट दस्तावेज बनाकर इंटरनेशनल बीमा कंपनियों से पैसे वसूले जाते हैं। नेपाल चार्टर सर्विस, एवरेस्ट एक्सपीरियंस एंड असिस्टेंस और माउंटेन रेस्क्यू जैसी कंपनियां इस घोटाले में मुख्य रूप से शामिल बताई जा रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक रेस्क्यू के दौरान एक ही हेलिकॉप्टर में कई लोगों को बैठाया जाता है, लेकिन हर व्यक्ति के नाम से अलग-अलग पूरा बिल बीमा कंपनी को भेजा जाता है, जैसे हर किसी के लिए अलग उड़ान हुई हो। जैसे 4000 डॉलर की उड़ान को 12000 डॉलर का क्लेम बना दिया जाता है।

इसके लिए फर्जी फ्लाइट रिकॉर्ड बनाए जाते हैं। अस्पताल में भी नकली कागज तैयार होते हैं। सीनियर डॉक्टर के डिजिटल सिग्नेचर का इस्तेमाल करके रिपोर्ट बनाई जाती है, जबकि वे डॉक्टर उस केस में शामिल ही नहीं होते। कई बार तो डॉक्टरों को खुद पता नहीं होता कि उनके नाम से कागज बनाए गए हैं।

कुछ मामलों में फर्जी रिकॉर्ड बनाकर पर्यटकों को अस्पताल में भर्ती दिखाया गया, जबकि सच में वे उसी समय अस्पताल की कैंटीन में बैठकर बीयर पी रहे थे। विदेश में बैठी बीमा कंपनियों के लिए यह जांच करना बहुत मुश्किल होता है कि दूर पहाड़ों में असल में क्या हुआ। इस पूरे खेल में शेरपा, हेलिकॉप्टर कंपनियां, ट्रेकिंग एजेंसियां और अस्पताल मिलकर पैसा बांट लेते थे।

चीन ने पाकिस्तान को दी कंपनियों का बकाया चुकाने की सख्त चेतावनी

बीजिंग, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बीजिंग ने इस्लामाबाद से 220 मिलियन डॉलर तत्काल चुकाने को कहा है। बीजिंग ने इस्लामाबाद पर चीनी एनर्जी कंपनी के 220 मिलियन डॉलर के बकाया चुकाने को लेकर अल्टीमेटम दिया है। चीन ने कहा है कि अगर पाकिस्तान ये पैसे नहीं चुकाता है तो इस प्रोजेक्ट से संबंधित काम बंद कर दिए जाएंगे। पाकिस्तानी अखबार द न्यूज ने अधिकारियों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने कहा है कि 'पेमेंट में देरी से निवेशकों का भरोसा कम हो सकता है और कामकाज में रुकावट आ सकती है।' बीजिंग में पाकिस्तान के राजदूत ने शहबाज सरकार को एक जरूरी नोट भेजा है जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि यह बकाया यूईपी द्वारा सुई सदर्न गैस कंपनी को सप्लाई की गई गैस से जुड़ा है। एसएसजीसी को अभी रोजाना 260-270 मिलियन क्यूबिक फीट गैस मिलती है। बताया जा रहा है कि पैसों की कमी के चलते यूईपी को हाल के हफ्तों में अपने कुछ कर्मचारियों को नौकरी से निकालना पड़ा है।

ईरान जंग में ट्रम्प अपने 5 मकसद से कितने दूर

पहले ही दिन खामेनेई की हत्या, मिसाइल इंडस्ट्री तबाह की, लेकिन परमाणु खतरा बरकरार

वॉशिंगटन, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और इजराइल ने मिलकर 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया। इसके कुछ ही देर बाद राष्ट्रपति ट्रम्प ने 8 मिनट का वीडियो जारी करके जंग के टारगेट बताए। उन्होंने कहा कि उनका मकसद अमेरिकी लोगों की रक्षा करना और ईरान से आने वाले खतरों को खत्म करना है।

अब ट्रम्प के बताए टारगेट्स के मुताबिक समझते हैं कि अमेरिका को जंग में अब तक कितनी कामयाबी मिली है। उसे क्या हासिल हुआ है और क्या अब भी अधूरा है।

अमेरिका और इजराइल का अहम मकसद था कि ईरान की मिसाइल ताकत को कमजोर कर दिया जाए, ताकि वह दूर तक हमला न कर सके। इसके लिए दोनों देशों ने बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च करने वाले ठिकाने (लॉन्चर), मिसाइल बनाने वाली फैक्ट्रियां, मिसाइल स्टोर करने के गोदाम और कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पर हमले किए।

इन हमलों से ईरान की मिसाइल क्षमता को काफी नुकसान हुआ है। कई लॉन्चर और फैक्ट्रियां नष्ट हो चुकी हैं। इससे उसकी नई मिसाइल बनाने की रफ्तार धीमी पड़ी है। लेकिन अभी भी ईरान के पास काफी मिसाइलें बची हुई हैं और वह हमले कर रहा है।

ईरान ने अपनी मिसाइलें अलग-अलग जगहों पर छिपाकर रखी हैं। कई ठिकाने जमीन के नीचे (अंडरग्राउंड) हैं, जिन्हें पूरी तरह नष्ट करना मुश्किल है। कुछ मोबाइल लॉन्चर होते हैं, जिन्हें जल्दी-जल्दी जगह बदलकर इस्तेमाल किया जा सकता है। ईरान अब सिर्फ मिसाइलों पर निर्भर नहीं है, बल्कि बड़ी संख्या में ड्रोन (मानवरहित विमान) का भी इस्तेमाल कर रहा है।

अमेरिका और इजराइल का टारगेट था कि ईरान की नौसेना को कमजोर या लगभग खत्म कर दिया जाए, ताकि वह समुद्र के रास्ते कोई बड़ा हमला या बाधा न डाल सके। इसके लिए युद्धपोत, पनडुब्बियां, नौसैनिक ठिकाने और बंदरगाह और हथियार और मिसाइल ले जाने वाले जहाजों को निशाना बनाया गया।

मार्च की शुरुआत में अमेरिकी पनडुब्बी ने टॉरपीडो दागकर श्रीलंका के पास मौजूद ईरानी वॉरशिप आईआरआईएस डेना को डुबो दिया। इस जहाज पर करीब 180 लोग सवार थे।

जयपुर में अनूठी शादी की चर्चा युवती ने कृष्ण से शादी का लिया फैसला, बताई वजह

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की भक्तिमयी मिट्टी से एक बार फिर दुनिया के सामने समर्पण की अनूठी मिसाल पेश होने वाली है। कृष्ण भक्ति के जरिए राजस्थान की मीरा ने दुनियाभर में ख्याति पाई। अब जयपुर जिले के जोबनेर की रहने वाली 21 साल दिव्यांग युवती तमन्ना कंवर और उसका परिवार भी भक्ति और निष्ठा का ऐसी तस्वीर पेश करने जा रहा है, जिसे जान आप भी भावुक हो जाएंगे। दरअसल, तमन्ना कंवर और उनके परिजनों ने भगवान श्रीकृष्ण को अपना जीवनसाथी मानकर उनके साथ विवाह रचाने का निर्णय लिया है। आज, 2 अप्रैल को चैत्र पूर्णिमा के पावन अवसर पर, यह अनूठा विवाह पूरे हिंदू रीति-रिवाजों के साथ संपन्न होगा। जानकारी मिली है कि इस विवाह को लेकर क्षेत्र में काफी उत्साह है। तमन्ना के पिता, मंगल सिंह खंगारोत ने इस दिव्य प्रसंग के लिए विशेष रूप से भगवान कृष्ण की चांदी की एक सुंदर प्रतिमा तैयार करवाई है।

हिमाचल में अयोग्य घोषित विधायकों को नहीं मिलेगी पेंशन

विधानसभा में संशोधन विधेयक पारित, दल-बदल पर सख्ती, चैतन्य-देवेंद्र भुट्टो की पेंशन बंद

शिमला, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में अयोग्य घोषित विधायकों को पेंशन नहीं मिलेगी। कांग्रेस सरकार ने विधानसभा बजट सेशन में आज विपक्ष के विरोध के बावजूद संशोधन विधेयक पारित कर दिया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद यह व्यवस्था 14वीं विधानसभा या उसके बाद निर्वाचित होने वाले विधायकों पर लागू होगी। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और बीजेपी विधायक रणधीर शर्मा ने सदन में इसका विरोध किया था।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को 'हिमाचल प्रदेश विधानसभा (सदस्यों के भत्ते और पेंशन) संशोधन विधेयक, 2026' सदन में पेश किया था। इससे पहले, उन्होंने 2024 में इसी सदन में पारित पेंशन बंद करने वाले उस विधेयक को वापस लिया, जिसे राष्ट्रपति से मंजूरी नहीं मिल पाई। लिहाजा दोबारा यह संशोधक विधेयक लाया गया। इस विधेयक में प्रावधान किया गया है कि यदि कोई विधायक दल-बदल के चलते संविधान की 10वीं अनुसूची के तहत अयोग्य घोषित करार दिया जाता है, तो उसे पेंशन का लाभ नहीं मिलेगा। यह संशोधन विधेयक वर्ष 1971 के मूल अधिनियम में बदलाव से जुड़ा है, जिसके तहत विधायकों को भत्ते और पेंशन दी जाती है। मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, 5 वर्ष तक विधायक रहने वाले सदस्य को 50 हजार रुपए मासिक पेंशन मिलती है और

अतिरिक्त कार्यकाल पर प्रत्येक वर्ष के लिए एक हजार रुपए की बढ़ोतरी का प्रावधान है।

इस विधेयक को मंजूरी के बाद पूर्व में गगरेट से कांग्रेस के विधायक चैतन्य शर्मा और कुटलैहड़ से पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो की पेंशन भी बंद हो जाएगी, क्योंकि इन दोनों पूर्व विधायकों ने फरवरी 2024 में राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोट और पार्टी व्हिप का भी उल्लंघन किया। इसके बाद, स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने दोनों को अयोग्य घोषित ठहराया। दोनों पहली बार चुनकर विधानसभा पहुंचे थे, जबकि दलबदल करने वाले अन्य 4 विधायक पहले भी हिमाचल विधानसभा में सदस्य रहे हैं। इस वजह से उनकी पेंशन पर कोई संकट नहीं है। मगर भविष्य में यदि कोई विधायक दल बदल करता है तो उस पर कानून के ने प्रावधान लागू होंगे।

सीएम सुक्खू ने कहा- विधेयक का उद्देश्य दल-बदल को हतोत्साहित करना है। ऐसे में जनादेश की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण और दलबदल जैसी प्रवृत्तियों पर रोक लगाने के लिए यह संशोधन आवश्यक माना गया है। सरकार का मानना है कि पेंशन जैसे दीर्घकालिक लाभ को जोड़कर दलबदल पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा। खास बात यह है कि इस संशोधन से राज्य पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।

आयुष चौधरी ने क्यों बेची किडनी?

मिला जवाब, पत्नी को ट्रांसप्लांट के लिए भेज पति हो गया लापता

कानपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अनधिकृत तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट की रोगी पारुल तोमर (43) का पति विकास तोमर पत्नी की मौत के मुंह में डालकर लापता हो गया। उसने अपने छोटे साले दिव्यांक के साथ पत्नी को कानपुर भेज दिया। यह भी नहीं बताया कि उसे किडनी ट्रांसप्लांट के लिए ले जाया जा रहा है।

दिव्यांक ने बताया कि तब से जीजा का फोन स्विच ऑफ है। हालत तक नहीं पूछी है। दीदी का रो-रोकर बुरा हाल है। वह आईसीयू में हैं, सोच कर उनकी तबीयत और बिगड़ने लगती है। पारुल का भाई दिव्यांक इस समय हैलट के मल्टी सुपर स्पेशियलिटी के नेफ्रोलॉजी विभाग में भर्ती पारुल की तीमारदारी कर रहा है। उसने बताया कि मेरठ से वह 10-15 दिन पहले यहां आए थे।

शिवलोक होटल में ठहरे थे। पारुल को डायलिसिस लाजपतनगर के निजी अस्पताल में हुई। 29 मार्च को रात में 11 बजे ऑपरेशन शुरू हुआ और तीन बजे तक चला। पहले डॉक्टर कह रहे थे कि रोगी को 48 घंटे ऑब्जर्वेशन में आईसीयू में रखेंगे लेकिन ट्रांसप्लांट के तुरंत बाद जिस कमरे में वह था, वहां शिफ्ट कर दिया।

अस्पताल के स्टाफ से पूछा कि उससे तो कहा गया था कि रोगी को 48 घंटे आईसीयू में रखा जाएगा। इस पर कोई कुछ नहीं बोला। बाद में दोपहर में प्रिया हॉस्पिटल भेज दिया। वहां पुलिस आ गई।

दिव्यांक ने बताया कि पारुल के साथ इनोवा कार से कानपुर आए थे। जब यहां आए तो पता चला कि किडनी ट्रांसप्लांट होना है। विकास तोमर को फोन किया कि तो मोबाइल बंद था। पारुल का 20 साल का बेटा और 14 साल की बेटी है।

दिव्यांक ने बताया कि डोनर आयुष चौधरी उसके लिए अजनबी है। ट्रांसप्लांट वाले दिन ही उसने आयुष को पहली बार देखा। डॉ. अफजल को उसने मेरठ के अल्फा हॉस्पिटल में एक बार देखा था। डॉ. अफजल रिसेप्ट कार में आया था।

आयुष चौधरी ने अपनी किडनी क्यों बेची... इसका जवाब देने में वह चुप्पी साधे रहा। बुधवार को देहरादून से उसकी एक महिला मित्र उससे मिलने पहुंची। हालांकि, महिला जांच एजेंसियों को कुछ भी बताने से कतराती रही। उसने पुलिस के साथ आईसीयू में जाकर आयुष से मुलाकात की।

प्रत्यारोपण का मामला खुलने के बाद जब आयुष से पूछा गया कि उसकी क्या मजबूरी थी कि अपनी किडनी बेचनी पड़ी तो बोला कि पैसे की जरूरत सबकी होती है लेकिन कारण नहीं बताया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने किडनी बेचने का कारण पूछा तो उसने चुप्पी साध ली।

कराची में कृष्ण भगवान और गोपियों की मूर्तियां खंडित

इस्लामाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में एक बार फिर अल्पसंख्यक हिंदुओं की आस्था पर हमला हुआ है। कराची में एक ऐतिहासिक इमारत की दीवारों पर बनी हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां खंडित की गई हैं। इससे अल्पसंख्यकों में भारी नाराजगी है, लेकिन पाकिस्तान की इस्लामी हुकूमत ने इस पर चुप्पी साध रखी है। पुलिस की ओर से भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों, प्रतीकों और मूर्तियों पर हमले की यह कोई पहली घटना नहीं है। इस देश में हर साल बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यक समुदाय की लड़कियों को अगवा भी किया जाता है, जिसके बाद उनका जबरन निकाह कर दिया जाता है।

पाकिस्तान के पंजाब सूबे के बहावलपुर जिले के अल्पसंख्यक अधिकार संगठन के चेयरमैन शिव काछी ने एक्स पर लिखा, कराची की ऐतिहासिक 'सगन मैंसन' इमारत में भगवान कृष्ण और गोपियों की मूर्तियों का

अपमान बेहद और कड़े शब्दों में निंदनीय है। यह सिर्फ किसी इमारत को पहुंचाया गया नुकसान नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की बहुसांस्कृतिक विरासत, धार्मिक सद्भाव और अल्पसंख्यक समुदायों की भावनाओं पर किया गया हमला है।

उन्होंने कहा, "हम इस शर्मनाक हरकत की कड़ी निंदा करते हैं। कराची में एम.ए. जिन्ना रोड पर स्थित यह ऐतिहासिक इमारत 1937 में बनाई गई थी और यह हिंदू धार्मिक प्रतीकों की समृद्ध उपस्थिति को दर्शाती है। भगवान कृष्ण और गोपियों की मूर्तियों के सिर काटना न केवल धार्मिक अनादर का कृत्य है, बल्कि हमारी साझा विरासत का विनाश भी है।" उन्होंने पाकिस्तान के शीर्ष राजनेताओं को टैग करते हुए लिखा, "हम मांग करते हैं कि संबंधित अधिकारी इस मामले का तत्काल संज्ञान लें। दोषियों को बिना किसी देरी के गिरफ्तार किया जाए और उन्हें कड़ी सजा दी जाए। इस ऐतिहासिक इमारत की तत्काल बहाली और सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।"

रहीम यार खान जिले के भोंग में कट्टरपंथियों की भीड़ ने गणेश मंदिर पर हमला कर उसमें आग लगा दी थी। यह हमला तब किया गया, जब एक आठ साल के हिंदू बच्चे को कथित तौर पर एक स्थानीय मदरसे का अपमान करने के आरोप में अदालत ने जमानत दे दी।

पालना गृह में छोड़े मासूम को इटालियन कपल ने अपनाया

झुंझुनूं, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में इटालियन कपल ने झुंझुनूं के शिशु गृह से डेढ़ साल के मासूम को गोद लिया है। बच्चे के दिल में छेद है ये पता होने के बावजूद भी इटली के कपल ने इसे पालने का फैसला लिया है। बच्चे को गोद लेने वाली मां खुद कोलकाता से अडॉप्ट की गई थी।

उनका कहना है- हमें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चे की हेल्थ कैसी है, हम इसे एक सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं और ढेर सारा प्यार। बच्चे को डेढ़ साल पहले प्री मैच्योर अवस्था में कोई झुंझुनूं के पालना गृह में छोड़ गया था। बच्चे की जांचें की गई तो उसके दिल में छेद पाया गया। इसके बाद शिशु गृह में ही इसकी देखभाल की जा रही थी।

विधायक संजय पाठक पर कोर्ट सख्त: हाईकोर्ट जज से संपर्क की कोशिश पड़ी भारी

अवमानना का केस दर्ज

जबलपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अवैध उत्खनन से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रहे हाईकोर्ट जज से सीधे संपर्क करने के प्रयास के आरोप में भाजपा विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री संजय पाठक की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की युगलपीठ ने उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना का प्रकरण दर्ज करने के आदेश जारी किए हैं।

मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा एवं न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिए। कटनी निवासी आशुतोष दीक्षित द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि विधायक से संबंधित एक कंपनी के खिलाफ अवैध उत्खनन को लेकर दायर याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा कर रहे थे। याचिका के अनुसार, 1 सितंबर 2025 को न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा ने इस मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया था। उन्होंने अपने आदेश में उल्लेख किया था कि विधायक संजय पाठक द्वारा उनसे फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, जिससे न्यायिक निष्पक्षता प्रभावित हो सकती थी। इसी कारण उन्होंने मामले की सुनवाई से खुद को अलग करते हुए पूरे प्रकरण को प्रशासनिक स्तर पर मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे।

याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि इस संबंध में पूर्व में संबंधित अधिकारियों को शिकायत दी गई थी, लेकिन उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर विधायक के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की गई। याचिका में यह भी कहा गया कि उक्त कृत्य न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है।

सुनवाई के दौरान विधायक संजय पाठक की ओर से सबॉन्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए याचिका खारिज करने की मांग की गई, लेकिन खंडपीठ ने इसे स्वीकार नहीं किया और अवमानना प्रकरण दर्ज करने के निर्देश जारी कर दिए। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अरविंद श्रीवास्तव और पुनीत श्रोती ने पैरवी की।

परिवार से जुड़ी फर्मों पर आरोप

संजय पाठक और उनके परिवार से जुड़ी फर्मों पर आरोप है कि उन्होंने तय सीमा से काफी अधिक आयरन ओर (लौह अयस्क) का खनन किया। जांच में सामने आया कि करीब 84.57 लाख टन अतिरिक्त खनन हुआ। इसके बदले सरकार को 443 करोड़ 4 लाख 86 हजार रुपए रुपये की राशि वसूलनी है।

चीन ने गांव उजाड़ कर बनाया परमाणु हथियारों का गुप्त अड्डा

बीजिंग, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन गुपचुप तरीके से अपने परमाणु हथियारों के बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है। इसका खुलासा गुप्त रूप से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ है। दरअसल, चीन ने 2022 में सिचुआन प्रांत के एक गांव से लोगों को निकाल कर उनकी जमीनों को जब्त कर लिया था। जब ग्रामीणों ने स्थानीय राजस्व अधिकारियों को पत्र लिखकर पूछा कि उनकी जमीनें जब्त क्यों की जा रही हैं और उन्हें घरों से क्यों निकाला जा रहा है। इसके जवाब में चीनी अधिकारियों ने स्टेट सीक्रेट का हवाला दिया। इसके बाद जब उस जगह की सैटेलाइट तस्वीरें ली गईं, तो उसमें चीन की उस गुप्त परियोजना को लेकर कई बड़े खुलासे हुए।

अमेरिकी मीडिया सीएनएन ने लोगों को हटाए जाने के तीन साल बाद उस जगह की सैटेलाइट तस्वीरें हासिल कीं। इनमें पता चला कि चीन ने उस गांव की जमीन को समतल कर दिया और उस जगह पर न्यूक्लियर वेपन फैसिलिटी स्थापित की है। इसके लिए कई नई इमारतों का निर्माण किया गया है, जहां आम लोगों का जाना सख्त मना है। यह खुलासा तब हुआ है, जब डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने आरोप लगाया है कि चीन दशकों में अपना सबसे महत्वपूर्ण परमाणु हथियार आधुनिकीकरण अभियान चला रहा है। इसके तहत छोटे-छोटे परमाणु हथियार विकसित किए जा रहे हैं और नई न्यूक्लियर वेपन लॉन्चिंग फैसिलिटी को भी बनाया जा रहा है।

ईरानी सुप्रीम लीडर के सलाहकार अमेरिकी हमले में घायल

पत्नी की मौत, दावा- पाकिस्तान उनके जरिए ही ईरान से सीजफायर वार्ता कर रहा था

तेहरान/वॉशिंगटन, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के पूर्व विदेश मंत्री कमाल खराजी के तेहरान स्थित घर पर गुरुवार को अमेरिका ने हमला किया। इसमें उनकी पत्नी की मौत हो गई और खराजी को गंभीर हालात में हॉस्पिटल में भर्ती किया गया।

खराजी अभी ईरान की स्ट्रैटेजिक फॉरेन रिलेशंस काउंसिल के चेयरमैन हैं। यह संस्था सीधे देश के सर्वोच्च नेता को सलाह देती है और विदेश नीति से जुड़े बड़े फैसलों में अहम भूमिका निभाती है। खबरों में बताया गया है कि खराजी हाल के दिनों में पाकिस्तान के साथ सीजफायर वार्ता को लेकर बैकचैनल से संपर्क में थे। हालांकि, इसकी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

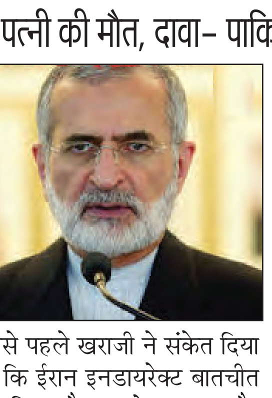

इससे पहले खराजी ने संकेत दिया था कि ईरान इनडायरेक्ट बातचीत के लिए तैयार हो सकता है। हालांकि उन्होंने एक इंटरव्यू में यह भी कहा था कि अमेरिका के साथ कूटनीति के लिए फिलहाल कोई जगह नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार सुबह राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ईरान जंग में जीत मिली है। साथ ही चेतावनी दी कि अमेरिका 2-3 हफ्ते में ईरान पर बड़ा हमला करेगा।

ट्रम्प ने आगे कहा कि ईरान की मिसाइल-ड्रोन क्षमता और नौसेना खत्म हो गई है। सैन्य ताकत काफी कमजोर हो गई है। इस सैन्य अभियान का अहम मकसद पूरा होने वाला है। ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका, ईरान को स्टोन एज, यानी पाषाण काल में भेज देगा। हालांकि उन्होंने यह दावा भी किया कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और नई लीडरशिप पहले से कम कट्टर है। उन्होंने युद्ध की लागत और इसके लंबा खिंचने से चिंतित अमेरिकियों से कहा कि वे इस संघर्ष को सही नजरिए से देखें। उन्होंने इराक (8 साल) और वियतनाम (19 साल) जैसे पिछले अमेरिकी युद्धों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान जंग तो अभी दूसरे महीने में ही पहुंची है। उन्होंने यह भी माना कि लोगों को आर्थिक परेशानी हो रही है, लेकिन कहा कि यह युद्ध जरूरी है। उन्होंने कहा, "यह आपके बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य में निवेश है।" ट्रम्प ने ईरान से युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत की मांग की, जबकि एक दिन पहले ही उन्होंने कहा था कि उन्हें समझौते की जरूरत नहीं है।

27 साल की महिला का हेलमेट समेत सिर कटकर अलग

उन्नाव, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उन्नाव में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से गुरुवार दोपहर स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई। महिला अपनी 6 साल की भतीजी के साथ बाजार गई थी। रास्ते में ट्रक ने पीछे से स्कूटी में टक्कर मार दी। इससे महिला और उसकी भतीजी सड़क पर गिर गई। तभी ट्रक का पहिया महिला की गर्दन से गुजर गया। महिला का सिर हेलमेट समेत धड़ से अलग हो गया।

हादसे में बच्ची बाल-बाल बची है। लेकिन वह सदमे में है। मामला सदर कोतवाली क्षेत्र का है। चिपियाना मोहल्ला निवासी फरहीन फातिमा (27) गुरुवार दोपहर स्कूटी से महरा चौराहा स्थित एक मेडिकल स्टोर पर दवाई लेने जा रही थीं।

वैशाख माह आज से शुरू, 12 महीनों में सहसे अधिक महत्वपूर्ण

वैशाख माह 3 अप्रैल 2026 से शुरू हो रहा है और इसकी समाप्ति 1 मई 2026 को होगी। वैशाख में जैसे-जैसे सूर्य की तपिश बढ़ती है, वैसे-वैसे इस महीने में किए गए धर्म-कर्म का महत्व भी बढ़ जाता है इसलिए ऋषि-मुनियों ने इसे आत्मशुद्धि और पुण्य संचय का श्रेष्ठ समय बताया है। वैशाख का श्रीकृष्ण से क्या संबंध है। इस माह में क्या करना चाहिए, किन कामों से बचें। वैशाख के व्रत त्योहार सभी जानें।

वैशाख पुण्य कमाने का महीना

पुराणों में वर्णित है कि वैशाख पूरे महीने में किए गए स्नान, दान, जप और तप का फल अक्षय होता है, यानी यह कभी समाप्त नहीं होता। इसके अलावा वैशाख में विवाह, नई चीजों की शुरुआत, गृह प्रवेश, 16 संस्कार करना कभी न खत्म होने वाला पुण्य देता है। श्रीकृष्ण ने वैशाख को अपना प्रिय महीना माना है।

वैशाख महीने में कौन से काम करना शुभ

विवाह, मुंडन, नामकरण – वैशाख मास में विवाह, नामकरण और मुंडन संस्कार करना बहुत शुभ माना जाता है। इस समय ग्रह-नक्षत्र अनुकूल रहते हैं और जीवन में सुख, समृद्धि और स्थिरता का आशीर्वाद मिलता है। संतान को लंबी आयु का वरदान मिलता है।

नया घर बनवाना, गृह प्रवेश – नया घर बनवाने या उसमें प्रवेश करने के लिए यह महीना श्रेष्ठ माना गया है। इस दौरान किया गया गृह प्रवेश घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-शांति और लक्ष्मी का वास सुनिश्चित करता है।

खरीदारी – अक्षय तृतीया के दिन विशेष रूप से सोना खरीदने की परंपरा है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं कभी घटती नहीं, बल्कि बढ़ती हैं और समृद्धि लाती हैं।

धार्मिक कार्य – वैशाख में हवन, यज्ञ, सत्संग और पूजा-पाठ करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। सुहागिनों को भोजन कराना उन्हें सुहाग सामग्री दान करना श्रेष्ठ है।

वैशाख माह में दान

**"वैशाखे मासि यतपुण्यं स्नानदानजपादिकम।
ततसर्वं अक्षयं प्रोक्तं पापनाशनमुत्तमम॥"**

अर्थात - वैशाख महीने में किया गया स्नान, दान, जप आदि कभी नष्ट नहीं होता और यह सभी पापों का नाश करने वाला होता है।

वैशाख माह गर्मी के मौसम में आता है। ये समय सेवा के लिए श्रेष्ठ है। गर्मी के में प्यासे और जरूरतमंद लोगों को जल पिलाना, घड़ा दान करना, छाता, चप्पल, वस्त्र, सत्तू और फल देना अत्यंत पुण्यकारी माना गया है।

ज्योतिष में वैशाख का महत्व

वैशाख मास केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि जीवन में नई शुरुआत और सकारात्मक बदलाव के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण समय है.

इस माह में ग्रहों के राजा सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में होते हैं. मेष संक्रांति से सौर कैलेंडर का नया साल भी प्रारंभ होता है.

वैशाख माह के व्रत त्योहार

3 अप्रैल 2026 - वैशाख माह का आरंभ
5 अप्रैल - विकट संकष्टी चतुर्थी, बड़ी चतुर्थी
9 अप्रैल - मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
10 अप्रैल - कालाष्टमी
13 अप्रैल- वरुथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती, पंचक शुरू
14 अप्रैल- मेष संक्रांति, बैसाखी
15 अप्रैल- बुध प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि
17 अप्रैल- वैशाख अमावस्या
19 अप्रैल- अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती, त्रेता युग दिवस
20 अप्रैल - मातंगी जयंती, रोहिणी व्रत, संकर्षण चतुर्थी
21 अप्रैल - शंकराचार्य जयंती, सूरदास जयंती
22 अप्रैल - रामानुज जयंती, स्कंद षष्ठी
23 अप्रैल - गंगा सप्तमी
24 अप्रैल - बगलामुखी जयंती, मासिक दुर्गाष्टमी
25 अप्रैल - सीता नवमी
27 अप्रैल - मोहिनी एकादशी, सिद्धिलक्ष्मी जयंती, त्रिशूर पूरम
28 अप्रैल - भौम प्रदोष व्रत भौम, परशुराम द्वादशी
30 अप्रैल - नृसिंह जयंती, छिन्नमस्ता जयंती
1 मई - वैशाख पूणिमा, बुद्ध पूर्णिमा

हनुमान जी बताते हैं जीवन में शोर व शून्य का संतुलन हो

हम कितनी सांस लेते हैं, कैसे लेते हैं, इसका हिसाब रखना बहुत जरूरी है। जो लोग शांति की तलाश में हैं, उन्हें सांस पर काम करना होगा। क्योंकि मनुष्य के जीवन में सोचने से नहीं, श्वास से चिंता भीतर जाती है।

हनुमान जी पवन-पुत्र हैं। हम अपने प्राणों पर मंत्र के जितने प्रयोग करेंगे, उतने ही शांत होंगे और हमारे शरीर से निकलने वाली तरंगें उतनी ही पॉजिटिव हो जाएंगी। हनुमान चालीसा एक मंत्र है। आज जब सारे देश में धूमधाम से हनुमान जयंती मनाई जा रही है, तो एक संकल्प और लिया जाए और वो है- अपनी सांसों से हनुमान चालीसा रूपी मंत्र को जोड़ेंगे।

सुंदरकांड को याद किया जाए, क्योंकि आधा सुंदरकांड हनुमान जी का पराक्रम है, चरित्र है, और बाद का आधा सुंदरकांड हनुमान जी ने मौन में गुजारा और राम जी की लीला सामने आई। तो हनुमान जी कहते हैं जीवन में शोर और शून्य का संतुलन होना चाहिए।

आज हनुमान जयंती पर हम सबका संकल्प होना चाहिए कि जीवन में खूब परिश्रम और पराक्रम दिखाएंगे, लेकिन समय आने पर खूब शांत भी रहेंगे। भक्त को उत्तेजित नहीं, उत्साहित रहना चाहिए।

दक्षिण दिशा में मुख्य दरवाजा है तो घबराएं नहीं

वास्तु शास्त्र में घर की दिशा और संरचना को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। खासकर मुख्य दरवाजा, खिड़कियां और बालकनी की दिशा घर के सुख-समृद्धि पर असर डालती है। कई लोग दक्षिण दिशा में मुख्य दरवाजा होने को अशुभ मानते हैं, लेकिन कुछ स्थितियों में इसका नकारात्मक प्रभाव खत्म भी हो सकता है। हालांकि, दक्षिण दिशा में मुख्य दरवाजा होने के बावजूद अगर कुछ वास्तु नियमों का पालन किया जाए, तो उसके दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है। वहीं, खिड़कियों और बालकनी की सही दिशा घर के लिए शुभ परिणाम देती है।

दक्षिण दिशा में मुख्य दरवाजे का प्रभाव

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि फ्लैट का मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा में खुलता है, तो सामान्यतः इसे शुभ नहीं माना जाता। लेकिन अगर यह दरवाजा किसी गैलरी में खुलता हो और उसके सामने खुला स्थान न होकर दीवार हो, जो दरवाजे को सीधे ब्लॉक कर रही हो, तो इसके नकारात्मक प्रभाव काफी हद तक कम हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में घर के मालिक को दक्षिण दिशा के बुरे फल नहीं मिलते।

खिड़कियों का सही दिशा में होना जरूरी

वास्तु के अनुसार फ्लैट में केवल मुख्य दरवाजे ही नहीं, बल्कि खिड़कियों का भी खास महत्व होता है। जिन घरों में अधिकतर खिड़कियां पूर्व, उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशा में होती हैं, वे घर बहुत शुभ माने जाते हैं। भले ही मुख्य दरवाजा इन दिशाओं में न हो, लेकिन खिड़कियों की सही दिशा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखती है।

बालकनी की दिशा का असर

बालकनी की दिशा भी घर के वास्तु में अहम भूमिका

निभाती है। उत्तर, पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा में बनी बालकनी सबसे शुभ मानी जाती है। दक्षिण-पूर्व और दक्षिण दिशा में भी बालकनी हो सकती है, लेकिन इसके साथ संतुलन जरूरी है। यानी विपरीत दिशा में भी समान या बड़ी बालकनी होनी चाहिए।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार दक्षिण-पूर्व दिशा में किसी भी तरह की खिड़की, बालकनी या ओपनिंग नहीं होनी चाहिए। सही दिशा में बनी संरचनाएं घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखती हैं और जीवन में सुख-शांति लाती हैं।

घर में आज ही ले आएं ये 5 चीजें कंगाली होगी दूर बरसेगा पैसा!

कुबेर यंत्र

भगवान कुबेर को धन का देवता माना जाता है। यदि आप लगातार कर्ज से परेशान हैं या व्यापार में घाटा हो रहा है, तो घर के मंदिर या उत्तर दिशा में कुबेर यंत्र स्थापित करें। उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना जाता है, यहां यंत्र रखने से नए आय के स्रोत खुलते हैं।

कामधेनु गाय की मूर्ति

हिंदू धर्म में कामधेनु गाय को सभी इच्छाओं को पूरा करने वाला माना गया है। वास्तु के अनुसार, घर के ईशान कोण में कामधेनु गाय की प्रतिमा (बछड़े के साथ वाली) रखने से घर के सदस्यों के बीच सामंजस्य बढ़ता है और दरिद्रता का नाश होता है। यह घर में सुख और शांति का संचार करती है।

धातु का कछुआ

वास्तु शास्त्र में कछुआ सौभाग्य और लंबी आयु का प्रतीक है। धन लाभ के लिए घर में धातु (पीतल, चांदी या तांबा) का कछुआ रखना बहुत लाभकारी होता है। इसे हमेशा उत्तर या पूर्व दिशा में रखें। ध्यान रहे कि कछुए का मुख घर के अंदर की तरफ होना चाहिए, जिससे धन का आगमन घर के भीतर बना रहे।

मनी प्लांट

जैसा कि नाम से ही पता चलता है, मनी प्लांट आर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिए सबसे लोकप्रिय उपाय है। लेकिन इसे सही दिशा में रखना जरूरी है। वास्तु के अनुसार, मनी प्लांट को हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा यानी आग्नेय कोण में लगाना चाहिए। इस दिशा के देवता गणेश जी हैं, जो बाधाओं को दूर करते हैं और शुक्र ग्रह सुख-सुविधाओं के कारक हैं।

शंख

वास्तु और ज्योतिष शास्त्र में शंख को घर में रखना बेहद शुभ माना जाता है। इसे पूजा घर में रखें और रोज बजाएं। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और लक्ष्मी जी का वास होता है।

क्यों कहलाते हैं शनि न्याय के देवता ?

सिंहासन के पीछे का सबसे बड़ा राज

हिंदू धर्मशास्त्रों में शनिदेव को लेकर अक्सर लोगों के मन में भय रहता है। लोग उन्हें क्रूर या दंड देने वाला मानते हैं, लेकिन वास्तव में शनिदेव क्रूर नहीं, बल्कि निष्पक्ष हैं। उन्हें ब्रह्मांड का चीफ जस्टिस या मजिस्ट्रेट कहा जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि नवग्रहों में केवल शनि को ही न्याय का अधिकार क्यों मिला। क्यों शिव ने उन्हें सूर्यपुत्र होने के बावजूद मृत्यु के देवता यमराज से भी ऊपर का दर्जा दिया। तो आइए जानते हैं शनिदेव के सिंहासन के पीछे छिपी वह अनसुनी कथा।

शनिदेव की कथा

शनिदेव का जन्म सूर्यदेव और छाया के मिलन से हुआ था। पौराणिक कथा के अनुसार, जब शनि का जन्म हुआ, तो उनका रंग काला था। उन्हें देखकर सूर्यदेव ने उन्हें अपना पुत्र मानने से इंकार कर दिया और उनकी माता छाया का अपमान किया। बचपन से ही तिरस्कार और अन्याय सहने के कारण शनिदेव के भीतर न्याय के प्रति गहरी तड़प पैदा हुई। उन्होंने तय किया कि वे संसार में किसी के साथ भी अन्याय नहीं होने देंगे।

अपनी माता के अपमान का बदला लेने और अपनी शक्ति को सिद्ध करने के लिए शनिदेव ने भगवान शिव की घोर तपस्या की। उन्होंने हजारों वर्षों तक धूप, प्यास और भूख की परवाह किए बिना महादेव को प्रसन्न किया। जब शिव प्रकट हुए, तो शनि ने उनसे बस एक ही वरदान मांगा हे महादेव, मुझे वह पद दें जो संसार में सबसे शक्तिशाली हो, जहां न देवता, न असुर और न ही मनुष्य मेरे प्रभाव से बच सकें।

महादेव शनिदेव के धैर्य और उनके निष्पक्ष स्वभाव से बहुत प्रभावित थे। शिव जानते थे कि न्याय करने के लिए हृदय का कठोर और मोह-माया से मुक्त होना जरूरी है। शिव ने शनि को आशीर्वाद देते हुए कहा आज से तुम 'न्यायाधीश' कहलाओगे। तुम्हारा स्थान सूर्यमंडल से भी ऊपर होगा। तुम केवल इंसानों के ही नहीं, बल्कि देवताओं के भी कर्मों का हिसाब रखोगे।

शनिदेव के न्याय करने का तरीका अन्य देवताओं से अलग है। उनके सिंहासन के पीछे का सबसे बड़ा राज यह है कि वे 'कर्मफल' के सिद्धांत पर काम करते हैं। शनिदेव किसी को बिना वजह परेशान नहीं करते। वे केवल व्यक्ति के वर्तमान और पूर्व जन्म के कर्मों का फल देते हैं। उनकी 'टेढ़ी नज़र' का मतलब है कि वे गहराई से छिपे हुए पापों को भी देख लेते हैं।

यमराज और शनि में क्या अंतर है?

अक्सर लोग यमराज और शनि को एक ही मान लेते हैं, लेकिन दोनों के कार्यों में बड़ा अंतर है:

यमराजः वे मृत्यु के बाद आत्मा के पाप-पुण्य का हिसाब करते हैं।

शनिदेवः वे व्यक्ति के जीवित रहते हुए ही उसके बुरे कर्मों का दंड देकर उसे शुद्ध करते हैं। इसीलिए उन्हें 'सुधारने वाला देवता' भी कहा जाता है।

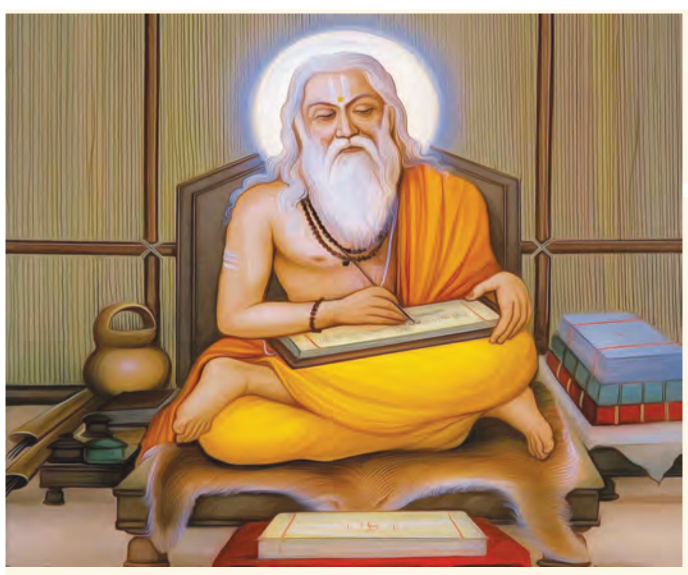

महर्षि वेदव्यास की इस कहानी से जानें, क्यों मुफ्त की सहायता आपके विकास के सारे रास्ते बंद कर देती है?

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा-एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है। उन्होंने कीड़े से पूछा-ऐ क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो। कीड़ा बोला-हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन?

महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया-अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीड़े के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले-पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला-महर्षि, मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा-चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा-किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा-धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। संघर्ष ही जीवन है, अतः मुझे स्वयं ही मेहनत करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

संसार के सभी प्राणी एक-दूसरे को लाभ पहुंचाते हैं, इसलिए सभी प्राणियों का महत्व समझें

हमारा जीवन आपसी सहयोग पर आधारित है। प्रत्येक जीव, चाहे वह मनुष्य हो, पशु-पक्षी हो या प्रकृति के अन्य तत्व, सभी एक-दूसरे के पूरक हैं। वृक्ष, जल, वायु, अग्नि और आकाश जैसे प्राकृतिक तत्वों के बिना जीवन संभव नहीं है। इसलिए आवश्यक है कि हम पर्यावरण का संरक्षण करें। संसार के सभी प्राणी एक-दूसरे को लाभ पहुंचाते हैं और मिलकर जीवन का संतुलन बनाए रखते हैं। सभी जीवों के महत्व को समझें।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 3 अप्रैल - 2026

ईंधन संकट की दस्तक

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध जैसी परिस्थितियों का असर अब भारत पर भी साफ दिखाई देने लगा है। अब तक सरकार भरोसा दिलाती रही कि स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन वाणिज्यिक एलपीजी और विमान ईंधन की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी ने संकेत दे दिया है कि संकट गहराने लगा है और इसकी सबसे बड़ी मार आम लोगों पर पड़ सकती है। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव का सीधा असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ रहा है। यदि यह संघर्ष लंबा चला तो तेल की आपूर्ति और कीमतों पर गंभीर असर पड़ेगा। यही कारण है कि घरेलू तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम 195.50 रुपये तक बढ़ा दिए हैं। इसका असर होटल, रेस्तरां और ढाबों में मिलने वाले भोजन की कीमतों पर पड़ेगा और आम लोगों का खर्च बढ़ना तय है। इसी तरह विमान ईंधन के दामों में भी 20.7 रुपये प्रति किलोलीटर से अधिक की वृद्धि की गई है। हालांकि राहत की बात यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने घरेलू विमान कंपनियों के लिए इस बढ़ोतरी को 8.5 प्रतिशत तक सीमित रखा है, लेकिन हवाई यात्रा महंगी होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थिति को और जटिल बनाता है होर्मुज जलमार्ग का संकट। हाल ही में खबर आई थी कि ईरान ने भारत सहित पांच देशों के तेल जहाजों को इस जलमार्ग से गुजरने की अनुमति दी है, लेकिन बाद में यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत और दूसरे देशों के गैस-तेल जहाज अभी भी इस मार्ग में फंसे हुए हैं। इसका मतलब है कि औपचारिक अनुमति के बावजूद आपूर्ति सामान्य नहीं हो पा रही है। यदि यह स्थिति लंबी खिंची, तो भारत के लिए ईंधन की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होना तय है। घरेलू स्तर पर इसका असर पहले ही दिखाई देने लगा है। वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम बढ़ चुके हैं और यदि गैस आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं हुई, तो घरेलू रसोई गैस की कीमतों में भी बढ़ोतरी से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में आम लोगों के सामने जरूरी और गैर-जरूरी खर्च के बीच संतुलन बनाने की नई चुनौती खड़ी हो सकती है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई उछाल का असर प्रीमियम ब्रांड के पेट्रोल और डीजल पर भी दिखने लगा है। इनके दामों में 1.50 रुपये से लेकर 11 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। हालांकि सरकार सामान्य पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर बनाए रखने की कोशिश कर रही है, लेकिन यह स्थिति कब तक बनी रहेगी, यह बड़ा सवाल है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह इस संकट के बीच आम लोगों को राहत कैसे दे। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों का दबाव बना रहता है, तो उत्पाद शुल्क में कटौती जैसे कदमों पर विचार करना पड़ सकता है। साथ ही कच्चे तेल की खरीद के लिए वैकल्पिक स्रोतों और मार्गों पर गंभीरता से काम करना भी जरूरी हो गया है। देखा जाए तो यह केवल कीमतों का संकट नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा भी है। यदि समय रहते ठोस रणनीति नहीं बनाई गई, तो आने वाले दिनों में ईंधन आपूर्ति और महंगाई दोनों बड़ी चुनौती बन सकते हैं। पश्चिम एशिया का यह तनाव भले ही भारत से दूर हो, लेकिन उसकी आंच अब देश की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की रसोई तक पहुंच चुकी है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार त्वरित निर्णयों के साथ दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में भी मजबूत कदम उठाए, ताकि संकट का असर सीमित रखा जा सके।

सूली से उठती शांति की पुकार

योगेश कुमार गोयल

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं।

ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है। कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे।

करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई।

अमेरिकी विदेशनीति और प्रभावों पर प्रश्नचिन्ह

डॉ घनश्याम बादल

इसराइल के साथ मिलकर ईरान के ख़िलाफ़ युद्ध लड़ रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन में ईरान के विरुद्ध संभावित या चल रहे सैन्य कदमों को जिस प्रकार से न्यायोचित ठहराया गया, उसने वैश्विक राजनीति में एक नई बहस को जन्म दिया है। अपनी प्रकृति के मुताबिक ही इस संबोधन में ट्रंप ने सुरक्षा, आतंकवाद, सामरिक संतुलन, ऊर्जा मार्गों की सुरक्षा तथा सहयोगी देशों के हितों जैसे अनेक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विशेष रूप से इजराइल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ कार्रवाई को उन्होंने "आवश्यक" और "रक्षात्मक" कदम बताया। हालांकि, इस पूरे विमर्श के भीतर कई ऐसे अंतर्विरोध भी मौजूद हैं, जो अमेरिकी विदेश नीति की दीर्घकालिक दिशा और उसके प्रभावों पर प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं। कभी भीषणतम हमले करने तो कभी युद्ध विराम की बात करने वाले ट्रंप के भाषण का सबसे बड़ा केंद्रीय तत्व राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा रहा। उन्होंने ईरान को क्षेत्रीय अस्थिरता का प्रमुख कारण बताते हुए आरोप लगाया कि वह आतंकवादी संगठनों को समर्थन देता है और मध्य-पूर्व में अपने प्रभाव का विस्तार करना चाहता है। इस संदर्भ में उन्होंने यह तर्क दिया कि अमेरिका और उसके सहयोगियों, विशेषकर इजराइल, की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कठोर कदम उठाना अनिवार्य हो गया है। यहां ट्रंप की भाषा स्पष्ट रूप से "पूर्व-निरोधात्मक युद्ध" की अवधारणा को समर्थन देती दिखाई देती है, जिसमें ख़तरे के पूरी तरह मूर्त रूप लेने से पहले ही सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराया जाता है।

अपने अजीबो गरीब व्यवहार एवं तर्कों के साथ इजराइल के साथ अमेरिकी गठबंधन को ट्रंप ने इस पूरे परिप्रेक्ष्य में नैतिक और रणनीतिक दोनों रूपों में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इजराइल पर किसी भी प्रकार का खतरा अमेरिका के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को एक साझा सुरक्षा ढांचे के रूप में चित्रित किया। लेकिन आलोचकों का मानना है कि इस दृष्टिकोण में क्षेत्रीय जटिलताओं की अनदेखी की गई है और इससे संघर्ष और अधिक गहरा सकता है।

हार्मूज स्ट्रेट को 'ट्रंप स्ट्रेट' के नाम से संबोधित करने की चतुराई भरी गलती करने वालेट्रं प के संबोधन में ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक व्यापार मार्गों का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र वैश्विक तेल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है। यहां उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका इस क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति को और मजबूत कर सकता है। यह रणनीति केवल सैन्य दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे आर्थिक हित भी स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

हालांकि, होर्मुज क्षेत्र को लेकर ट्रंप की रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव भी देखा गया है। पहले जहां अमेरिका अपेक्षाकृत संयमित रुख अपनाता रहा था, वहीं अब वह अधिक आक्रामक और प्रत्यक्ष हस्तक्षेप की नीति की ओर बढ़ता दिखाई देता है। इस बदलाव का एक कारण यह भी हो सकता है कि अमेरिका वैश्विक ऊर्जा बाजार में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहता है और किसी भी प्रकार की अस्थिरता को अपने हितों के लिए खतरा मानता है। लेकिन यह रणनीति जोखिमों से भी भरी हुई है, क्योंकि इससे क्षेत्रीय शक्तियों के बीच टकराव की संभावना बढ़ जाती है। लेकिन "हमें हार्मूज की ज़रूरत नहीं है, जिन्हें इसकी ज़रूरत है वें उसकी सुरक्षा की चिंता करें" के कथन के बाद ट्रंप का यह भाषण एक बार फिर दुनिया को चकराने वाला है।

भविष्य को लेकर ट्रंप का दृष्टिकोण भी उनके भाषण में स्पष्ट रूप से सामने आया। उन्होंने कहा कि अमेरिका युद्ध नहीं चाहता, लेकिन यदि उसे अपने हितों और सहयोगियों की रक्षा के लिए युद्ध करना पड़े, तो वह पीछे नहीं हटेगा। यह एक प्रकार की "शर्तीय शांति" की अवधारणा है, जिसमें शांति की इच्छा तो जताई जाती है, लेकिन साथ ही सैन्य कार्रवाई की संभावना को भी खुला रखा जाता है। इस तरह का दृष्टिकोण अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अनिश्चितता को बढ़ाता है और संवाद की संभावनाओं को सीमित करता है।

अमेरिका में अपने खिलाफ बढ़ते जा रहे थे विरोध के बीच लोकप्रियता के सबसे निचले पायदान पर पहुंच चुके ट्रंप ने अपने संबोधन में घरेलू राजनीति को भी अप्रत्यक्ष रूप से साधने का प्रयास किया। उन्होंने अमेरिकी जनता को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की कि उनकी सरकार देश की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है। यह पहलू विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए घरेलू समर्थन आवश्यक होता है। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि युद्ध के दीर्घकालिक परिणाम अक्सर अप्रत्याशित होते हैं और उनका प्रभाव केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। निष्पक्ष व आलोचनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो ट्रंप का यह पूरा विमर्श कई सवाल खड़े करता है। सबसे पहला प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में ईरान से उत्पन्न खतरा इतना तात्कालिक और गंभीर है कि सैन्य कार्रवाई को उचित ठहराया जा सके? दूसरा, क्या इस प्रकार की आक्रामक नीति से क्षेत्र में स्थिरता आएगी या फिर यह और अधिक अस्थिरता को जन्म देगी? तीसरा, क्या अमेरिका अपने आर्थिक और सामरिक हितों को "वैश्विक सुरक्षा" के नाम पर प्रस्तुत कर रहा है?

इससे इतर भी इस पूरे परिदृश्य में अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि कोई भी देश एकतरफा सैन्य कार्रवाई करता है, तो यह वैश्विक व्यवस्था के लिए एक खतरनाक उदाहरण बन सकता है। ट्रंप के भाषण में इस पहलू का उल्लेख अपेक्षाकृत कम रहा, जो यह संकेत देता है कि अमेरिका अपने निर्णयों में बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को सीमित कर सकता है।

अंततः, ट्रंप का यह संबोधन केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक व्यापक रणनीतिक संकेत है, जो यह दर्शाता है कि अमेरिका आने वाले समय में मध्य-पूर्व में किस प्रकार की भूमिका निभाना चाहता है। यह भूमिका अधिक आक्रामक, प्रत्यक्ष और हित-केन्द्रित दिखाई देती है। हालांकि, इस रणनीति के परिणाम क्या होंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन इतना निश्चित है कि इसका प्रभाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करेगा।

एआई का उदय, इंसानों का पतन : ऑरेकल से शुरू हुई खामोश क्रांति

आरके जैन

जिस दिन तलवारें चलती हैं, लोग चीख उठते हैं। जिस दिन गोलियां बरसती हैं, दुनिया उसे सुर्खियां बना देती है। लेकिन जब किसी देश के बारह हजार सपनों को खामोशी में दफना दिया जाए, तब कोई शोर नहीं उठता। न सायरन बजता है, न सड़कें रुकती हैं। बस मोबाइल स्क्रीन जलती है, इनबॉक्स खुलता है और कुछ ठंडे शब्द मेहनत, भरोसे और भविष्य को एक पल में राख कर देते हैं— टुडे इज़ योर लास्ट वर्किंग डे। ऑरेकल ने भारत में लगभग 12,000 कर्मचारियों को एक झटके में बाहर कर दिया। 31 मार्च 2026 की सुबह ठीक छह बजे बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के हजारों घरों में उस सुबह चाय के कप हाथों में ही ठहर गए। जो लोग रात तक खुद को सुरक्षित मान रहे थे, वे सुबह बेरोज़गार थे। यह सिर्फ नौकरी जाने की घटना नहीं थी। यह उस नए दौर का ऐलान था, जिसमें मशीनें आगे बढ़ रही हैं और इंसान पीछे धकेले जा रहे हैं।

ऑरेकल की भारत में कुल कार्यशक्ति लगभग 30,000 थी। उनमें से 40 प्रतिशत से अधिक लोगों को हटाना किसी सामान्य पुनर्गठन का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। इसके पीछे साफ आर्थिक गणित है। कंपनी इस समय एआई आधारित डेटा सेंटर, क्लाउड ऑटोमेशन और जेनरेटिव सिस्टम्स पर लगभग 156 अरब डॉलर लगा रही है। इतनी बड़ी पूंजी जुटाने का सबसे आसान रास्ता लागत घटाना है, और वैश्विक कंपनियों के लिए भारत हमेशा सबसे सस्ता, सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला श्रम बाजार रहा है। इसलिए अमेरिका या यूरोप की तुलना में भारत में छंटनी करना उन्हें कम महंगा पड़ता है। यानी जिन भारतीय इंजीनियरों ने वर्षों तक कंपनी के लिए अरबों डॉलर कमाए, वही सबसे पहले बलि चढ़ गए।

इस छंटनी की सबसे बड़ी वजह केवल लागत घटाना नहीं, बल्कि तकनीक का बदलता चेहरा भी है। पहले एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए सैकड़ों इंजीनियरों की जरूरत होती थी। कोई कोड लिखता था, कोई टेस्टिंग करता था, कोई डेटाबेस संभालता था, कोई रिपोर्ट बनाता था। कंपनी अब एआई डेटा सेंटर और क्लाउड ऑटोमेशन पर भारी निवेश कर रही है, जिससे कई दोहराए जाने वाले और रूटीन कार्यों में कम लोगों की जरूरत पड़ रही है। जेनरेटिव एआई कोड लिखने, टेस्टिंग और रिपोर्टिंग जैसे कामों को तेज़ कर रहा है, लेकिन छंटनी का मुख्य कारण विशाल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च के लिए कैश फ्लो जुटाना है। यही वजह है कि ऑरेकल जैसी कंपनियां कर्मचारियों को खर्च और एआई को निवेश मानने लगी हैं।

इन आंकड़ों के पीछे दबी सच्चाई कहीं अधिक भयावह और निर्मम है। बारह हजार कर्मचारियों की छंटनी केवल एक आंकड़ा नहीं, बारह हजार परिवारों पर टूटा हुआ संकट है। किसी ने हाल ही में घर खरीदा था और हर महीने भारी ईएमआई देनी थी। किसी के बच्चे का दाखिला बड़े स्कूल में हुआ था। कोई बूढ़े माता-पिता की दवाइयों और इलाज का सहारा था। पुणे का एक इंजीनियर, जो दस साल से कंपनी में था, सुबह रोज़ की तरह लॉग-इन करने बैठा, लेकिन उसका सिस्टम एक्सेस बंद था। कुछ ही मिनटों में उसे समझ आ गया कि जिस कंपनी को उसने अपनी जवानी और मेहनत दी, उसी ने उसे एक ईमेल में खत्म कर दिया। कॉर्पोरेट दुनिया में वफादारी की कीमत अब शायद एक पासवर्ड से भी कम रह गई है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि यह पूरी तबाही लगभग खामोशी में हुई। न सड़कों पर प्रदर्शन हुआ, न बड़ी बहस, न टीवी चैनलों पर लगातार चर्चा। लोग चुपचाप अपना रिज्यूमे अपडेट करते रहे, लिंक्डइन पर "ओपन टू वर्क" लिखते रहे और परिवार से छिपाते रहे कि उनकी दुनिया बदल चुकी है। यही वजह है कि इसे साइलेंट टेक रिवोल्यूशन कहा जा रहा है। यह ऐसी क्रांति नहीं है जिसमें कारखाने बंद दिखें या भीड़ सड़क पर उतर आए। यह वह क्रांति है जो बंद कमरे में, लैपटॉप स्क्रीन पर और एक क्लिक के साथ इंसान को सिस्टम से बाहर कर देती है। बाहर सब सामान्य दिखता है, लेकिन भीतर हजारों ज़िंदगियां टूट रही होती हैं। यह सिर्फ ऑरेकल की कहानी नहीं है।

गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और दूसरी बड़ी टेक कंपनियां भी तेजी से उसी दिशा में बढ़ रही हैं। वे लगातार ऐसे एआई सिस्टम बना रही हैं जो इंसानों का काम घटा सकें। भारत की आईटी इंडस्ट्री वर्षों से आउटसोर्सिंग मॉडल पर टिकी रही। विदेशी कंपनियां यहां इसलिए आईं क्योंकि भारतीय इंजीनियर कम पैसे में ज्यादा काम करते थे। लेकिन अब वही कंपनियां मशीनों को भारतीय इंजीनियरों से भी सस्ता और तेज़ मानने लगी हैं। भारत हर साल लाखों इंजीनियर तैयार करता है, लेकिन उनमें से अधिकतर को वही कौशल सिखाए जाते हैं जो आसानी से ऑटोमेट हो सकते हैं। अगर शिक्षा और उद्योग का यही मॉडल चलता रहा, तो आने वाले वर्षों में डिग्रियां बढ़ेंगी, लेकिन नौकरियां घटती जाएंगी। यही वह क्षण है जब भारत को अपनी सोच बदलनी होगी। हमें सिर्फ कोड लिखने वाले तकनीकी मजदूर नहीं, तकनीक बनाने वाला राष्ट्र बनना होगा। अगर भारतीय युवा केवल पुराने सॉफ्टवेयर और दोहराए जाने वाले काम सीखते रहेंगे, तो एआई उन्हें धीरे-धीरे अप्रासंगिक बना देगा। लेकिन अगर वही युवा मशीन लर्निंग, एआई रिसर्च, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, चिप डिजाइन और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ें, तो वे इस बदलाव के शिकार नहीं, उसके निर्माता बन सकते हैं। सरकार को भी केवल "स्किल इंडिया" का नारा नहीं देना चाहिए। अब समय "एआई इंडिया" की वास्तविक नीति बनाने का है, जिसमें कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थानों को पूरी तरह बदला जाए।

ऑरेकल की यह छंटनी एक कठोर लेकिन जरूरी सच सामने लाती है-भविष्य में नौकरी नहीं, केवल कौशल सुरक्षित होंगे। अब किसी कंपनी के साथ वर्षों की वफादारी आपको नहीं बचा सकती। आपको हर कुछ वर्षों में खुद को बदलना होगा, नई तकनीक सीखनी होगी और मशीन से आगे सोचने की क्षमता बनानी होगी। बारह हजार सपनों का यह डिजिटल कत्लेआम सिर्फ एक खबर नहीं, आने वाले समय की चेतावनी है। अगर भारत ने इस चेतावनी को नहीं समझा, तो अगली बार संख्या और बड़ी हो सकती है। लेकिन अगर हम इस दर्द को सबक बना लें, तो वही भारत, जिसे आज एआई से डराया जा रहा है, कल एआई की दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।

आर्टेमिस-2 : नासा का सबसे बड़ा मानव अंतरिक्ष मिशन

स्नेहा सिंह

नासा ने चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने और भविष्य में उसके उपयोग के लिए कई अभियानों की शुरुआत की थी। उनमें से अब एक अभियान पूरा होने जा रहा है। नासा का बहुप्रतीक्षित आर्टेमिस-2 मिशन लॉन्च हो चुका है। 10 दिनों के इस अभियान में चार अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की परिक्रमा करके जरूरी डेटा एकत्र करेंगे और पृथ्वी पर लौटेंगे। उल्लेखनीय है कि 1972 में अपोलो-13 मिशन के बाद नासा का यह पहला मानव अभियान है। यह लगभग पांच दशक बाद पहला बड़ा मानव अभियान है, जिसमें अंतरिक्ष यात्री 10 दिन अंतरिक्ष में बिताएंगे। उल्लेखनीय है कि इस मिशन के तहत एक विशाल एसएलएस राकेट का उपयोग किया गया है। इसे फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया है। यह ओरियन स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में पहुंचाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि चारों सदस्य इस यात्रा के लिए कई वर्षों से प्रशिक्षण ले रहे थे। जानकारों के अनुसार पिछले पचास वर्षों में ऐसा कोई मिशन नहीं हुआ है। इस मिशन में चार क्रू मेंबर्स के साथ अंतरिक्ष यान को चंद्रमा की ओर भेजा जाएगा। इसमें तीन पुरुष और एक महिला शामिल हैं। वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टिना कोच और कनाडा के अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैंसन इस अभियान का हिस्सा हैं। वाइजमैन नौसेना के सेवानिवृत्त पायलट हैं और वह इस अभियान का नेतृत्व करेंगे। खास बात यह है कि वह नासा के अंतरिक्ष यात्री कार्यक्रम से लंबे समय से जुड़े हुए हैं। इससे पहले वह कई सैन्य मिशनों में शामिल रहे हैं। वह 2014 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा भी कर चुके हैं। उनके अनुभव के कारण उन्हें कमान सौंपी गई है।

इस अभियान की सबसे बड़ी चुनौती 10 दिनों तक अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष में जाना और सुरक्षित वापस लौटना है। पिछली बार यह कार्य लगभग पांच दशक पहले किया गया था। उसके बाद इतना बड़ा मिशन किसी ने नहीं किया। एक विशाल राकेट की मदद से ओरियन स्पेसशटल को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसके बाद यह स्पेसशटल चंद्रमा के चारों ओर परिक्रमा करेगा और डेटा एकत्र करेगा। इस अंतरिक्ष यान को इसी उद्देश्य के लिए तैयार किया गया है। अंतरिक्ष यात्री इस दौरान जीवनरक्षक संसाधनों, संचार और नेविगेशन जैसी सभी प्रणालियों की जांच करेंगे। उल्लेखनीय है कि नासा ने 2022 में आर्टेमिस मिशन की शुरुआत की थी। उस समय नासा ने मानवरहित यान चंद्रमा की ओर भेजा था। नासा कई वर्षों से इस मिशन पर काम कर रहा है। वास्तव में नासा चंद्रमा पर मानव जीवन की संभावनाओं का अध्ययन कर रहा है। चंद्रमा पर मानव बस्ती स्थापित करने और वहां लोगों को बसाने की संभावनाओं की जांच की जा रही है। इसके अलावा वैज्ञानिक अनुसंधान, आर्थिक लाभ और अन्य पहलुओं का भी अध्ययन किया जा रहा है। यहां एक बेस स्टेशन बनाकर भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को अंजाम देने की योजना है। खासकर मंगल मिशन के लिए चंद्रमा को बेस के रूप में उपयोग करने की योजना है।

एसएलएस राकेट पृथ्वी की कक्षा से बाहर पहुंचने के बाद ओरियन स्पेसशटल उससे अलग हो जाएगा। राकेट के विभिन्न हिस्से नीचे गिर जाएंगे, जबकि स्पेसशटल अपनी यात्रा जारी रखेगा। ओरियन अपने इंजन और ईंधन की मदद से चंद्रमा की ओर बढ़ेगा। इस प्रक्रिया को ट्रांसलूनर इंजेक्शन कहा जाता है। ओरियन स्पेसशटल लगभग 3-4 दिनों में चंद्रमा के पास पहुंचेगा। इसके बाद वह एक दिन तक चंद्रमा की परिक्रमा करेगा और आवश्यक डेटा एकत्र करेगा। फिर 3-4 दिनों की यात्रा के बाद पृथ्वी पर वापस लौटेगा। कुल मिलाकर यह 10 दिनों का मिशन होगा। यह केवल एक परीक्षण उड़ान है, जिसमें चंद्रमा पर उतरने की योजना नहीं है।

ओरियन की पृथ्वी पर वापसी सबसे कठिन चरण है। जब यह पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करेगा, तब इसकी गति लगभग 25,000 मील प्रति घंटा होगी। इस दौरान इसे 5,000 डिग्री सेल्सियस तापमान का सामना करना पड़ेगा। अंत में इसकी कैप्सूल को सैन डिएगो के पास प्रशांत महासागर में पैराशूट की मदद से उतारा जाएगा।

इस मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री कई प्रयोग करेंगे और डेटा एकत्र करेंगे। वे अंतरिक्ष यान की कार्यप्रणाली, आपातकालीन सुविधाओं और वैज्ञानिक शोध से जुड़ी जानकारी का अध्ययन करेंगे। चंद्रमा की विभिन्न कोणों से तस्वीरें ली जाएंगी। ओरियन चंद्रमा से लगभग 7,600 किमी दूर रहकर परिक्रमा करेगा। उनका स्वास्थ्य भी लगातार मॉनिटर किया जाएगा। अंतरिक्ष यान में उन्हें सीमित जगह मिलेगी। वे रोज 30 मिनट व्यायाम करेंगे और 8 घंटे आराम करेंगे। उन्हें पैकेट फूड, गर्म करने की सुविधा और पसंदीदा पेय पदार्थ दिए जाएंगे। आर्टेमिस-2 मिशन की सफलता के बाद आर्टेमिस-3 मिशन की तैयारी शुरू की जाएगी। इसमें अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की सतह पर उतारा जाएगा। यह मिशन लगभग 2028 में किया जाएगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य जीवनरक्षक प्रणालियों का परीक्षण करना, चंद्रमा की परिक्रमा करना और सुरक्षित पृथ्वी पर लौटना है। इसके अलावा चंद्रमा पर भविष्य की मानव बस्ती के लिए स्थान चुनना और मंगल मिशन की तैयारी करना भी इसका लक्ष्य है। नासा का उद्देश्य चंद्रमा को भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों का आधार बनाना है, ताकि वहां से मंगल और अन्य ग्रहों की यात्रा की जा सके।

वह प्रेमी नहीं बल्कि लव टेररिस्ट है

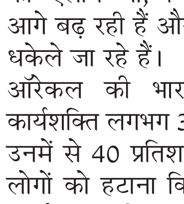

डॉ. सुरेश कुमार

सन 2050 की उस सुनहरी और हाई-टेक सुबह में मोहल्ले के ऑक्सीजन-पार्क की आबोहवा ही कुछ और थी, जहाँ कंधे पर सिलेंडर लादे दो बुजुर्ग अपनी विंटेज यादों की फाइलें खोलकर बैठे थे। वे चर्चा कर रहे थे कि उनके जमाने में प्रेमी-प्रेमिका के घर के बाहर फिजिकल अटेंडेंस देते थे और पत्थर फेंककर खिड़कियाँ तोड़ने जैसे मैनुअल टास्क किया करते थे, पर आज का युग तो पूरी तरह रिमोट रोमांस और क्लाउड-बेस्ड अटैचमेंट का है। इसी बीच एलेक्स-पॉल अपने स्मार्ट ग्लास पर डेटा चेक करते हुए गहरी आहें भर रहा था, जिसे देखकर उसके मित्र साइबर-सिल्वेस्टर ने पूछा, क्या हुआ भाई? क्या तुम्हारी प्रेमिका किसी और के साथ लॉग-आउट कर गई या फिर तुम्हारा इमोशनल क्लाउड क्रैश हो गया? एलेक्स ने एक ऐसी दार्शनिक मुस्कान बिखेरी जिसे देखकर लगता था कि उसने अभी-अभी कोई बहुत बड़ा आध्यात्मिक घाटा सहा है। उसने कहा, नहीं यार, ट्रैजेडी तो यह है कि वह वापस आ गई! मैं अपनी पार्टनर ज़ारा-क्वांटम को तीन महीने के फ्री ट्रायल पर पड़ोसी के पास भेजकर आया था ताकि वह अपनी एक्सप्लोरेशन स्किल्स को अपग्रेड कर सके, पर वह तो कह रही है कि उसे मेरा ही सब्सक्रिप्शन रिन्यू कराना है। यह तो सरासर पिछड़ापन और बौद्धिक दिवालियापन है! उसे प्रोग्रेसिव होकर मल्टी-टास्किंग करनी चाहिए थी, किसी अजनबी के साथ अपने प्राइवेट मोमेंट्स की एचडी रील बनानी चाहिए थी, पर वह तो वापस आकर मेरे लिए चाय बनाने और लॉयल्टी निभाने जैसी दकियानूसी और सड़ी-गली बातें कर रही है। मैं तो सोच रहा हूँ कि इसकी शिकायत इमोशनल कंज्यूमर कोर्ट में कर दूँ।

साइबर-सिल्वेस्टर ने उसे ढांढस बँधाया कि घबराओ मत, समाज अभी ट्रांज़िशन फेज में है, धीरे-धीरे वह भी दूसरों के साथ ओपन-सोर्स होना सीख जाएगी। असल में एलेक्स का दुःख केवल एकतरफा नहीं था; वह इस बात से भी आहत था कि ज़ारा उसे किसी इंटरनेशनल मार्केट में लॉन्च करने के बजाय घर में ही डंप किए हुए थी। एलेक्स चाहता था कि ज़ारा उसे किसी हाई-प्रोफाइल मेटावर्स किटी पार्टी में ऑफर करे, ताकि उसे भी अपनी मार्केटिंग वैल्यू और ग्लोबल डिमांड का अंदाजा हो सके। उसे चिढ़ इस बात की थी कि जब पूरी दुनिया शेयरिंग इकोनॉमी के सिद्धांतों पर चल रही है, तो ज़ारा उसे अपना प्राइवेट असेट और घरेलू सामान क्यों समझ रही है? वह तो उस आधुनिक पुरुषार्थ का स्वप्न देख रहा था जिसमें ज़ारा उसे किसी दूसरी महिला के साथ डेट पर भेजकर खुद बाहर से कमरा लॉक करे और उस पूरे डेटा को क्लाउड पर लाइव स्ट्रीम करके प्रोग्रेसिव पार्टनर का सर्वोच्च गोल्ड मेडल जीते। इधर शहर के स्यूडो-इंटेलेक्चुअल बुद्धिजीवी एक फाइव स्टार कन्वेंशन सेंटर में सेमिनार कर रहे थे कि पुराने जमाने के प्रेमी कितने अकुशल और अनप्रोफेशनल थे जो ईर्ष्या और पजेसिवनेस के चक्कर में हिंसक हो जाते थे। मंच पर खड़ा रिलेशनशिप एल्गोरिदम स्पेशलिस्ट चिल्ला रहा था, साथियों, असली पुरुषार्थ उसे अपनी बाहों में जकड़ने में नहीं, बल्कि उसे दूसरे की बाहों में जाते हुए लाइव स्ट्रीम करने और उस पर सोशल मीडिया लाइक्स बटोरने में है! जो प्रेमी अपनी प्रेमिका का दूसरा प्रेमी खुद शॉर्टलिस्ट नहीं करता, वह प्रेमी नहीं, लव-टेररिस्ट है।

शर्टलेस ओरी संग दिखी निसा देवगन, शहर छोड़ गांव में बसने को तैयार?

बॉलीवुड के एडोरेबल कपल अजय देवगन और काजोल की बेटी निसा सोशल मीडिया की स्टार हैं. इंफ्लुएंसर ओरी संग वो खास बॉन्ड शेयर करती हैं. दोनों की दोस्ती सालों पुरानी है. वे जब सोशल मीडिया पर एकसाथ आते हैं, फैंस के बीच गदर मच आता है. नेटिजन्स के इंतजार को खत्म करते हुए ओरी ने निसा संग नया वीडियो पोस्ट किया है.

ओरी संग दिखीं निसा

वीडियो में ओरी शर्टलेस दिख रहे हैं. उन्होंने हरियाणवी वॉइसओवर पर एक लिपसिंक शेयर किया है. ओरी ने कैप्शन में लिखा है- चलो, अपना 'होरीयाणवी' लहजा दिखाते हैं. क्योंकि ओरी ने अपने स्टाइल में हरियाणवी बोली है. इसलिए उन्होंने अपने नाम (ओरी) और हरियाणवी को मिलाकर 'होरियाणवी' टर्म बनाया है.

वीडियो में ओरी निसा से कहते हैं- कॉफी पीने चलते हैं. पर निशा को चाय पसंद है. ओरी बोले- गांव में लाइट नहीं आती, तो निशा ने कहा- मुझे तारों की छांव पसंद है. ओरी बोले- यहां मखमल के गद्दे नहीं मिलते. तब निशा बोलीं- सिराहने की जगह तेरी बांह पसंद है. ओरी ने कहा- चल तुझे चंडीगढ़ घुमा के ले आऊं, जवाब में निसा कहती हैं- चंडीगढ़ में बहुत रह ली, मुझे तो तेरा गांव पसंद है.

ओरी और निसा के इस वीडियो को लोगों का बेशुमार प्यार मिल रहा है. निसा का कोल्ड रिएक्शन लोगों को हटके लगा है. ओरी अपने फुल फॉर्म में हैं. वो हरियाणवी एक्सेंट बोलते हुए शानदार लगे हैं. ओरी और निसा का याराना फिल्मी गलियारों में चर्चा में रहता है. दोनों साथ में हैंगआउट या ट्रिप पर भी जाते हैं. साथ में वे रील भी बनाते हैं.

मोनालिसा के आरोपों पर रजत दलाल का पलटवार बोले– उनका गुस्सा उनकी समस्या, मुझ पर कोई असर नहीं

रियलिटी शो 'द 50' के खत्म होने के बाद भी कंटेस्टेंट्स के बीच का विवाद अब भी चर्चा का विषय बन गया है। इस बार चर्चा में हैं रजत दलाल और मोनालिसा, जिनके बीच का टकराव लगातार खबरों में बना हुआ है। दरअसल, मोनालिसा ने हाल ही में कई इंटरव्यू में रजत दलाल पर आरोप लगाया था कि उन्होंने गेम के दौरान उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत की बुराई की। मोनालिसा ने कहा, "रजत में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सामने आकर विक्रांत से बात कर सकें।" उनके इन बयान के बाद यह मामला और ज्यादा तूल पकड़ने लगा और फैंस के बीच भी इस पर चर्चा शुरू हो गई। अब इस पूरे मामले पर रजत दलाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मोनालिसा का गुस्सा उनका अपना है और इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

रियलिटी शो 'द 50' की बात करें तो यह एक ऐसा शो था, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों से आए 50 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया था। इस शो के दौरान कई कंटेस्टेंट्स के बीच दोस्ती और टकराव दोनों देखने को मिले, जो दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प रहे।

इस शो के विजेता शिव ठाकरे बने, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को पीछे छोड़ दिया। वहीं, शो में निक्की तंबोली, रिद्धि डोगरा, प्रिंस नरूला, युविका चौधरी, दिव्या अग्रवाल, अर्चना, करण पटेल, और उर्वशी ढोलकिया जैसे कई चर्चित चेहरे भी नजर आए थे।

रजत दलाल की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने हाल ही में अपनी शादी की खबर से सभी को चौंका दिया। उन्होंने कुछ दिन पहले ही शादी की थी।

दूसरी ओर, मोनालिसा और विक्रांत सिंह राजपूत की जोड़ी लंबे समय से चर्चा में रही है। दोनों ने साल 2017 में रियलिटी शो 'बिग बॉस' के दौरान ही शादी की थी, जिसे पूरे देश ने टीवी पर देखा था। यह शादी उस समय काफी चर्चा में रही थी और आज भी दोनों की जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं।

मेनस्ट्रीम सिनेमा में घट रही महिलाओं की कहानियां ओटीटी ने दिए नए मौके : भूमि पेडनेकर

फिल्म इंडस्ट्री में समय के साथ कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। जहां एक ओर बड़े बजट की फिल्मों का दबदबा बढ़ता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कंटेंट आधारित सिनेमा और मजबूत कहानियों की जगह को लेकर भी बहस जारी है। खासकर महिलाओं पर केंद्रित कहानियों को लेकर यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या मेनस्ट्रीम सिनेमा में उनके लिए जगह कम होती जा रही है। इसी मुद्दे पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने खुलकर अपनी राय रखी है। भूमि पेडनेकर ने कहा, "मुझे लगता है कि बड़े पर्दे पर महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियां धीरे-धीरे कम हो रही हैं। पहले की तुलना में अब ऐसी फिल्में कम बन रही हैं, जिनमें महिला किरदार कहानी का केंद्र हों। यह बदलाव निराशाजनक है, क्योंकि महिलाओं की कहानियां समाज को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाती हैं।" भूमि ने अपने करियर की शुरुआत का जिक्र करते हुए बताया कि उन्होंने हमेशा अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार चुनने की कोशिश की है। उन्होंने 2015 में फिल्म 'दम लगा के हईशा' से डेब्यू किया था।

इसके बाद उन्होंने लगातार ऐसी फिल्मों में काम किया, जो समाज से जुड़े मुद्दों को सामने लाती हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती हैं।

उन्होंने आगे कहा, "भले ही मेनस्ट्रीम सिनेमा में महिलाओं की कहानियों की संख्या कम हो रही हो, लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्म इस कमी को काफी हद तक पूरा कर रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को ज्यादा मजबूत और अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। यहां की कहानियां ज्यादा वास्तविक और साहसी होती हैं, जो अभिनेत्रियों को अपने अभिनय का पूरा दायरा दिखाने का अवसर देती हैं।

भूमि पेडनेकर ने कहा, महिलाएं हमेशा से ही अपने किरदारों के चुनाव में बहादुर रही हैं। वे ऐसे रोल्स चुनती हैं जो सिर्फ मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि समाज को कुछ नया सोचने के लिए प्रेरित करें। ओटीटी प्लेटफॉर्म इस तरह के प्रयोगों के लिए सही जगह बनकर उभरा है, जहां कलाकार बिना किसी बंधन के अपने काम को बेहतर तरीके से पेश कर सकते हैं।

भूमि ने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट्स उन्हें बतौर कलाकार आगे बढ़ने का मौका देते हैं और उन्हें नई चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करते हैं। दर्शकों की पसंद भी अब बदल रही है और वे ऐसी कहानियों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं, जिनमें गहराई और वास्तविकता हो।

'क्वीन 2' में कंगना रनोट नजर आएंगी अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग

कंगना रनोट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी।

कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा।

पहली फिल्म के कलाकार इस बार नजर नहीं आएंगे

फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी।

'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

दावा- समुद्र से जिंदा बाहर निकाले गए थे राहुल बनर्जी
वे बात करने की कोशिश कर रहे थे; क्लिनिक ले जाया गया, वहां डॉक्टर नहीं था

बंगाली सिनेमा के एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी की 29 मार्च को समुद्र में डूबने से मौत हो गई थी। सीरियल 'भोले बाबा पार करेगा' की शूटिंग के दौरान ओडिशा के तालसारी बीच पर यह हादसा हुआ था।लेकिन अब शो के मेकर्स ने दावा किया है कि राहुल को पानी से जिंदा बाहर निकाला गया था और वे बात करने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें तुरंत पास के क्लिनिक ले जाया गया, लेकिन वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था।

इसके बाद उन्हें दीघा स्टेट जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मेकर्स ने मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज किया जिनमें कहा गया था कि एक्टर काफी देर तक पानी के अंदर रहे थे।

तालसारी बीच पर हुआ हादसा

राहुल बनर्जी ओडिशा के बालेश्वर जिले में सीरियल की शूटिंग कर रहे थे। इसी दौरान समुद्र में डूबने से उनकी जान चली गई। प्रोडक्शन हाउस ने पीटीआई को दिए अपने बयान में कहा, हमारे क्रू के सभी सदस्य गहरे दुख में हैं। हम कुछ दिनों का समय मांगते हैं ताकि वहां मौजूद लोगों से बात कर एक न्यूट्रल और विस्तृत रिपोर्ट पेश कर सकें।

मेकर्स ने एक्टर के परिवार और वेस्ट बंगाल मोशन पिक्चर आर्टिस्ट फोरम को भी जांच प्रक्रिया का हिस्सा बनने का न्योता दिया है। इसके साथ ही प्रोडक्शन हाउस ने अपना आधिकारिक बयान जारी कर निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा है कि घटना के वक्त मौजूद क्रू मेंबर्स से पूछताछ कर एक सटीक रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

लापरवाही की हर पहलू से होगी जांच

प्रोडक्शन हाउस ने साफ किया है कि इस मामले में लापरवाही की हर छोटी से छोटी संभावना की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा, शूटिंग से जुड़ी सभी परमिशन और जरूरी दस्तावेज जांच टीम को सौंप दिए जाएंगे। हम अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं।

को-स्टार का दावा- पैकअप के बाद हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार शूटिंग के दौरान एक्टर की मौत हुई, लेकिन को-स्टार दिंगता बागची ने ` कहा कि पैकअप के बाद वह अकेले समुद्र में गए थे, जहां उनका पैर फंस गया। लहरों में फंसने के बाद सेट पर अफरा-तफरी मच गई। टीम उन्हें निकालकर दीघा अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

'श्रेया घोषाल ' ने खोली म्यूजिक इंडस्ट्री की पोल

बॉलीवुड की सबसे मशहूर और पसंदीदा गायिकाओं में से एक श्रेया घोषाल ने अपने करियर में 'मनवा लागे', 'तेरी मेरी', 'बरसो रे', 'साथिया', 'मेरे ढोलना', 'चिकनी चमेली' जैसे कई हिट गीतों को अपनी आवाज से सजाया है। म्यूजिक इंडस्ट्री को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए उसने बताया कि 2013 से पहले सिंगर्स के साथ चीजें काफी अलग हुआ करती थीं।

श्रेया से एक पॉडकास्ट में जब पूछा गया कि साल 2013 को अपने लिए 'गिरावट' वाला साल उसने क्यों बताया था तो जवाब में उसने कहा, "हां, क्योंकि उस टाइम हमने रॉयल्टी पर स्टैंड लिया, तो इंडस्ट्री दो हिस्सों में बंट गई। हमारी इंडस्ट्री में कोई रूल बुक नहीं है इसीलिए उस वक्त बहुत बुरा टाइम था जो

आपको सोचने पर मजबूर करता था कि क्या इस इंडस्ट्री में बने रहना उचित है । सिंगर्स कभी एग्रीमैंट नहीं दिए जाते थे, पैसे नहीं दिए जाते थे। यहां तक कि उस गाने में सिंगर्स का कोई क्रैडिट नहीं होता था । उस गाने पर हमारा कोई हक नहीं होता था लेकिन अब यह बदलाव आ रहा है।

मैं उन कलाकारों का आदर करती हूं जिन्होंने बिना सपोर्ट के रास्ता खुद बनाया। भले ही वे अच्छा गाते हों या बुरा लेकिन मेरी नजरों में उनका आदर है क्योंकि बहुत परेशान किया गया है परफॉर्मर, सिंगर्स और कंपोजर्स को न पैसे देंगे, न क्रैडिट देंगे। बोला जाता था कि आपका गाना हो गया, आपको इससे कोई मतलब नहीं है, तो कोई सही तरीका नहीं था। 2013 वह साल था जब सिंगर्स को पता चला कि कौन किस मिट्टी का बना हुआ है और हमने स्टैंड लिया। इसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हुआ लेकिन उसकी वजह से कुछ अच्छे सिंगर्स और म्यूजिशियन का करियर गिरता गया ।

अजय देवगन के जन्मदिन पर सेलेब्स ने लुटाया प्यार अक्षय कुमार ने शेयर की मजेदार तस्वीर

दो अप्रैल को अजय देवगन का जन्मदिन हैं। इस खास मौके पर अक्षय कुमार, करीना कपूर, रोहित शेट्टी, रकुल प्रीत और राजपाल यादव के अलावा कई सेलेब्स उन्हें जन्मदिन की शुभकानाएं दे रहे हैं।

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार ने अजय देवगन को जन्मदिन की बधाई दी है। अक्षय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अजय के साथ एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में अक्षय मस्ती में अपने दोस्त अजय को किस करते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ अक्षय ने लिखा, 'दोस्ती इतनी पुरानी है, प्यार तो होगा ही।' इसके आगे अक्षय ने लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे।'

करीना कपूर

करीना कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अजय देवगन के साथ एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ करीना ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थडे सिंघम और ढेर सारा प्यार। करीना कपूर और अजय देवगन ने एक साथ 'सिंघम' फ्रेंचाइजी की कई फिल्में की हैं।

रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने एक साथ जमीन', 'गोलमाल सीरीज' (1, 2, 3, 4), 'ऑल द बेस्ट', 'बोल बच्चन', 'सिंघम', 'सिंघम रिटर्न्स' और 'सिंघम अगेन' जैसी कई फिल्मों में काम किया है। रोहित और अजय अच्छे दोस्त भी हैं। रोहित ने इंस्टाग्राम पर अजय के साथ एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के साथ रोहित ने कैप्शन में लिखा, '90 के दशक की भागदौड़ से लेकर आज तक। कम बातें, ज्यादा काम। जन्मदिन मुबारक हो बड़े भाई।'

रकुल प्रीत

रकुल प्रीत ने भी अजय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। रकुल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अजय के साथ अपनी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' के प्रमोशन के दौरान की एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ रकुल ने कैप्शन में लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो, सर।' रकुल ने आगे लिखा, 'आपकी विनम्रता और एकाग्रता हर अनुभव को खास बना देती है।'

राजपाल यादव

राजपाल यादव ने भी बाकी सेलेब्स की तरह अजय देवगन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। राजपाल ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अजय की एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ राजपाल ने कैप्शन में लिखा, 'भाई आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं। आप यूं ही कई साल तक धमाल करते रहिए।'

रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कॉकटेल' का पहला गाना 'जब तलक 8 अप्रैल को होगा रिलीज

रश्मिका मंदाना ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर फिल्म 'कॉकटेल 2' से जुड़ा एक नया पोस्टर साझा किया है। इसमें उनके साथ कृति सेनन और शाहिद कपूर वेकेशन मूड में नजर आ रहे हैं। फिल्म का एक गाना 'जब तलक' जल्द ही रिलीज होगा, इस बारे में भी रश्मिका ने जानकारी साझा की है। रश्मिका मंदाना ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'गाना 'जब तलक 8 अप्रैल को रिलीज होगा।' इस गाने में कृति सेनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना का अलग अंदाज दर्शकों को देखने को मिलेगा। पोस्टर में जो लुक तीनों एक्टर्स का दिख रहा है, वही गाने में भी नजर आ सकता है। फिल्म 'कॉकटेल 2' की रिलीज डेट भी

मेकर्स ने कुछ वक्त पहले शेयर की थी। यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है।

'कॉकटेल 2' साल 2012 में आई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। इसमें दीपिका पादुकोण, डायना पेंटी और सैफ अली खान लीड रोल में थे। वहीं 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जैसे एक्टर लीड रोल में हैं। पिछली फिल्म 'कॉकटेल' को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छी कमाई की थी।

फिल्म 'रामायण' से सामने आया रणबीर कपूर का लुक

भगवान राम के रूप में गरिमा भरे अंदाज में दिखे

फिल्म 'रामायण' से रणबीर कपूर का भगवान राम के रूप में लुक सामने आ गया है। इसकी झलक आज यानी हनुमान जयंती पर जारी की गई।भगवान राम के रूप में रणबीर का लुक सादगी, गरिमा और आध्यात्मिकता से भरा हुआ है। शाही वेशभूषा और बारीक आभूषणों के साथ उनका शांत और संतुलित रूप काफी अच्छा नजर आ रहा है। श्रीराम की पहली झलक प्रजा के बीच दिखाई गई। वीडियो में शानदार वीएफएक्स देखने को मिले हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक भी शानदार है।

भगवान राम का रोल निभाने के बारे में बात करते हुए रणबीर ने कहा था, ₹मुझे नहीं लगता कि मैं यहां राम का रोल करने आया हूं। मैं यहां उनसे सीखने आया हूं। उनमें एक सादगी और पवित्रता है जो बहुत कम देखने को मिलती है और उसे समझने और अपनाने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत ही विनम्र करने वाला अनुभव रहा है।₹

फिल्म 'रामायण' से जुड़ी अहम बातें-

फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में नजर आएंगे।

1987 के टीवी शो 'रामायण' में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल इस फिल्म में राजा दशरथ की भूमिका में दिखेंगे।

फिल्म का कुल बजट लगभग 4,000 करोड़ रुपए बताया जा रहा है, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल करता है।

फिल्म को नितेश तिवारी डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म दंगल बनाई थी।

फिल्म का म्यूजिक ऑस्कर विनर ए.आर. रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हैंस जिमर तैयार कर रहे हैं।

फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज, DNEG और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स बना रहे हैं। फिल्म IMAX पर रिलीज होगी।

फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स (VFX) का काम ऑस्कर विनर स्टूडियो DNEG और प्राइम फोकस संभाल रहे हैं।

फिल्म को दो भाग में रिलीज किया जाएगा। पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगा।

ग्रीन गाउन में सौम्या टंडन ने दिखाई कातिलाना अदाएं

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस सौम्या टंडन एक बार फिर अपने स्टाइलिश अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में वह फिल्म 'धुरंधर 2' में रहमान डकैत की पत्नी 'उल्फत' के किरदार में नजर आई थीं, जिसमें उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने काफी सराहा। अब सोशल मीडिया पर उनकी लेटेस्ट तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट लुक देखने लायक है। इन वायरल तस्वीरों में सौम्या टंडन ने डार्क ग्रीन रंग का बेहद खूबसूरत गाउन में नजर आ रही हैं। गाउन का डिजाइन काफी यूनिक और मॉडर्न है, जो उनके पूरे लुक को खास बना रहा है।

राजपाल यादव कोर्ट में हुए भावुक

जज ने फटकारा- आप समय बर्बाद कर रहे! चेक बाउंस केस में फैसला सुरक्षित

दिल्ली हाई कोर्ट ने बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव के खिलाफ चेक बाउंस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने मामले को सुलझाने के लिए राजपाल यादव को आखिरी मौका दिया था। इस मामले की सुनवाई जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा कर रही थीं। उन्होंने राजपाल के वकील, एडवोकेट भास्कर उपाध्याय की दलीलें सुनीं। दो हफ्ते पहले ही दिल्ली हाई कोर्ट ने राजपाल यादव को इस मामले में राहत देते हुए कहा था कि एक्टर को फिलहाल जेल नहीं जाना होगा क्योंकि उन्होंने बकाया राशि का बड़ा हिस्सा जमा करवा दिया है।

मामले की सुनवाई की तारीख 1 अप्रैल तय की गई थी। अब जब सुनवाई हुई, तो राजपाल यादव भावुक हो गए और उनकी बातें सुनकर जज ने फटकार लगा दी। सुनवाई के दौरान काफी कोशिशों के बावजूद दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता नहीं हो पाया और कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। वहीं, राजपाल यादव ने कहा कि अब कोर्ट जो भी फैसला सुनाएगा, जो भी निर्देश देगा, वह उसका पालन करेंगे।

कोशिशों के बावजूद दोनों पक्षों के बीच नहीं हुआ समझौता, कोर्ट की फटकार

गुरुवार, 2 अप्रैल को मामले की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौते की कोशिश की गई। दोनों पक्षों को बातचीत के लिए 5 मिनट का ब्रेक भी दिया गया, पर कोई निष्कर्ष नहीं निकला। इसके बाद कोर्ट ने जो आदेश दिया था, वह वापस ले लिया और फैसला सुरक्षित रख लिया। साथ ही जस्टिस स्वर्णकांता ने राजपाल यादव को सुनवाई के दौरान कोर्ट का समय बर्बाद करने के लिए फटकार लगाई और कहा कि अगर जज उनके साथ नरमी से पेश आते हैं, तो उन्हें कमजोर न समझा जाए। अब इस मामले में राजपाल यादव को राहत मिलेगी या फिर मुश्किलें बढ़ेंगी, यह आने वाले दिनों में कोर्ट के अंतिम फैसले के बाद पता चलेगा। राजपाल यादव इस सुनवाई ऑनलाइन जुड़े थे।

कोर्ट ने राजपाल यादव पर दागे सवाल

जस्टिस स्वर्णकांता ने फिर राजपाल यादव से कहा कि वह बकाया रकम को अगर एक साथ चुका देंगे, तो आज ही केस का निपटारा कर दिया जाएगा, वरना वह फैसला सुरक्षित रख लेंगी। कोर्ट ने राजपाल यादव से फिर सवाल किया कि अगर वह पैसे देने के लिए तैयार हैं, तो फिर बाहर उनके वकील ऐसा क्यों कह रहे हैं कि चूंकि, हम जेल जा चुके हैं तो पैसे नहीं देंगे? कोर्ट ने सवाल किया, 'अगर आप पैसे देने को तैयार हैं, तो मैं इस मामले की सुनवाई क्यों कर रही हूं? पेमेंट कर दीजिए।'

राजपाल यादव ने मांगा 30 दिन का समय तो कोर्ट ने फटकारा

जस्टिस स्वर्णकांता ने जब राजपाल यादव से पूछा कि क्या वह बकाया रकम एक साथ देने को तैयार हैं, तो एक्टर ने 30 दिन का समय मांगा, पर कोर्ट ने इनकार कर दिया और सख्त लहजे में कहा, 'नहीं, मतलब बिल्कुल नहीं। मैं अपना फसला सुरक्षित रख लूंगी। मैं अब और समय नहीं दूंगी। पहले यह तय कीजिए कि आप कितने पैसों पर समझौता करना चाहते हैं।'

ब्राउन बॉडी-हगिंग गाउन में कियारा का ग्लैम लुक पोस्ट-प्रेग्नेंसी ट्रांसफॉर्मेशन से किया सबको इम्प्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने के बाद अपने करियर और पर्सनल लाइफ दोनों को खूबसूरती से बैलेंस करती नजर आ रही हैं। 15 जुलाई 2025 को उन्होंने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपने पहली बच्चे यानी बेटी सरायाह का स्वागत किया था। मां बनने के बाद अब कियारा धीरे-धीरे अपने काम पर वापसी कर रही हैं और एक्ट्रेस ने मुंबई में आयोजित एक अवॉर्ड फंक्शन में शिरकत की। इस लुक की तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। मुंबई में आयोजित अवॉर्ड फंक्शन में कियारा आडवाणी बेहद ग्लैमरस अंदाज में नजर आईं। उन्होंने ब्राउन कलर का बॉडी-हगिंग गाउन पहना, जो उनके फिगर को बेहद खूबसूरती से उभार रहा है।

अजय देवगन की 16 फिल्मों ने 100 करोड़+ कमाए

साल था 1991 का और फिल्म 'फूल और कांटे' थी, जब एक लड़का बड़े पर्दे पर आया। दो चलती बाइकों पर खड़े होकर की गई उसकी एंट्री इतनी आइकॉनिक थी कि यह फिल्म देखने वाले लोग आज भी इसे भूल नहीं पाए हैं। शुरुआत में उसे एक्शन हीरो माना गया लेकिन उसने खुद को सीमित नहीं रखा। 'जख्म' और 'कंपनी' जैसी फिल्मों में उसने शानदार एक्टिंग की, जिसे लोगों के साथ क्रिटिक्स ने भी पसंद किया।

फिर 'गोलमाल' और 'ऑल द बेस्ट' जैसी फिल्मों में लोगों को हंसाया और 'सिंघम' बनकर मास हीरो भी बना। उसने 35 साल के करियर में 16 से ज्यादा 100 करोड़ की कमाई वाली फिल्में दीं और कई नेशनल अवॉर्ड भी जीते।

वही अजय देवगन जिंदगी के दिलचस्प किस्से- फिल्मों में आने के लिए बदला नाम

अजय देवगन का असली नाम विशाल देवगन है, लेकिन फिल्मों में आने से पहले उन्होंने नाम बदल लिया। इसके पीछे की वजह यह थी कि जब अजय फिल्मों में डेब्यू करने वाले थे, उस समय कई नए एक्टर्स विशाल नाम से लॉन्च हो रहे थे। उनमें से एक मनोज कुमार के बेटे (विशाल गोस्वामी) भी थे। इससे इंडस्ट्री में कन्फ्यूजन पैदा हो रहा था। इसी वजह से उनका नाम विशाल से अजय कर दिया गया।

अजय का फिल्मी करियर भी दिलचस्प तरीके से शुरू हुआ। उनके पिता चाहते थे कि वे एक्टर बनें, लेकिन अजय की रुचि फिल्ममेकिंग में ज्यादा थी। जब उन्हें फिल्म फूल और कांटे ऑफर हुई, तो उन्होंने पहले मना कर दिया था, लेकिन पिता और फिल्म के डायरेक्टर कुकू कोहली के कहने पर उन्होंने फिल्म की।

पहली फिल्म बड़ी फिल्म के सामने रिलीज

अजय की पहली फिल्म फूल और कांटे की रिलीज से जुड़ा दिलचस्प किस्सा है। यह फिल्म यश चोपड़ा की लम्हे के साथ रिलीज हुई थी, जिसमें श्रीदेवी और अनिल कपूर जैसे बड़े सितारे थे। उस समय लम्हे को बहुत बड़ी फिल्म माना जा रहा था।

नहाते वक्त फिल्म जख्म के लिए हामी भरी, मिला नेशनल अवॉर्ड

अजय देवगन ने द लल्लनटॉप को दिए इंटरव्यू में फिल्म जख्म को लेकर बताया था कि यह फिल्म उन्हें अनोखे तरीके से मिली, जब डायरेक्टर महेश भट्ट ने अचानक फोन कर उन्हें कहानी सुनानी शुरू कर दी।

जावेद जाफरी के खाने में भांग मिला दी थी

अजय देवगन अपने मजाकिया अंदाज और सेट पर प्रैंक करने के लिए जाने जाते हैं। एक्टर जावेद जाफरी ने मिर्ची प्लस को दिए इंटरव्यू में अजय के प्रैंक से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया था। यह किस्सा फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की शूटिंग का है। जावेद जाफरी ने बताया था कि महाशिवरात्रि के मौके पर अजय ने मजाक में सेट पर मौजूद खाने में भांग मिला दी थी।

काजोल ने अजय को पहली बार देखकर खड़ूस कहा था

बॉलीवुड में कई लव स्टोरीज आईं और गईं, लेकिन अजय और काजोल की कहानी आज भी एक खास जगह रखती है। यह कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं लगती, जहां शुरुआत में दोनों एक-दूसरे को पसंद नहीं करते थे, फिर दोस्ती, डेटिंग और शादी तक बात पहुंची। उनकी शादी को 25 साल से ज्यादा हो चुके हैं और बंधन अब भी मजबूत है। साल 1995 में फिल्म 'हलचल' के सेट पर दोनों की पहली मुलाकात हुई। सेट पर जब काजोल ने पहली बार अजय को देखा, तो उन्हें वह काफी अलग लगे। एक कोने में शांत बैठे, कम बोलने वाले अजय को देखकर काजोल ने सोचा था कि वह बहुत खड़ूस इंसान हैं। लेकिन धीरे-धीरे बातचीत शुरू हुई। 'हाय-हैलो' से शुरू हुई ये जान-पहचान जल्द ही दोस्ती में बदल गई। करीब चार साल तक दोनों ने रिश्ता प्राइवेट रखा। फिर 24 फरवरी 1999 को शादी की। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी लोग शामिल हुए।

'मैं भगवान को नहीं मानता, मां मानती थीं'

प्रकाश राज ने मां सुवर्णलता राज के अंतिम संस्कार पर उठे सवालों का दिया जवाब

एक्टर प्रकाश राज ने उनकी मां सुवर्णलता राज के निधन के बाद अंतिम संस्कार करने को लेकर उठे सवालों का जवाब दिया। सोशल मीडिया पर आलोचना के बीच उन्होंने कहा कि वह भले नास्तिक हों, लेकिन उनकी मां के विश्वास का सम्मान करना जरूरी था।

प्रकाश राज की मां का 86 साल की उम्र में स्वास्थ्य समस्याओं के चलते निधन हो गया। 31 मार्च को बेंगलुरु के सेंट माइकल चर्च में फ्यूनरल मास के बाद उन्हें सेक्रेड हार्ट कब्रिस्तान में दफनाया गया। इस दौरान परिवार और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े करीबी लोग मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर इस बीच उनका एक पुराना इंटरव्यू क्लिप वायरल हो गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भगवान में विश्वास नहीं करते। इसी को लेकर यूजर्स ने सवाल उठाए कि खुद को नास्तिक बताने वाले एक्टर ने धार्मिक रीति-रिवाजों से अंतिम संस्कार क्यों किया।

इस पर प्रकाश राज ने X पर लिखा, "हां, मैं भगवान में विश्वास नहीं करता लेकिन मेरी मां अपने भगवान में विश्वास करती थीं। मैं कौन होता हूं उन्हें उनके विश्वास के अनुसार दफनाए जाने के अधिकार से रोकने वाला? यही वह बुनियादी सम्मान है जो हम एक-दूसरे को देते हैं। क्या नफरत फैलाने वाले लोग इसे समझ पाएंगे?"

वायरल हो रहा वीडियो 'लल्लनटॉप' को दिए गए उनके इंटरव्यू का है, जिसमें उन्होंने अपने बिलीफ सिस्टम पर बात करते हुए कहा था कि वह भगवान में विश्वास नहीं करते और इंसानों के बीच ही जीना समझते हैं।

भोजपुरी सिंगर पवन सिंह को हरियाणा महिला आयोग से राहत : एक्ट्रेस अंजलि की कमर छूने के केस से नाम हटाया

अंजलि राघव

हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव की कमर छूने के मामले में भोजपुरी एक्टर-सिंगर पवन सिंह को बड़ी राहत मिली है। हरियाणा महिला आयोग ने इस पूरे केस से पवन सिंह का नाम हटा दिया है। चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा- पवन सिंह ने माफी मांग ली थी, जिसके बाद केस से उनका नाम हटा दिया गया।

मैंने पवन सिंह के खिलाफ शिकायत नहीं दी थी। गंदी वीडियो बनाने वाले 2-3 लोगों के खिलाफ शिकायत दी थी।

दरअसल, अंजलि ने आयोग को ई-मेल के जरिए पवन सिंह की पीआर टीम की शिकायत की थी, जिसमें कुछ सबूत भी भेजे गए थे। इसके बाद आज फरीदाबाद में (2 अप्रैल) राज्य महिला आयोग ने मामले में पवन सिंह और अंजलि राघव को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया था। हालांकि पवन सिंह यहां नहीं पहुंचे।

अंजलि ने कहा था- लखनऊ में शो के दौरान पवन सिंह ने गलत तरीके से उनकी कमर छुई थी। यह अनुचित व्यवहार था।

सुनवाई के दौरान अंजलि राघव ने आयोग के सामने कहा कि उन्होंने पहले जो आरोप लगाए थे, अब वे उन्हें आगे नहीं बढ़ाना चाहतीं। पवन सिंह ने सोशल मीडिया पर स्टोरी डालकर उनसे माफी मांग ली थी। अब मैंने पवन सिंह को माफ कर दिया है और अब उन्हें इस मामले में कोई शिकायत नहीं है।

मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी

अंजलि राघव ने आयोग को यह भी बताया कि लखनऊ में स्टेज पर हुई घटना के बाद कुछ लोगों ने उस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल की।

तीन लोगों ने गंदी वीडियो बनाई

संतोष सिंह यादव, आकाश और एक अन्य व्यक्ति मेरे खिलाफ गंदी-गंदी वीडियो बनाते हैं। पवन सिंह को मैंने माफ कर दिया है। हालांकि उनकी पीआर टीम के मेंबर ने सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ फेक कंटेंट डाला। उन्होंने मेरी छवि भी खराब की।

'कोर्ट की अंतरात्मा झकझोर दी, इतना अश्लील गाना', हनी सिंह-बादशाह को हाईकोर्ट की फटकार, विवादित गाने को हटाने का आदेश

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक और कड़ा रुख अपनाते हुए मशहूर रैपर हनी सिंह और बादशाह के पुराने विवादित गाने 'माफिया मुंडीर' (वॉल्यूम 1) को लेकर बड़ा आदेश दिया है. अदालत ने साफ कहा है कि इस गाने को यूट्यूब और स्पॉटिफाई जैसे तमाम डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से तुरंत हटा दिया जाए. 2000 के दशक का यह गाना लंबे समय से अपने लीरिक्स और कॉन्टेंट को लेकर विवादों में रहा है, लेकिन अब कोर्ट ने इस पर कानूनी हथौड़ा चला दिया है.

हाईकोर्ट के जज ने मामले की सुनवाई के दौरान इस गाने की कॉन्टेंट पर गहरी नाराजगी और चिंता जताई. जज ने हनी सिंह और बादशाह को फटकार लगाते हुए कहा कि इस गाने के बोल बेहद अश्लील, अभद्र और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले हैं. जज ने कड़े शब्दों में कहा कि इस गाने ने अदालत की अंतरात्मा को झकझोर दिया है. कोर्ट का कहना है कि कोई भी सभ्य समाज ऐसे कंटेंट को इंटरनेट पर मौजूद रहने की अनुमति नहीं दे सकता जो महिलाओं के प्रति इतना अपमानजनक और भद्दा हो.

नए कलाकारों के लिए सीख

यह फैसला डिजिटल स्पेस में मौजूद कॉन्टेंट की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है. सालों पहले रिलीज हुए इस गाने पर कोर्ट का यह कमेंट उन कलाकारों के लिए भी एक मैसेज है जो अपने काम में अभद्रता परोसते हैं. अब देखना यह है कि सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स इस आदेश का कितनी जल्दी पालन करते हैं और क्या आने वाले समय में ऐसे अन्य गानों पर भी इसी तरह की कार्रवाई होगी. अपने आदेश में कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि गायक हनी सिंह और बादशाह दोनों ने इस गाने को गाने से इनकार किया है, लेकिन एक कॉन्सर्ट के दौरान इस गाने के बोल प्रस्तुत किए गए थे. मामले को लेकर अदालत ने गंभीर चिंता जताई है और इस तरह के कंटेंट पर सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 'माफिया मुंडीर' हनी सिंह, रफ्तार और बादशाह जैसे कलाकारों का एक ग्रुप था, जो रैप की दुनिया में बेहद पॉपुलर हुआ, लेकिन आपसी मतभेदों की वजह से टूट गया. हनी सिंह ने अब जनवरी 2026 में 'माफिया मुंडीर 2.0' (इंटरनेशनल सीजन 1) के साथ कमबैक का ऐलान किया था.

'ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा', 'मंगल-देश की बेटी' के लिए दीपिका सिंह को फैंस ने दी बधाई

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कई शो होते हैं जो दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही शो में से एक है 'मंगल लक्ष्मी', जो अब अपने नए अध्याय 'मंगल-देश की बेटी' के साथ दर्शकों के सामने आ रहा है। इस नई कहानी में मुख्य किरदार मंगल नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करती हैं।

अभिनेत्री दीपिका सिंह ने इस नई यात्रा को लेकर इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी, उत्साह और टीम के प्रति आभार जताया। दीपिका ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस नए चैप्टर को लेकर पूरी तरह से अभिभूत और उत्साहित हैं। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इस कहानी में मंगल को देश की सेवा का अवसर मिलता है और वह खुद को विशेष महसूस करती हैं।

दीपिका ने अपने कैप्शन में लिखा, "'मंगल-देश की बेटी' के इस नए सफर को निभाने के लिए मैं बेहद खुश, रोमांचित और उत्साहित हूं।"

उन्होंने अपने पोस्ट में टीम का भी धन्यवाद किया। दीपिका ने कहा कि पिछले 700 एपिसोड्स के दौरान पूरी टीम ने लगातार मेहनत और समर्पण दिखाया। उन्होंने बताया कि दर्शकों का समर्थन ही उनकी इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने अपने फैंस से हर एपिसोड देखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे इस शो का आनंद लेते रहेंगे।

दीपिका के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किया। एक ने लिखा, 'दीपिका जी, आपका नया किरदार देखकर बहुत खुश हूं! मंगल का यह रूप बहुत प्रेरणादायक लग रहा है।'

दूसरे फैंस ने लिखा, 'आपकी मेहनत और एनर्जी सच में कमाल की हैं!'

अन्य ने लिखा, 'शो देखने के लिए अब और भी उत्साहित हो गए हैं, ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा।', 'आपकी एक्टिंग हमेशा दिल को छूती है।'

'मंगल लक्ष्मी' कन्नड़ टीवी सीरीज 'भाग्यलक्ष्मी' का आधिकारिक रूपांतरण है। इस शो में दीपिका के अलावा सनिका अमित, नमन शॉ और शुभम दीप्ता मुख्य कलाकार हैं। इस कहानी में मंगल अपनी बहन लक्ष्मी के लिए सही जीवनसाथी खोजती हैं।

जग्गी हत्याकांड में अजित जोगी के बेटे अमित जोगी दोषी

3 हफ्ते के अंदर करना होगा सरेंडर, हाईकोर्ट ने माना हत्या राजनीतिक साजिश से हुई

बिलासपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। सीबीआई के साक्ष्य को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया गया है।

वहीं फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि हाईकोर्ट ने बिना पूरा सुनवाई का मौका दिए उन्हें दोषी ठहरा दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है।

सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश के तहत कराई गई थी। सीबीआई ने 11 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य शामिल हैं।

इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए अमित जोगी को सरेंडर करने का आदेश दिया। बता दें कि ट्रायल कोर्ट ने पहले उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी किया था, लेकिन बाद में मामला दोबारा खोला गया।

4 जून 2003 को राजधानी रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 31 अभियुक्त बनाए गए थे, जिनमें से बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे। अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को सजा मिली थी।

हालांकि 31 मई 2007 को रायपुर की विशेष अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए अमित जोगी को बरी कर दिया था। रामअवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने अमित जोगी को बरी करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। जिस पर अमित के पक्ष में स्टे लगा था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने केस को हाईकोर्ट भेज दिया। डिवीजन बेंच ने 2 साल पहले रामावतार जग्गी हत्याकांड के दोषियों की अपील को खारिज कर दिया था, जिसमें डिवीजन बेंच ने आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा था। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए मामला फिर से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट भेजने का निर्देश दिया था, जिससे मामले पर विस्तार से सुनवाई हो सके।

हत्याकांड के बाद पुलिस की शुरूआती जांच में पक्षपात और असंतोष के आरोप लगने पर राज्य सरकार ने जांच सीबीआई को सौंपी थी, तब सीबीआई ने अपनी जांच में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी समेत कई लोगों पर हत्या और साजिश के आरोप लगाए थे।

हाईकोर्ट में अपील पर रामावतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी के अमित जोगी की दोषमुक्ति के खिलाफ पेश क्रिमिनल अपील पर उनके अधिवक्ता बीपी शर्मा ने तर्क दिया था। उन्होंने बताया था कि हत्याकांड की साजिश तत्कालीन राज्य सरकार की ओर से प्रायोजित थी। जब सीबीआई की जांच शुरू हुई, तब सरकार के प्रभाव में सारे सबूतों को मिटा दिया गया था। ऐसे केस में सबूत अहम नहीं हैं, बल्कि षड्यंत्र का पर्दाफाश जरूरी है। लिहाजा इस केस के आरोपियों को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त नहीं किया जा सकता। कारोबारी बैकग्राउंड वाले रामावतार जग्गी देश के बड़े नेताओं में शुमार पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल के बेहद करीबी थे, जब शुक्ल कांग्रेस छोड़कर एनसीपी में शामिल हुए तो जग्गी भी उनके साथ-साथ गए। विद्याचरण ने जग्गी को छत्तीसगढ़ में एनसीपी का कोषाध्यक्ष बना दिया था।

5 लाख के इनामी उग्रवादी ने किया सरेंडर

20 साल से था सक्रिय मुखिया से जमीन विवाद के कारण उठाया था हथियार

लातेहार, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। लातेहार में जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के 5 लाख रुपए के इनामी सब-जोनल कमांडर सुरेंद्र लोहरा उर्फ टाइगर उर्फ विनोद लोहरा ने आत्मसमर्पण कर दिया है। उसने पलामू आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा, एसपी कुमार गौरव और सीआरपीएफ 11वीं बटालियन के कमांडेंट याद राम बुनकर के समक्ष यह कदम उठाया। आत्मसमर्पण के बाद अधिकारियों ने सुरेंद्र लोहरा को गुलदस्ता और माला पहनाकर स्वागत किया। उन्हें सरकार की आत्मसमर्पण नीति के तहत 5 लाख रुपए का प्रतीकात्मक चेक भी सौंपा गया।

सुरेंद्र लोहरा लगभग 20 वर्षों से विभिन्न नक्सली संगठनों में सक्रिय था। उसने बताया कि वर्ष 2005 में गांव के मुखिया मुर्तजा अंसारी के साथ जमीन विवाद के कारण वह नक्सली संगठन में शामिल हुआ था। इसके बाद उसने विवादित जमीन पर कब्जा कर लिया और सुरेंद्र फिर संगठन से जुड़ कर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने लगा। वह वर्ष 2005 में भाकपा माओवादी संगठन से जुड़ा था।

37 साल, 373 शहीद और 388 गांव वालों का खून

सुकमा में माओवाद के अंत की इनसाइड स्टोरी

रायपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर यानी सुकमा में माओवाद का जो बीज 13 फरवरी 1989 की रात रामाराम गांव में बोया गया था, वह 37 साल बाद अब पूरी तरह सूख चुका है।

आंध्रप्रदेश के रास्ते आए माओवादियों ने जब पूर्व विधायक हांदाराम और तत्कालीन सरपंच आपताराम के घर दबिश देकर 12 बोर और 315 बोर की लाइसेंसी बंदूकें लूटी थीं, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह इलाका आने वाले दशकों तक बारूद की गंध से महकता रहेगा। लेकिन आज, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की डेडलाइन के भीतर सुरक्षा बलों ने माओवाद की कमर तोड़ दी है।

37 साल का खूनी इतिहास

इन 37 सालों में बस्तर की धरती अपनों के ही खून से लाल हुई। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, इस लंबी लड़ाई में 373 जवानों ने अपनी कुर्बानी दी और 547 जवान घायल हुए।

माओवादियों की क्रूरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने 388 मासूम ग्रामीणों को भी मौत के घाट उतार दिया।

माओवाद के इस काले इतिहास में कुछ ऐसी तारीखें हैं जिन्हें देश कभी नहीं भूल सकता। 6 अप्रैल 2010 को ताड़मेटला में घात लगाकर किए गए हमले में 76 जवान शहीद हुए थे। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया था। इसी तरह बुरकापाल में साल 2017 में सड़क निर्माण की सुरक्षा में लगे 26 जवानों की शहादत हुई थी। 2006 में दरबागुड़ा में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट में 25 ग्रामीणों की मौत हो गई थी। इस विस्फोट से 25 फुट गहरा गड्ढा हो गया था।

अंतिम मुठभेड़ और शांति की दस्तक

माओवादियों और जवानों के बीच अंतिम बड़ी मुठभेड़ 30 मार्च 2026 को हुई, जिसमें एक माओवादी मारा गया। इसके तुरंत बाद अंतिम दो सक्रिय महिला माओवादियों (जिन पर 8-8 लाख का इनाम था) ने आत्मसमर्पण कर दिया। अब सुकमा के उन गांवों में भी मोबाइल की घंटियां बज रही हैं, जहां कभी गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई देती थी।

हनुमान-जन्मोत्सव: भिलाई में मुस्लिम युवाओं ने लगाए जय श्रीराम के नारे

भगवा गमछा पहनकर शरबत-खिचड़ी बांटी रायपुर समेत कई जिलों में मंदिरों के बाहर भंडारा

रायपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। हनुमान जयंती पर पूरे छत्तीसगढ़ में हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। रायपुर, दुर्ग, अंबिकापुर, बिलासपुर समेत कई जिलों में श्री संकट मोचन वीर हनुमान मंदिरों में पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम किए जा रहे। साथ ही मंदिरों के बाहर दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी हुई है।

शहर में जगह-जगह भंडारा चल रहा है। कई जगह सुबह से प्रसाद बांटे जा रहे। मुस्लिम युवाओं ने हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर भिलाई के घड़ी चौक पर शरबत और खिचड़ी बांटी। इस दौरान जय श्री राम के नारे भी लगाए। भगवा गमछा भी अपने गले पर टंगा और हिंदू मुस्लिम एकता का संदेश दिया।

भिलाई के सेक्टर-9 हनुमान मंदिर में दोपहर के समय एक किलोमीटर से ज्यादा लंबी भक्तों की लाइन लग गई। लोग सुबह से ही दर्शन के लिए दूर-दराज से पहुंच रहे हैं।

रायपुर के दूधाधारी मंदिर स्थित हनुमान जी को 108 कमल फूल और जय श्री राम लिखे पत्तों की माला पहनाई गई है। वहीं, बिलासपुर में अंग्रेजों के जमाने की श्रीबजरंग पंचायत मंदिर है। जहां हनुमानजी को साक्षी मानकर पंचायत लगती थी। धर्म-जाति से ऊपर उठकर सभी समाज के लोग फैसले मानते हैं।

शराब घोटाला: भूपेश के बेटे चैतन्य और लखमा की पेशी

59 नए आरोपी भी हुए पेश, इसमें 28 आबकारी अधिकारी शामिल, दर्ज किए गए बयान

रायपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में आज ईडी की स्पेशल कोर्ट में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल पेश हुए। इनके साथ 59 नए आरोपियों की भी पेशी थी। इसमें 28 आबकारी अधिकारी भी शामिल हैं। कोर्ट में सभी के बयान दर्ज किए गए।

इस मामले में अब कुल 82 आरोपी बनाए गए हैं। एडवोकेट फैजल रिजवी ने बताया कि कोर्ट के सामने पहले से ही अभियोग पत्र पेश है। ईडी ने फाइनल अभियोग पत्र दाखिल किया है, जिसमें पहले 23 आरोपी थे, अब बढ़ाकर 82 कर दिए गए हैं।

जांच के दौरान इन आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया था और बिना गिरफ्तारी के ही चार्जशीट पेश की गई है। अधिकतर आरोपियों ने धारा 88 के तहत आवेदन भी लगाया है।

3 दिन पहले ईओडब्ल्यू ने कार्रवाई करते हुए दो शराब

निर्माता कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। उनके ट्रक जब्त किए थे। इसके अलावा, शराब घोटाला केस में कांग्रेस प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में कार्यरत अकाउंटेंट समेत 4 लोगों को पूछताछ के लिए ईओडब्ल्यू दफ्तर तलब किया गया था। उनसे कई घंटे तक पूछताछ की गई थी।

शराब घोटाला मामले में जांच कर रही ईओडब्ल्यू-ईडी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की तलाश कर रही है। वे पिछले कई सालों से फरार बताए जा रहे हैं। दोनों ही एजेंसी उनकी भूमिका को लेकर भी गंभीरता से जांच कर रही है और उनसे जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज एफआईआर में 3200 करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। इस घोटाले में राजनेता, आबकारी विभाग के अधिकारी, कारोबारी सहित कई लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज है।

ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

2019 में डिस्टलरी संचालकों से प्रति पेटी 75 रुपए और बाद के सालों में 100 रुपए कमीशन लिया जाता था। कमीशन को देने में डिस्टलरी संचालकों को नुकसान ना हो, इसलिए नए टेंडर में शराब की कीमतों को बढ़ाया गया। साथ ही फर्म में सामान खरीदी करने के लिए ओवर बिलिंग करने की राहत दी गई।

हनुमान-जयंती पर चुपके से मूर्ति स्थापना पर बवाल

भिलाई, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में हनुमान जंयती पर बुधवार की रात निगम के गार्डन में किसी ने चुपके से हनुमान जी की मूर्ति स्थापित कर दी। जब इसकी जानकारी नगर निगम को हुई, तो अधिकारियों ने सब्बल से मूर्ति को उखड़वा दिया। जिससे विवाद और तनाव की स्थिति बन गई।

हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सुपेला थाने पहुंचकर निगम के अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर थाने के सामने करीब 3 घंटे तक धरने पर बैठे रहे। थाने के सामने ही जमकर हंगामा किया। भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी और हिन्दू संगठन के बीच जमकर बहस भी हो गई।

बताया जा रहा है कि, भिलाई नगर निगम के नेहरू नगर के गार्डन में बने योग एरिया में बुधवार की रात हनुमान जी की मूर्ति स्थापित कर दी गई थी। सूचना मिलने के बाद नगर निगम की टीम रात में मौके पर पहुंची, कथित तौर पर अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू की।

संगठन का आरोप है कि, इस दौरान मूर्ति को नुकसान पहुंचाया गया, जबकि निगम का कहना है कि, मूर्ति अचानक रात में रखी गई थी। गार्डन की बाउंड्री भी तोड़ी गई थी। इसलिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

हिंदूवादी संगठनों ने बताया कि, हनुमान जयंती के चलते उन्होंने मूर्ति हटाने के लिए 24 घंटे का समय मांगा था, जिसकी जानकारी लिखित में निगम को दी गई थी। इसके बावजूद कार्रवाई किए जाने से संगठन के लोग नाराज हो गए।

घटना के विरोध में बजरंग दल के पदाधिकारी सुपेला थाना पहुंचे और नगर निगम के अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। धरने के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

27 लाख की अवैध कमाई कर रही गोड्डा पुलिस

गेरूवा नदी से हर दिन निकाला जा रहा 150 डंपर अवैध बालू, विधायक प्रदीप यादव का आरोप

रांची, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। गोड्डा के पथरगामा अंचल की गेरूवा नदी में जारी अवैध बालू खनन को लेकर सियासत गरमा गई है। पोड़ैयाहाट विधायक प्रदीप यादव ने गोड्डा डीसी को पत्र लिखकर जिले के प्रशासनिक और पुलिस तंत्र पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि पिछले छह महीनों से गेरूवा नदी के विभिन्न घाटों से बड़े पैमाने पर अवैध बालू उठाव हो रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने दावा किया कि इस पूरे खेल में स्थानीय प्रशासन की भूमिका संदिग्ध है, जिससे कानून व्यवस्था और खनन नियंत्रण व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विधायक ने पत्र में आरोप लगाया है कि अवैध खनन रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाले ही इसमें संलिप्त हैं। स्थानीय पुलिस और प्रशासन द्वारा प्रति डंपर या हाइवा 18,500 की वसूली की जा रही है। इसके बदले बालू माफियाओं को निर्बाध खनन की छूट दी जा रही है।

विधायक के अनुसार, प्रतिदिन करीब 150 डंपर बालू की ढुलाई कर रहे हैं, जिससे रोजाना लगभग 27,75,000 की अवैध वसूली हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों में यह राशि करोड़ों से बढ़कर अरबों तक पहुंचने की आशंका है। यही कारण है कि जिला खनन टास्क फोर्स और अनुमंडल स्तर की टीमें कार्रवाई करने से बच रही हैं।

विधायक ने चेताया कि अनियंत्रित खनन से गेरूवा नदी और आसपास का पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सनातन घाट से सिमरिया चकवा घाट तक स्थिति गंभीर बनी हुई है। नदी से अत्यधिक बालू निकासी के कारण आसपास के गांवों का जलस्तर तेजी से गिरा है।

खेतों की नमी खत्म हो रही है। सिंचाई के प्राकृतिक स्रोत सूखते जा रहे हैं। इससे किसानों की आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है। विधायक ने प्रशासन से तत्काल अवैध खनन पर रोक लगाने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

फर्जी जीएसटी अधिकारी बन लूटे 20 लाख के जेवर

गिरिडीह, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के धनवार बाजार में दिनदहाड़े अपराधियों ने बेहद दुस्साहसिक तरीके से लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया। बदमाश खुद को जीएसटी अधिकारी और पुलिसकर्मी बताकर नावाडीह स्टेट बैंक के समीप स्थित हरिहर साव की जेवर दुकान में घुसे। जांच के नाम पर करीब 20 लाख रुपए से अधिक के सोना-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो वाहन से करीब आधा दर्जन अपराधी दुकान पर पहुंचे थे। इनमें कुछ युवक काले कोट-पैंट में थे, जबकि एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी में नजर आया। दुकान में प्रवेश करते ही उन्होंने रौब झाड़ते हुए खुद को अधिकारी बताया और कर्मचारियों से पूछताछ शुरू कर दी।

भोजशाला मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई

सभी याचिकाओं पर एक साथ दलीलें सुनेगा हाईकोर्ट एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर आपत्तियां रखेगा मुस्लिम पक्ष

इंदौर/धार, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। धार के भोजशाला विवाद मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच सोमवार दोपहर ढाई बजे से सभी याचिकाओं को एक साथ सुनेगी।

गुरुवार को हुई सुनवाई में अदालत ने स्पष्ट किया है कि पहले याचिकाकर्ताओं के तर्क सुने जाएंगे, फिर आपत्ति लगाने वालों को दलील रखने का अवसर दिया जाएगा।

सुनवाई के दौरान हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन, विनय जोशी मौजूद रहे जबकि मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की ओर से एडवोकेट सलमान खुर्शीद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था-

हाईकोर्ट ही करेगा अंतिम फैसला

इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला विवाद में अहम आदेश देते हुए स्पष्ट किया था कि मामले का अंतिम निर्णय अब हाईकोर्ट ही करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट, वीडियोग्राफी और पक्षकारों की आपत्तियों पर हाईकोर्ट अंतिम सुनवाई में विचार करेगा। सभी मुद्दे हाईकोर्ट के समक्ष खुले रहेंगे और वहीं तय किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- एएसआई द्वारा तैयार की गई सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षों को उपलब्ध करा दी गई है। कई पक्षों ने इस पर अपनी आपत्तियां भी दर्ज कराई हैं। एएसआई द्वारा की गई साइट की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी से जुड़े बिंदुओं को भी हाईकोर्ट गंभीरता से देखेगा। यदि वीडियोग्राफी के आधार पर कोई नई आपत्तियां उठती हैं, तो उन पर भी सुनवाई के दौरान विचार किया जाएगा। इसके अलावा शीर्ष कोर्ट ने पहले दिए गए निर्देश को बरकरार रखते हुए कहा था कि भोजशाला परिसर के स्वरूप में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। साथ ही, 7 अप्रैल 2003 को एएसआई द्वारा जारी आदेश का पालन जारी रहेगा। मध्य प्रदेश में धार स्थित भोजशाला को लेकर पुरातात्विक सर्वेक्षण रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की जा चुकी है।

दुर्ग ऑनलाइन सट्टा मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग-भिलाई, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दुर्ग पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जामुल थाना क्षेत्र में संचालित संगठित ऑनलाइन सट्टा गिरोह के मामले में पुलिस ने चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी पहले गिरफ्तार किए गए सात सटोरियों के साथ मिलकर काम कर रहे थे। पुलिस ने इनके पास से छह मोबाइल फोन और 65 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं।

दरअसल कुछ दिन पहले जामुल पुलिस ने सुंदर विहार कॉलोनी फेस-2 में छापा मारकर एक बड़े सट्टा गिरोह का पर्दाफाश किया था। उस दौरान पुलिस ने मौके से सात लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों से सख्ती से पूछताछ और उनके मोबाइल डेटा की जांच में खुलासा हुआ कि इस अवैध खेल में कुछ अन्य लोग भी हयोग कर रहे थे।

तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने भिलाई और रायपुर के अलग-अलग इलाकों में दबिश दी।

इस दौरान पुलिस ने परमेश गेडाम (भिलाई), शिवा वैष्णव उर्फ समीर (रायपुर), मोहम्मद असलम (भिलाई) और सत्यपाल पासवान (भिलाई) को गिरफ्तार किया।

अखिलेश बोले- भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा चुनाव आयोग

यूपी में गड़बड़ी करने वालों पर अब तक कार्रवाई नहीं

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल और असम सहित जिन राज्यों में चुनाव चल रहा है वहां पर चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है। बंगाल में आयोग ने डीजीपी सहित बड़े अधिकारियों को हटा दिया गया है। इतने अधिकारियों को यूपी में 2022 चुनाव में नहीं हटाया गया था। हम लोगों ने यूपी के उपचुनाव में देखा है कि जिन अधिकारियों ने गड़बड़ी की थी उन पर अब तक कार्रवाई नहीं हुई। न चुनाव आयोग ने की और न ही सरकार ने। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बंगाल और असम के चुनाव पूरे होने के बाद भाजपा के लोग यूपी आ जाएंगे लेकिन यूपी में इस बार पीडीए की सरकार बनेगी। भाजपा के लोगों ने अच्छे दिन लाने का वादा किया था। हम कहते हैं कि यूपी से भाजपा की सरकार जाते ही बुरे दिन खत्म हो जाएंगे। आईएएस रिंकू सिंह राही के इस्तीफे को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है। ऐसे अधिकारी पीडीए की सरकार बनाने के लिए काम करने वाले हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में सिलिंडर संकट के पीछे भाजपा के लोग हैं। इन्होंने इसे बढ़ाया है। वहीं, किसानों से भी उन्होंने (भाजपा) आय दोगुना करने का वादा किया था पर किसान परेशान हैं। उन्हें फसल का सही दाम नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां कहीं भी गड़बड़ी हो रही है वहां भाजपा के लोग हैं।

बोकारो में एनकाउंटर, 7 अपराधी धराए

हथियार बरामद करने गई थी पुलिस, तभी करने लगे फायरिंग, कुख्यात प्रिंस गुप्ता घायल

बोकारो, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बोकारो में पुलिस और कुख्यात अपराधी प्रिंस गुप्ता उर्फ भाटिया गैंग के साथ मुठभेड़ हो गया। यह घटना बालीडीह ओपी क्षेत्र स्थित गौडा बालीडीह पहाड़ी पर हुई। पुलिस के अनुसार, हथियार बरामदगी के दौरान अचानक गोलीबारी शुरू हो गई।

जिसमें जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी फायरिंग की। इस दौरान प्रिंस गुप्ता के पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। दरअसल जिले में रंगदारी, चोरी और छिनतई की घटनाओं के लगातार कई मामले देखे जा रहे थे। इन वारदातों में अमन साहू (मृत), राहुल दुबे, मयंक सिंह और प्रिंस खान गिरोह का नाम सामने आया था। व्यापारियों को मोबाइल फोन के माध्यम से धमकी देकर रंगदारी मांगी जा रही थी। जिससे कारोबारी वर्ग में भय का माहौल था। इन घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए वरीय अधिकारियों के निर्देश पर सिटी डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया था, जिसने पूरे मामले की गहन जांच शुरू की थी। इसी जांच के क्रम में गिरफ्तार प्रिंस गुप्ता की निशानदेही पर पुलिस टीम हथियार बरामद करने के लिए गौडा बालीडीह पहाड़ी पहुंची थी। इसी दौरान उसने पहले एक पिस्टल पुलिस को सौंप दी, लेकिन अचानक दूसरे हथियार से पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिसमें उसे गोली लगी और वह घायल हो गया। इस पूरे घटनाक्रम ने इलाके में सनसनी फैला दी, हालांकि पुलिस ने स्थिति को तत्काल नियंत्रित कर लिया।

दवा कंपनियों पर 100% टैरिफ लगाने की तैयारी में ट्रंप

जानें भारत पर क्या पड़ेगा असर, किन्हें मिली छूट?

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द कुछ दवा कंपनियों पर नया टैरिफ लगाने की घोषणा कर सकते हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से उन कंपनियों को बड़ा नुकसान हो सकता है जिन्होंने अमेरिका में दवाओं की कीमतें कम रखने की गारंटी देने वाले समझौतों पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन आयातित ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100% तक टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। इस संभावित कदम से वैश्विक दवा कंपनियां अमेरिका में अपने उत्पादन को बढ़ाने और स्टॉक जमा करने में जुट गई हैं। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का असर उन भारतीय कंपनियों पर भी पड़ेगा जो अमेरिका में दवाएं भेजती हैं।

अंतिम नहीं है यह फैसला!

रिपोर्ट के अनुसार, जिन कंपनियों ने अब तक सरकार के साथ कोई समझौता नहीं किया है या बातचीत नहीं कर रही हैं, उन पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। हालांकि, यह योजना अभी अंतिम नहीं है और इसमें बदलाव संभव है। कुछ दवाओं और बीमारियों से जुड़े प्रोडक्ट को छूट भी दी जा सकती है।

भारत पर क्या असर?

ट्रंप प्रशासन अगर यह फैसला लागू करता है तो इसका असर भारत समेत वैश्विक फार्मा इंडस्ट्री पर पड़ सकता है। साथ ही दवा कंपनियों की रणनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अगर अमेरिका आयातित दवाओं पर भारी टैरिफ लगाता है, तो भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार में दवाएं बेचना महंगा हो सकता है। इससे निर्यात घटने और मुनाफे पर असर पड़ने की आशंका है। भारत की ताकत जेनेरिक दवाओं में है। ट्रंप प्रशासन के नियमों में जेनेरिक दवाओं (जो भारत सबसे ज्यादा निर्यात करता है) को छूट दी गई है। अगर टैरिफ मुख्य रूप से ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर लगता है, तो भारतीय कंपनियों को अवसर मिल सकता है क्योंकि वे कम कीमत पर विकल्प दे सकती हैं।

बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास में बड़ी उपलब्धि हासिल

रेलवे ने यात्रियों से कमाए 80000 करोड़

नई दिल्ली,2 अप्रैल(एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार ने बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के मामले में बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस दौरान सड़क परिवहन और रेलवे मंत्रालयों ने अपने पूंजीगत व्यय का 100% इस्तेमाल किया। दोनों मंत्रालयों का कुल कैपेक्स करीब 5.5 लाख करोड़ रुपये रहा। इस दौरान रेलवे की यात्रियों से कमाई में तेजी आई।

वहीं कई ट्रेनें भी शुरू की गईं। एनएचएआई ने पिछले साल के मुकाबले इस बार ज्यादा लंबे हाईवे बनाए। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 में कई उपलब्धियां हासिल कीं। साथ ही कई रिकॉर्ड भी बनाए। भारतीय रेल की यात्री आय 6% बढ़कर करीब 80,000 करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष के दौरान रेलवे ने रिकॉर्ड 741 करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को राज्यसभा में जानकारी दी कि भारी भीड़ को संभालने के लिए रेलवे ने पिछले साल 76,352 विशेष ट्रेनें चलाईं। माल ढुलाई (फ्रेट) से आय में 1.4% की बढ़ोतरी हुई और यह 17.8 लाख करोड़ रुपये तक पहुंची। रेलवे ने 1,670 मिलियन टन की लोडिंग की, जो अब तक का सर्वकालिक उच्च स्तर है, हालांकि यह 1,700 एमटी के निर्धारित लक्ष्य से थोड़ा कम रहा। फर्टिलाइजर, पिग आयरन और तैयार स्टील की ढुलाई में 13% की तेजी आई। वहीं लौह अयस्क (6.7%) और सीमेंट (3.4%) की ढुलाई में भी बड़ी वृद्धि दर्ज की गई।सड़क परिवहन मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने निर्माण कार्यों में जबरदस्त तेजी दिखाई है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक वित्त वर्ष 2026 में कुल 9100 किमी हाईवे का निर्माण किया गया। एनएचएआई ने 5,313 किमी नेशनल हाईवे का निर्माण किया, जो कि वर्ष के लिए तय 4,640 किमी के लक्ष्य से 15% अधिक है।

अजय शर्मा ने एनटीपीसी में आरईडी दक्षिण का अतिरिक्त प्रभार संभाला

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के प्रमुख अधिकारियों से मुलाकात की एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र में नेतृत्व के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है, जहाँ अजय शर्मा, कार्यकारी निदेशक (इंजीनियरिंग, गुणवत्ता और निरीक्षण) ने तत्काल प्रभाव से क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (दक्षिण) का अतिरिक्त प्रभार संभाल लिया है।

एनटीपीसी में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाले श्री शर्मा ने 1989 में एक कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक और फाइनेंस में एमबीए की डिग्री रखने वाले श्री शर्मा ने एनटीपीसी के प्रमुख स्टेशनों - जिनमें दादरी और सीसी-ईओसी शामिल हैं में ओएस बॉयलर प्रमुख के तौर पर संचालन, रखरखाव और परियोजना नेतृत्व से जुड़े महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। हाल ही में, उन्होंने कहलगाँव में परियोजना प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएँ दी थीं।

प्रभार संभालने के बाद, श्री शर्मा ने तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव (ऊर्जा), नवीन मित्तल (आईएएस) से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, श्री शर्मा ने लचीले संचालन और बॉयलर ट्यूब में आने वाली खराबी जैसी तकनीकी समस्याओं के समाधान में एनटीपीसी की ओर से पूर्ण सहयोग और समर्थन का आश्वासन दिया।

इसके अतिरिक्त, क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के साथ अपनी प्रारंभिक मुलाकातों के क्रम में, उन्होंने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कार्मिक), देवेंद्र सिंह चौहान (आईपीएस, आरआर) से भी भेंट की। श्री शर्मा अपनी सुदृढ़ तकनीकी विशेषज्ञता और नेतृत्व क्षमताओं के लिए जाने जाते हैं; ऐसे में, यह उम्मीद की जा रही है कि उनकी नियुक्ति से दक्षिण क्षेत्र में एनटीपीसी के परिचालन प्रदर्शन और हितधारकों के साथ जुड़ाव को और अधिक मजबूती मिलेगी।

वामसी राम मोहन बुर्रा ने पावरग्रिड के सीएमडी का पदभार संभाला

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वामसी राम मोहन बुर्रा ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार ग्रहण किया है। इस पद पर पदोन्नति से पूर्व वह पावरग्रिड में निदेशक (परियोजना) के रूप में कार्यरत थे। श्री वामसी इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। उन्होंने प्लानिंग एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा के साथ-साथ मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई), गुरुग्राम से प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा प्राप्त किया है।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने हार्वर्ड मैनेज मेंटर (एचएमएम) प्रोग्राम तथा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद में उन्नत प्रबंधन कार्यक्रमों के माध्यम से अपने नेतृत्व कौशल को सुदृढ़ किया है।

श्री वामसी वर्ष 1993 में पावरग्रिड में शामिल किए गए एग्जीक्यूटिव ट्रेनीज के प्रथम बैच से संबंधित हैं, जो संगठन के नेतृत्व विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। विद्युत पारेषण और टेलीकॉम सेक्टर में 33 वर्षों से अधिक के समृद्ध और विविध अनुभव के साथ, श्री वामसी ने पावरग्रिड में क्षेत्रीय और कॉर्पोरेट स्तर पर कई महत्वपूर्ण लीडरशिप, नीतिनिर्धारण और रणनीतिक भूमिकाएं निभाई हैं। वे पावरग्रिड के रेगुलेटरी सेल के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं, जहां पावर सेक्टर के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क की उनकी गहरी समझ ने संगठन की नियामक रणनीति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पावरग्रिड टेलीसर्विसेज लिमिटेड के सीईओ के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, श्री वामसी ने कंपनी के टेलीकॉम बिजनेस के विस्तार का नेतृत्व किया और पावरग्रिड के पहले डेटा सेंटर परियोजना की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो संगठन की डिजिटल यात्रा में एक अहम मील का पत्थर है। डिजिटलाइजेशन और मशीनीकरण के प्रबल समर्थक के रूप में, श्री वामसी ने प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन में परिवर्तनकारी सुधार लागू किए हैं, जिससे बड़े पैमाने की बुनियादी परियोजनाओं में दक्षता, पारदर्शिता और कार्य निष्पादन के परिणामों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

24 घंटे में 7.45 लाख करोड़ डूबे

क्रिप्टो मार्केट में कोहराम, किस करेंसी ने किया ज्यादा नुकसान?

नई दिल्ली,2 अप्रैल(एजेंसियां)। गुरुवार को गिरावट से क्रिप्टो बाजार भी नहीं बच पाया। पिछले 24 घंटे में यह 3 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया है। साथ ही बिटकॉइन समेत दुनिया की प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी भी 6 फीसदी से ज्यादा फिसल गईं। क्रिप्टो मार्केट में इस गिरावट को डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान से जोड़कर देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा कि वह 2 से 3 हफ्ते में ईरान पर बड़ा हमला करेंगे। कल बुधवार दोपहर 12:30 बजे ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट कैप 2.38 ट्रिलियन डॉलर था। वहीं आज दोपहर 12:30 यह करीब 3.30% गिरकर 2.30 ट्रिलियन डॉलर रह गया। यानी इसमें 24 घंटे में 0.08 ट्रिलियन डॉलर (करीब 7.45 लाख करोड़ रुपये) की गिरावट आई। वहीं फीयर एंड ग्रीड इंडेक्स 28 पर आ गया है। यह कल यानी बुधवार को 32 पर था।

3% से ज्यादा गिरा बिटकॉइन

दुनिया की सबसे महंगी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। इस गिरावट के साथ यह करीब 66,630 डॉलर पर आ गया। पिछले एक महीने में कुछ मौकों को छोड़कर बिटकॉइन 70 हजार डॉलर के नीचे बना हुआ है। यह अपने ऑल टाइम हाई (करीब 1.25 लाख डॉलर) के मुकाबले काफी नीचे है।

बाकी क्रिप्टो में कितनी गिरावट?

पिछले 24 घंटे में सिर्फ बिटकॉइन में ही नहीं, बल्कि कई क्रिप्टो में बड़ी गिरावट आई है। यह इस प्रकार रही: इथेरियम क्रिप्टो 4 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई। इस गिरावट के साथ यह करीब 2046 डॉलर पर था। रिपल में भी 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। इस गिरावट के साथ यह 1.31 डॉलर पर था। बाइनेंस क्रिप्टो भी इस गिरावट से नहीं बच पाई। यह करीब 4.50 फीसदी गिरकर करीब 591 डॉलर पर है। सोलाना पिछले 24 घंटे में 6 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई। यह करीब 79 डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

इनमें आई तेजी

पिछले 24 घंटे में क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बड़ी गिरावट के बाद भी कई क्रिप्टो में उछाल आया। मीमकॉर में 1.25 फीसदी की तेजी आई है। इसके साथ यह 2.40 डॉलर पर था। मिडनाइट क्रिप्टो में करीब 4 फीसदी की तेजी देखी गई। स्टेबल ने भी 4 फीसदी की बढ़त बनाई। जस्ट कॉइन ने 7 फीसदी की छलांग लगाई। डिस्क्लेमरः क्रिप्टोकरेंसी में 24 घंटे कारोबार होता है। ऐसे में इनकी कीमत पल-पल बदलती रहती है। कुछ ही मिनटों में क्रिप्टोकरेंसी की कीमत काफी गिर जाती है और निवेशकों को बड़ा नुकसान हो जाता है। ऐसे में इसमें निवेश करने से पहले एक्सपर्ट की राय जरूर ले लें।

बिकवाली के बाद हरियाली; सेंसेक्स 185 अंक चढ़ा, निफ्टी 22700 के पार और रुपया भी मजबूत

नई दिल्ली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। शेयर बाजार में गुरुवार को बड़ा उतार-चढ़ाव दिखा।

गुरुवार के मध्य सत्र के कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी आई और निवेशकों द्वारा निचले स्तरों पर ब्लू-चिप आईटी शेयरों की खरीदारी के चलते इनमें आई गिरावट की भरपाई होती दिखी। इस बीच रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ। रुपये में बीते 13 वर्षों में सबसे बड़ी एक दिवसीय बढ़त दर्ज की गई। रुपया डॉलर के मुकाबले एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त हासिल करते हुए 93.10 रुपये के स्तर पर बंद हुआ।

शुरुआती कारोबार में दोनों सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसमें 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,588.51 अंक गिरकर 71,545.81 के अंतर-दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, आगे चलकर बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। 30 शेयरों का सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 185.23 (0.25%) अंकों की बढ़त के साथ 73,319.55 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.70(0.15%) अंकों की बढ़त के साथ 22,713.10 के स्तर पर बंद हुआ। भारी खरीदारी के चलते, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इंफोसिस जैसी आईटी क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों के शेयरों में 3 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई। मारुति सुजुकी इंडिया, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी भी लाभ कमाने वालों में शामिल थे।हालांकि, 30 शेयरों वाले सेंसेक्स समूह में इटरनल, एशियन पेंट्स, सन फार्मास्युटिकल्स, एनटीपीसी, पावरग्रिड, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट और अदानी पोर्ट्स जैसी कंपनियां पिछड़ गईं। क्षेत्रीय सूचकांकों में, फोकस्ड आईटी और सूचना प्रौद्योगिकी एकमात्र ऐसे क्षेत्र के रूप में उभरे जिनमें 2 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई।एशियाई बाजारों में व्यापक रूप से गिरावट दर्ज की गई, जिसमें दक्षिण कोरिया का कोस्पी 4.47 प्रतिशत, जापान का निक्केई 225 2.40 प्रतिशत, शंघाई का एसएसई कंपोजिट 0.74 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.70 प्रतिशत गिर गया।यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट देखी गई, जर्मनी का डीएएक्स 1.32 प्रतिशत गिर गया, पेरिस का सीएसी 40 0.80 प्रतिशत गिर गया, जबकि लंदन का एफटीएसई 100 स्थिर रहा।बुधवार को अमेरिकी बाजार में काफी तेजी देखी गई। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 7.18 प्रतिशत बढ़कर 108.42 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 8,331.15 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 7,171.80 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

अनुराग कपिल ने एनएमडीसी में निदेशक वित्त के रूप में पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे लेखा सेवा (आईआरएएस) के 1998 बैच के अधिकारी अनुराग कपिल ने एनएमडीसी लिमिटेड में निदेशक (वित्त) के रूप में पदभार ग्रहण किया ।

भारतीय रेलवे और सीपीएसयू में 26 वर्षों से अधिक के करियर के साथ , श्री कपिल वित्तीय प्रबंधन और सार्वजनिक क्षेत्र के अभिशासन में परिचालन विशेषज्ञता तथा रणनीतिक विजन का अनुभव रखते हैं। उन्होंने भारतीय रेलवे में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, एफए एंड सीएओ (ट्राफिक), एफए एंड सीएओ (वित्त एवं जनरल) तथा उप मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित प्रमुख पदों पर कार्य किया है। उन्होंने कोयला मंत्रालय में निदेशक के रूप में भी कार्य किया तथा कार्य के दौरान मंत्रालय में महत्वपूर्ण नीति और क्षेत्रीय कार्यों का भी सुव्यवस्थित रूप से संचालन किया है। एनएमडीसी में कार्यग्रहण से पूर्व , वे रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक,वित्त (व्यय) के रूप में कार्यरत थे, जहां उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए वित्तीय नीति मामलों, व्यय प्रबंधन, योजना, परियोजना निगरानी तथा उत्पादकता विश्लेषण का दायित्व भी निभाया था। अपने सेवा काल के दौरान , श्री कपिल ने वित्तीय निरीक्षण, नीति निर्माण एवं रणनीतिक योजना बनाने में मजबूत नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कोयला क्षेत्र में प्रमुख राष्ट्रीय नीतियों के निर्माण में योगदान दिया तथा प्रमुख विनिवेश पहलों और नियामक ढांचे की स्थापना से जुड़े रहे हैं। उनके पास कॉनकॉर के निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त दायित्व भी था, जहां उन्होंने वित्तीय प्रदर्शन को मजबूत किया एवं विविधीकरण, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स तथा सतत विकास में रणनीतिक पहल का नेतृत्व किया।

श्री कपिल ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रेलवे एनर्जी मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड और कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड सहित कई सीपीएसई के बोर्ड में सरकार द्वारा नामित निदेशक के रूप में कार्य किया है। श्री कपिल हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं, उन्होंने रसायन विज्ञान (ऑनर्स) में डिग्री, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय से एमबीए (वित्त एवं विपणन) तथा मिनेसोटा विश्वविद्यालय, यूएसए से सार्वजनिक मामलों में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। उन्हें भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवा के लिए 2009 में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

बिजली का प्री-पेड मीटर अनिवार्य नहीं

खुद केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने बताया

नई दिल्ली,2 अप्रैल(एजेंसियां)। बिजली के उपभोक्ताओं या कंज्यूमर के लिए प्री-पेड मीटर लगवाना जरूरी नहीं है। यह ग्राहकों के मन पर निर्भर करता है कि वह प्री-पेड मीटर लगवाए या पोस्ट-पेड मीटर।

किसी को प्री-पेड मीटर लगवाने के लिए बिजली वितरण कंपनी मजबूर नहीं करेगी। यह जानकारी सरकार ने संसद में दी है।

लोकसभा में दी जानकारी

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुवार को लोकसभा में पश्न काल के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए उस दावे का खंडन किया कि केंद्र सरकार बिजली ग्राहकों को प्री-पेड मीटर लगवाने के लिए दवाब डाल रही है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि कुछ निजी बिजली वितरण कंपनियों के फायदे के लिए सरकार ऐसा कर रही है।

गरीब ग्राहकों के लिए पांच दिन का रिचार्ज ऑप्शन!

बिजली के उपभोक्ता तो गरीब और अमीर सभी हैं। गरीब लोग महीने भर का एडवांस पैसा भर कर रिचार्ज कैसे कराएंगे? इस समस्या पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि दिहाड़ी मजदूरों एवं गरीब लोगों के लिए छोटे, फ्लेक्जिबल रिचार्ज के ऑप्शन भी होंगे। ये पांच से 10 दिन के रिचार्ज होंगे।

इनके लिए हो सकता है जरूरी

हालांकि, खट्टर ने कहा कि कुछ ऐसे दागी उपभोक्ता भी हैं जो जान-बूझ कर बिजली का बिल नहीं भरते या समय पर नहीं भरते। ऐसे हैबिचुअल डिफॉल्टर्स के लिए प्री-पेड मीटर लगाना अनिवार्य हो सकता है।

क्योंकि इनकी वजह से बिजली वितरण कंपनियां आर्थिक दवाब में रहती हैं। उनका कहना है कि बिजली वितरण कंपनियां व्यवसायिक तरीके से काम करती हैं। वह बिजली बनाने वाली कंपनियों से बिजली खरीदती हैं और ग्राहकों तक पहुंचाती है। यदि उन्हें समय पर बिजली का भुगतान नहीं मिलता है तो फिर उनका कामकाज या पर्फोमेंस प्रभावित होता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारभ समय		
सुर्य	मीन	मे	मीन....	05-12	बजे
चंद्र	तुला	मे	मेष.....	06-48	बजे
मंगल	मीन	मे	वृष....	08-32	बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन..	10-33	बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क...	12-45	बजे
शुक्र	मेष	मे	सिंह---	14-57	बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--	17-04	बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला----	19-09	बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक..	21-19	बजे
			धनु.....	23-32	बजे
			मकर...	01-39	बजे
			कुंभ....	03-29	बजे

श्री रौद्र /श्री दुमती नामक सवंत्सर-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-12
सूर्यास्त. 18 -26
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष शुक्रवार 03 April 2026
तिथि - प्रतिपदा 08-42 तक उपरान्त द्वितीया
नक्षत्र - चित्रा 19-24 तक उप स्वाति
योग - व्याघात 14-08 तक उप हर्षण
करण - कौलव 08-42 तक उप तैतिल

विशेष: श्री महावीर रथ यात्रा

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-47 से 12-20 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चंचल	06-12 - 07-43	शुभ		रोग	18-26 - 19-56	अशुभ	
लाभ	07-43 - 09-15	शुभ		काल	19-56 - 21-24	अशुभ	
अमृत	09-15 - 10-47	शुभ		लाभ	21-24 - 22-52	शुभ	
काल	19-47 - 12-20	अशुभ		उत्पात	22-52 - 00-19	अशुभ	
शुभ	12-20 - 13-52	शुभ		शुभ	00-19 - 01-47	शुभ	
रोग	13-52 - 15-24	अशुभ		अमृत	01-47 - 03-14	शुभ	
उत्पात	15-24 - 16-56	अशुभ		चंचल	03-14 - 04-42	शुभ	
चंचल	16-56 - 18-26	शुभ		रोग	05-42 - 06-12	अशुभ	

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपका आत्मविश्वास और उत्साह आपके काम और पढ़ाई में एक मज़बूत गति प्रदान करते हैं, जिससे आपको साहसिक पहल करने में मदद मिलती है। मानसिक कुशाग्रता आपको अवसरों का लाभ उठाने की शक्ति देती है, लेकिन अनावश्यक बहस या अत्यधिक आलोचनात्मक रवैये से बचें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप खुद को साहसी और भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करते हैं, जिससे यह आपके करियर में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाने का एक बेहतरीन समय है। जमीन पर बने रहने के लिए व्यावहारिक, तथ्य-आधारित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। व्यक्तिगत संबंधों को काम या पढ़ाई में बाधा बनने से रोकें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप अपने निर्णयों में आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं, हालाँकि एक भावुक मनोदशा आपकी प्रतिक्रियाओं को प्रभावित कर सकती है। आत्म-दया सतह पर आ सकती है, लेकिन बोल्ड भावनात्मक ऊर्जा आपको आगे बढ़ाती है। आप प्रियजनों के साथ निकटता की लालसा करेंगे, क्योंकि स्नेह आसानी से बहता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप पा सकते हैं कि चुपचाप और स्वतंत्र रूप से काम करने से सबसे अच्छे परिणाम मिलते हैं। ज़िम्मेदारी की एक मज़बूत भावना आपको केंद्रित रखती है, जबकि भावनात्मक गहराई आपके प्रयासों को अर्थ देती है। सहानुभूति आपकी बातचीत का मार्गदर्शन करती है, और विनम्र बने रहने से आपको चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलती है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपने करियर में साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं। मौलिक सोच प्रगति में सहायक होती है, खासकर जब योजनाओं को सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है। आप आंतरिक तनाव महसूस कर सकते हैं, इसलिए आराम करना न भूलें। योजना और स्वास्थ्य के बीच संतुलन बनाए रखने से आपकी निरंतर उन्नति सुनिश्चित होती है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप आत्मविश्वास और जोश से भरे हुए हैं, जिससे यह आपके करियर या पढ़ाई में आगे बढ़ने का एक बेहतरीन समय है। भावनात्मक रूप से जुड़ने की आपकी क्षमता टीमवर्क को बढ़ाती है, जबकि तीव्र मानसिक ध्यान आपको जटिल कार्यों से निपटने में मदद करता है। इस गति का उपयोग विस्तार-उन्मुख रहने और स्पष्टता और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने के लिए करें।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका कार्य जीवन ऊर्जावान है, जो आपको विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक शक्ति प्रदान करता है। आपकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता चमकती है। हालाँकि, ठोस परिस्थितियों से निपटने के लिए विनम्रता महत्वपूर्ण है। प्रबंधन में सावधान रहें, खासकर नाजुक स्वास्थ्य मामलों में। जमीन से जुड़े रहें और चमकते रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्यों नहीं करा सकते 15 अप्रैल तक चुनाव ?

हाईकोर्ट ने भजनलाल सरकार और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच पंचायत-निकाय चुनाव को लेकर नया अपडेट सामने आया है। स्पष्ट आदेश के बावजूद 15 अप्रैल तक चुनाव नहीं कराए जाने के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है।

पूर्व विधायक संयम लोढ़ा व अन्य की अवमानना याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पूछा कि राजस्थान में 15 अप्रैल तक चुनाव क्यों नहीं करा सकते है। पंचायत और निकाय चुनाव को लेकर हाईकोर्ट ने अवमानना नोटिस जारी किया है। साथ ही भजनलाल सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है।

पंचायत-निकाय चुनाव 15 अप्रैल तक कराने के आदेश की पालना नहीं होने को लेकर पूर्व विधायक संयम लोढ़ा व अन्य की अवमानना याचिकाओं पर गुरुवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा व न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ ने सुनवाई की।

इस दौरान कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की खंडपीठ ने राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह और आयोग के सचिव राजेश वर्मा से जवाब तलब किया है। साथ ही संयम लोढ़ा और गिर्राज सिंह देवंदा की अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पूछा है कि तय समयसीमा में चुनाव क्यों नहीं कराए जा सकते।

राज्य चुनाव आयोग ने 22 अप्रेल को जारी करेगा अंतिम मतदाता सूची

अधिवक्ता पुनीत सिंघवी ने अदालत को बताया कि 14 नवंबर, 2025 को हाईकोर्ट ने आदेश दिए थे कि 15 अप्रैल 2026 तक राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनाव कराए जाए। लेकिन, राज्य चुनाव आयोग ने 22 अप्रेल को अंतिम मतदाता सूची जारी करना तय किया है। ऐसे में 15 अप्रेल तक चुनाव कराना असंभव है। वहीं, याचिकाकर्ता गिर्राज सिंह देवंदा की ओर से प्रेमचंद देवंदा ने पैरवी की।

पीएम मोदी को संन्यास ले लेना चाहिए : डोटासरा

आरसीए को मंत्री-विधायकों के बेटों के एडजेस्टमेंट का केंद्र बताया

अजमेर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संन्यास ले लेना चाहिए। ऐसा हुआ तो देश और लोकतंत्र दोनों बच जाएंगे। इतना ही नहीं डोटासरा ने कहा कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन मंत्रियों और विधायकों के फ्रस्ट्रेटेड बेटों को सेट करने का एडजस्टमेंट केंद्र बन चुका है।

दरअसल आज गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का जयपुर से ब्यावर जाते समय अजमेर में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। यहां पर डोटासरा ने यह बयान दिया। पिछले दिनों भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बयान दिया था कि मोदी के नेतृत्व में भारत की तस्वीर बदली है। यह राजनीति नहीं सेवा का सफर है। इस बयान पर पटवार करते हुए डोटासरा ने कहा कि मदन राठौड़ तो मोदी को रिटायरमेंट की सलाह दे रहे हैं क्योंकि मोदी उनके बड़े भाई हैं। इसलिए मोदी को अपने छोटे भाई की बात माननी चाहिए और संन्यास ले लेना चाहिए जिससे लोकतंत्र और देश दोनों बच जाएगा। डोटासरा ने कहा कि मौजूदा सरकार पंचायत और निकाय चुनाव करवाने में असक्षम है। उनकी नियत खराब है और हार का डर है इसलिए चुनाव नहीं करवा रहे। चुनाव के लिए जो संवैधानिक प्रावधान है उसका भी मख़ौल उड़ा रहे हैं। जब 73 वां और 74 वां संविधान संशोधन हुआ उसके बाद प्रावधान है कि 5 साल के अंदर-अंदर सारी प्रक्रिया पूरी करके चुनाव करवाने चाहिए और पहले होते भी आए हैं। जब कोरोना महामारी आई केवल तब सुप्रीम कोर्ट की अनुमति से चुनाव आगे-पीछे हुए थे। लेकिन अब सरकार अनर्गल बयानबाजी कर रही है। ओबीसी आयोग की रिपोर्ट इनको सरकार बनते ही ले लेनी चाहिए थी। जानबूझकर चुनाव में देरी करने के लिए ओबीसी आयोग का गठन नहीं किया गया। अब जब आयोग रिपोर्ट देने के लिए तैयार है तो सरकार उससे रिपोर्ट नहीं ले रही। अब सरकार तर्क दे रही है कि कांग्रेस ने भी 13-17 साल तक चुनाव नहीं करवाए थे।

अब इन्हें कौन बताए कि तब संविधान में प्रावधान ही नहीं था। जब 73 वां और 74 वां संशोधन जोड़ा गया उसके बाद कोरोना को छोड़कर सरकार एक दिन भी बता दे कि चुनाव लेट हुए हो। ओबीसी आयोग की रिपोर्ट लेना सरकार की ड्यूटी है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में यह भी कहा है कि यदि सरकार आयोग की रिपोर्ट लेने में सक्षम नहीं है तो बिना उस रिपोर्ट के भी चुनाव करवाने चाहिए।

चुनाव आप नहीं टाल सकते परिसीमन नहीं होने या आयोग की रिपोर्ट नहीं आने की बात कहकर। आज से हम अलग-अलग जिलों में जाकर लोगों को इस सरकार की सत्यता बताएंगे कि ब्यूरोक्रेसी लगाकर इन्होंने पंचायत और निकायों पर कब्जा कर रखा है।

सरकारी डॉक्टर गिरफ्तार: सिलिकोसिस के फर्जी सर्टिफिकेट जारी कर ठगे थे 12.39 करोड़, अब तक 4 गिरफ्तार

दौसा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। दौसा में सिलिकोसिस के फर्जी प्रमाण पत्र मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने मंगलवार रात करीब 8 से 9 बजे के बीच एक और सरकारी डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी डॉ. प्रेम कुमार मीना (45) हैं, जो कनिष्ठ विशेषज्ञ (मेडिसिन) हैं और बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं।

साइबर थाना प्रभारी डीएसपी बृजेश कुमार ने बताया कि आज डॉ. मीना को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है, जहां से उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि मामले की जांच जारी है और इसमें शामिल अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

इससे पहले साइबर थाना पुलिस ने 30 मार्च को इस मामले में डॉ. मनोज ऊंचवाल (चेस्ट-टीबी कनिष्ठ विशेषज्ञ), डॉ. डीएन शर्मा (प्रमुख विशेषज्ञ मेडिसिन) और रेडियोग्राफर मनोहर लाल यादव को गिरफ्तार किया था। इन सभी के खिलाफ 29 जनवरी 2024 को कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। साइबर थाना प्रभारी बृजेश ने बताया- सिलिकोसिस कार्ड नवंबर 2022 में ऑनलाइन बनने शुरू हुए थे। तब अकेले दौसा में 10 महीने में सर्वाधिक 2453 सिलिकोसिस कार्ड बनाए गए थे। यह पूरा आंकड़ा प्रदेश में बनाए गए कार्ड का करीब 46 फीसदी था। दौसा में ज्यादा संख्या में कार्ड बनाने पर आंकड़ा सामने आया तो प्रदेश स्तर की टीम को इस पर शक हुआ और जांच कमेटी गठित की गई। इसके बाद जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज की कमेटी बनाई गई। इसमें डॉ. सीपी सावरकर, डॉ. मुकेश मित्तल और डॉ. सुनील जाखड़ शामिल ने जांच की। वहीं तत्कालीन दौसा कलेक्टर की ओर से भी कमेटी बनाई गई थी।

कन्हैयालाल के हत्यारे बीजेपी कार्यकर्ता थे

इसलिए सजा नहीं होने दे रही पार्टी, पूर्व सीएम अशोक गहलोत का आरोप

उदयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर शहर के चर्चित केस कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। गहलोत ने सवाल किया कि राज्य की भाजपा सरकार ने अभी तक इस मामले की सुनवाई के लिए विशेष अदालत का गठन क्यों नहीं किया है। गहलोत ने बुधवार शाम 'एक्स' पर कन्हैयालाल के बेटे यश के पोस्ट को टैग करते हुए यह सवाल उठाया। गहलोत ने लिखा कि कन्हैयालाल के हत्यारे भाजपा कार्यकर्ता थे। इसलिए भाजपा इनको सजा नहीं होने दे रही है।

कन्हैयालाल के बेटे यश ने 31 मार्च को एक पोस्ट अपलोड करके केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के उस बयान को याद दिलाया, जिसमें उन्होंने राज्य सरकार से विशेष अदालत बनाने की मांग की थी।

गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा कि उदयपुर में कन्हैयालाल के परिवार को न्याय पाने के लिए भाजपा सरकार से गुहार लगानी पड़ रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने विधानसभा चुनाव के दौरान यह भ्रम फैलाया था कि राज्य सरकार ने विशेष अदालत का गठन नहीं किया है, जबकि यह मामला शुरू से ही एनआईए के अधीन है और एनआईए की विशेष अदालत में ही इसकी सुनवाई चल रही है।

गहलोत ने लिखा कि भाजपा की राजस्थान में सरकार बने सवा दो साल हो चुके हैं। आपकी सरकार ने अभी तक इस मामले में विशेष अदालत क्यों नहीं बनाई, जिसका आरोप कांग्रेस सरकार पर लगा रहे थे? भाजपा ने इस मामले पर केवल राजनीति की है।

अगर भाजपा सरकार चाहती तो मुकदमे की रोजाना सुनवाई करवाती और अभी तक दोषियों को सजा हो जाती, लेकिन अभी तक भाजपा सरकार की एनआईए 160 गवाहों में से 40 की गवाही तक नहीं करवा सकी।

कन्हैयालाल के दोनों हत्यारे भाजपा के कार्यकर्ता थे, इसलिए भाजपा इनको सजा नहीं होने दे रही। एक तरफ पूरे देश में सांप्रदायिकता का माहौल बना हुआ है। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा इतने संगीन मामले में अपराधियों को अभी तक सजा दिलाने में विफल रही है।

जमीन विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

भरतपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। डीग में जमीन विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। युवक के 200 गज के प्लॉट को उसके गांव के ही कुछ लोग हड़पना चाहते थे। इसे लेकर उनमें विवाद चल रहा था। बुधवार को आरोपी गाली-गलौज करने लगे। जब युवक ने गाली देने से मना किया तो एक आरोपी ने युवक पर फायरिंग कर दी। इससे युवक की मौत हो गई। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना सीकरी थाना इलाके के गमोडकी गांव की रात 11 बजे की है। एसएचओ मुकेश चैंची ने बताया- गमोडकी गांव निवासी जगतार सिंह (46) की गोली लगने से मौत हुई है।

एसआई भर्ती में सुप्रीम-कोर्ट का बड़ा आदेश

ओवरएज हो चुके अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल करने के लिए कहा

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। एसआई भर्ती-2025 से 3 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आयु सीमा में छूट मांग रहे 2021 की भर्ती के अभ्यर्थियों को अंतरिम राहत दी है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बैंच ने एसआई भर्ती-2021 के सभी अभ्यर्थियों को 3 दिन बाद होने वाली परीक्षा में शामिल करने के आदेश दिए हैं।

हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि ऐसे कैंडिडेट्स की भागीदारी पूरी तरह से अस्थायी (प्रोविजनल) होगी और उनका परीक्षा परिणाम सील बंद लिफाफे में रखा जाएगा। दरअसल, सूरजमल मीणा की ओर से दायर प्रार्थना पत्र में मांग की गई थी कि 5 और 6 अप्रैल 2026 को प्रस्तावित एसआई/प्लाटून कमांडर भर्ती-2025 परीक्षा को कम से कम 4 सप्ताह के लिए टाल दिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआई भर्ती परीक्षा कैंसिल करने से इनकार कर दिया। लेकिन साथ ही 2021 की भर्ती के ओवरएज हो चुके अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए उन्हें परीक्षा में शामिल करने के निर्देश दिए हैं।

अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट पीबी सुरेश और एडवोकेट हरेंद्र नील ने कोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार हाईकोर्ट को आयु सीमा में छूट से जुड़ी अपीलों पर 31 मार्च तक फैसला देना था, लेकिन हाईकोर्ट ने अभी तक फैसला नहीं सुनाया है। ऐसे में अभ्यर्थियों के अधिकार बेअसर हो जाएंगे।

राजस्थान सरकार की ओर से उपस्थित अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने किसी भी प्रकार की रोक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हजारों अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होने वाले हैं। परीक्षा के लिए सभी आवश्यक प्रशासनिक एवं व्यवस्थागत तैयारियां पूरी कर ली गई है।

एमएलए भाटी के लिए कहा- 'आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार': भजन गायक छोटूसिंह

बोले- 'धमकी और डरने की सीमा पार हो गई'

बाड़मेर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। भजन गायक छोटूसिंह रावणा और शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी के बीच चल रहा विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी मामले को लेकर छोटूसिंह ने बाड़मेर के शिव थाने में विधायक भाटी के खिलाफ मानहानि और धमकी देने का मामला दर्ज कराया। हालांकि, मामले की जांच सीआईडी-सीबी करेगी। इस बीच, भजन गायक ने विधायक पर परेशान करने और धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। रावणा ने बातचीत में कहा, "मैंने किसी नेता को 'रीलबाज' नहीं कहा। मैंने एक बच्चे के वीडियो पर टिप्पणी की थी, जिसमें लिखा था- 'अगर आप रील स्टार होते, तो आपके पास सारे नेता होते।'"

छोटूसिंह ने दावा किया कि यह टिप्पणी किसी नेता के लिए नहीं थी। उन्होंने कहा, "यह आम बात है कि जहां रील वायरल होती है, वहां नेता टपक जाते हैं।"

भजन गायक ने शिव विधायक पर धमकाने और ट्रोलिंग के आरोप लगाते हुए कहा कि अब सहनशीलता की सीमा पार हो चुकी है और वे आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं।

छोटू सिंह रावणा ने कहा मैं लंबे समय से धमकियां और परेशानियां झेल रहा हूं। अब पानी सिर से ऊपर गुजर चुका है। भगवान भी कहते हैं कि 99 गलतियां माफ कर दो, लेकिन 100वीं का ध्यान रखना चाहिए। मैंने बहुत कुछ सहा है, लेकिन अब मेरे सब्र का बांध टूट गया है। विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मुझे काफी समय से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

विधायक की ओर से तीन दिन पहले धमकी आई थी। फोन करके बीते सालों में दी गई धमकियों की भी पुष्टि कर दी है। विधायक इतना तो समझदार है कि सीधा जाकर नहीं कहेंगे कि मैं तेरा सिर काट दूंगा।लेकिन, कोई आपको यह कहे कि मैं तेरे को देख लूंगा। इसका मतलब वो आपको देखेगा नहीं, देख ही लेगा। ये धमकी ही है। उनकी ओर से तीन सालों से कई धमकियां मिली।

10 लाख के गहने-नकदी चोर लेकर फरार

अलवर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर में चोरों ने एक घर में घुसकर 10 लाख रुपए के गहने और नकदी चुरा लिए। परिवार घर से बाहर गया हुआ था, तभी चोरों ने ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और सीधे नीले रंग के ड्रम में रखे कीमती सामान को लेकर फरार हो गए। जब परिवार वापस लौटा, तो उन्होंने घर में सामान बिखरा हुआ पाया। उद्योगनगर थाना पुलिस ने बुधवार को मामला दर्ज कर लिया है और चोरों की तलाश के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। मकान मालिक श्यामलाल कोली ने पुलिस को रिपोर्ट में बताया- मैं हैवल्स कंपनी में सुपरवाइजर हूं। घटना के समय मैं ड्यूटी पर था। मेरी पत्नी एक शादी समारोह में गई थीं। इसी दौरान, चोरों ने घर का ताला तोड़कर प्रवेश किया और सीधे नीले ड्रम में रखे कीमती सामान को निशाना बनाया। श्यामलाल कोली ने बताया- चोरी हुए सामान में कोंदनी, मंगलसूत्र, पाजेब, चूड़ियां, अंगूठियां, कुंडल और अन्य आभूषण शामिल हैं।

राजस्थान युवा कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 22 दावेदार, मुकाबला दिलचस्प होने के आसार

जयपुर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान युवा कांग्रेस के चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। 21 मार्च से चल रही नामांकन प्रक्रिया बुधवार को समाप्त हो गई। अंतिम तिथि तक प्रदेश, जिला, विधानसभा और ब्लॉक स्तर के विभिन्न पदों के लिए कुल 12,249 युवाओं ने नामांकन दाखिल किए हैं। नामांकन से जुड़ी शिकायतें और शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया गुरुवार शाम 5 बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद जांच प्रक्रिया पूरी कर वैध उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए इस बार 22 दावेदार मैदान में हैं, जिससे मुकाबला दिलचस्प होने के आसार हैं। चुनाव केवल प्रदेश स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि जिला, विधानसभा और ब्लॉक स्तरीय समितियों के लिए भी होंगे। अब मतदान प्रक्रिया जल्द शुरू होगी, जो करीब एक माह तक चलेगी। इसके बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे, जिससे संगठन में नई टीम का गठन होगा।

वहीं दूसरी तरफ सूत्रों के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल मजबूत दावेदारों ने पेशेवर एजेंसियां हायर कर ली हैं। ये एजेंसियां चंडीगढ़, दिल्ली सहित अन्य शहरों की हैं। इन्हें 25 से 50 लाख रुपए तक का भुगतान किया जा रहा है। सदस्यता अभियान ही सबसे महंगा हिस्सा है, करीब 24 से 25 करोड़ रुपए केवल सदस्य बनाने पर खर्च होने का अनुमान है।

इसके अलावा चुनाव प्रबंधन और प्रचार का खर्च अलग है। प्रदेश अध्यक्ष पद के 4-5 दावेदारों के बीच मुकाबले में प्रत्येक का खर्च 6 से 10 करोड़ तक पहुंच सकता है।

युवा कांग्रेस में अध्यक्ष और दो कार्यकारी अध्यक्षों के बीच कामकाज को लेकर विवादों की खबरें लगातार आती रही हैं। इसी कारण इस बार चुनाव तय 2 साल के कार्यकाल से पहले कराए जा रहे हैं। पार्टी कार्यकारी अध्यक्ष की व्यवस्था खत्म करने की तैयारी में है, ताकि भविष्य में टकराव कम हो।

धर्म बदलने और जबरन शादी के डर से किशोरी ने की आत्महत्या

बांसवाड़ा, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के राजतालाब थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली एक किशोरी ने अपने घर में फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। मामले में किशोरी की दादी ने थाने में प्रकरण दर्ज कराया है। दादी ने बताया कि एक धर्मांतरित किशोर उसकी पौत्री को बहला-फुसलाकर ले गया था। इसके बाद ईसाई मिशनरियों के लोग किशोरी का धर्म परिवर्तन कराने का दबाव बना रहे थे। इसी दबाव में किशोरी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतका की दादी ने आरोपी किशोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि करीब एक वर्ष पहले धर्मांतरित किशोर ने उसकी पौत्री को बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया था। उसे शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर, उदयपुर रोड के पास स्थित एक गांव में चर्च ले जाकर मिशनरियों की मदद से ईसाई रीति-रिवाज से जबरन शादी कराई गई और ईसाई धर्म अपनाने के लिए विवश किया गया।

गहनों के लिए दरिंदगी की हद पार

महिला के पैर काट ले गए हैवान, केर तोड़ने के बहाने घुसे थे बदमाश

पाली, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन थाना क्षेत्र स्थित कराड़ी गांव में मानवता को झकझोर देने वाली एक जघन्य वारदात सामने आई है। यहां लूट की नीयत से आए अज्ञात बदमाशों ने एक अधेड़ महिला की अत्यंत क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी। हत्यारों की दरिंदगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने महिला के पैरों में पहने चांदी के गहने लूटने के लिए उसके दोनों पैर काटकर अलग कर दिए और उन्हें अपने साथ ले गए। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों का आक्रोश चरम पर है। यह पूरी घटना उस समय शुरू हुई जब महिला दोपहर के वक्त अपने घर से खेत की ओर निकली थी। दोपहर में खेत पर रहने के दौरान महिला ने अपनी बेटी से मोबाइल फोन पर बातचीत की थी और उसे जानकारी दी थी कि दो अज्ञात युवक उसके खेत में घुसकर 'केर' तोड़ रहे हैं। उस वक्त परिजनों को इस बात का जरा भी आभास नहीं था कि वे युवक किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से वहां मौजूद थे। जब शाम ढलने के बाद भी महिला घर नहीं लौटी, तो परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद गांव के समीप एक नाड़ी के पास जंगल में महिला का क्षत-विक्षत और लहूलुहान शव बरामद हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन भी देर रात दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं और बारीकी से साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए। एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीमों ने भी मौके से महत्वपूर्ण सबूत एकत्रित किए हैं।

बायोडीजल भरे टैंकर में लगी आग

2 किलोमीटर लंबा जाम, दमकल की 5 गाड़ियों ने डेढ़ घंटे में पाया काबू

अजमेर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर जिले के मांगलियावास में ब्यावर से अजमेर की ओर आ रहे बायोडीजल से भरे एक टैंकर में अचानक आग लग गई। टायर फटने के कारण टैंकर में आग भड़क उठी और वह देखते ही देखते आग का गोला बन गया। यह घटना अजमेर ब्यावर नेशनल हाईवे-8 पर गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे की है। डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद 10 बजे आग पर काबू पा लिया गया। सूचना मिलते ही मांगलियावास पुलिस और दमकल की पाँच गाड़ियां मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत ट्रैफिक डायवर्ट कर रास्ता बंद कर दिया और ट्रैफिक को कंट्रोल किया।

घटना स्थल पर पीसांगन एसडीएम राजीव बड़गूजर, तहसीलदार भागीरथ चौधरी, पीसांगन थानाधिकारी सरोज चौधरी, नसीराबाद सदर थानाधिकारी अशोक बिश्नोई और मांगलियावास थाना प्रभारी श्रवण चौधरी ने जाब्ते के साथ मोर्चा संभाला। हालांकि मांगलियावास पुलिस की बार-बार समझाइश के बावजूद कुछ लापरवाह लोग अपनी जान-माल की परवाह किए बगैर सुलगते टैंकर के बिल्कुल करीब से दुपहिया वाहनों पर गुजरते रहे। इससे दोनों तरफ डेढ़ से दो किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। आग लगते ही टैंकर ड्राइवर और खलासी ने तुरंत वाहन पार्क कर बाहर निकल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। टैंकर गुजरात से अजमेर आ रहा था। मौके पर मांगलियावास स्थित जेबीआर कंपनी के कर्मचारी शेरू खान (रामपुरा डाबला), मनोज गौरा (जेठाना) और रोहित शर्मा (अजमेर) भी तुरंत पहुँच गए और आग बुझाने में जुट गए।

प्रेमी ने पति पर धारदार हथियारों से हमला किया, मौत

भाई का आरोप-पत्नी के कहने पर की हत्या, 8 महीने से चल रहा था अफेयर

अनूपगढ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में प्रेमी ने साथियों के साथ मिलकर प्रेमिका के पति की हत्या कर दी। आरोपी ने पति पर सोते समय धारदार हथियारों से हमला कर दिया। पत्नी के अवैध संबंधों का पता चलने के बाद पति की एक दिन पहले आरोपी प्रेमी के साथ बहस हुई थी। जिसके बाद महिला ने प्रेमी से पति की हत्या करवा दी। एसएचओ बलवंत कुमार ने बताया- बुधवार रात 1 बजे सूचना मिली कि एक केवाईडी गांव में स्थित चौधरी ईंट भट्टे पर दो युवकों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और घायल भादर सिंह निवासी 8 पीएसडी (रावला), और अमरीक 1-केडब्ल्यूएम (रावला) निवासी को रावला अस्पताल पहुंचाया। जहां से गंभीर हालत में दोनों को बीकानेर रेफर कर दिया। भादर सिंह ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जबकि अमरीक सिंह को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक भादर सिंह के बड़े भाई वीर प्रताप सिंह ने बताया- मेरे भाई भादर सिंह की 5 साल पहले खाजूवाला निवासी मनप्रीत कौर से शादी हुई थी। दोनों की एक साल की बेटी है। भादर सिंह (मृतक) एक केवाईडी के चौधरी ईंट भट्टे पर ट्रैक्टर चलाने का काम करता था। इसी भट्टे पर सतनाम सिंह पुत्र बख्तावर सिंह निवासी रावला भी काम करता था। 8 महीने पहले मनप्रीत और सतनाम सिंह के बीच में अवैध संबंध शुरू हो गया।

वीर प्रताप को जब मनप्रीत के अफेयर के बारे में पता चला तो उसने उसे काफी समझाने की कोशिश की। मगर मनप्रीत ने सतनाम से मिलना बंद नहीं किया। एक महीने पहले मनप्रीत के मामा के साथ उसने फिर से समझाया, इस पर उसने अपनी गलती मान ली और आश्वासन दिया कि वह सतनाम से नहीं मिलेगी। पत्नी के अवैध संबंध को लेकर भादर सिंह काफी तनाव में रहता था। कुछ दिन पहले ही मनप्रीत अपनी बेटी को लेकर पीहर खाजूवाला चली गई।

वीर प्रताप ने बताया-बुधवार को मनप्रीत से अवैध संबंधों को लेकर भादर का सतनाम से विवाद हुआ। इसके बाद मनप्रीत ने सतनाम को मेरे भाई भादर की हत्या के लिए उकसाया। इसके बाद रात 1 बजे सतनाम सिंह, गुरदास सिंह, गुरमीत सिंह बावरी, गुरजन्ट, गुरचरण सिंह निवासी 13 केएनडी ने एक राय होकर भट्टे पर अपने कमरे में सो रहे मेरे भाई भादर सिंह और उसके साथ अमरीक सिंह पर हमला कर दिया।

धारदार हथियार से हमला करने वाले तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली पुलिस स्टेशन की टीम ने गुरुवार को एक गंभीर हमला करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह मामला क्राइम नंबर 302/2026 के तहत बीएनएस की धारा 109(1) रीडब्ल्यू 3(5) में दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, बीता रात लगभग 12:30 बजे, आरोपी सैयद शाइबाज़, शहनवाज़ खान और रिजवान बिन सुलेमान बहारमुज ने अदीबा होटल, शास्त्रीपुरम के पास मोहम्मद फहद उर्फ फहद बाबा पर चाकू और कुल्हाड़ी से हमला किया। इस हमले में पीड़ित के सिर के पीछे, बाएँ कान और कंधे में गंभीर चोटें आई हैं। फहद को तत्काल ओस्मानिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका उपचार जारी है। डीसीपी, राजेंद्रनगर जोन एस. श्रीनिवास ने बताया कि इस हमले का कारण पुराने विवाद से जुड़ा है। इसी रंजिश के चलते आरोपी और उनके साथी ने फहद पर हमला किया।

गिरफ्तार आरोपियों सैयद शाइबाज़, निवासी बीकेपुरम, शास्त्रीपुरम, मैलारदेवपल्ली, शहनवाज़ खान सैयद सहनवाज़ खान निवासी, बीकेपुरम, शास्त्रीपुरम, मैलारदेवपल्ली, रिजवान बिन सुलेमान बहारमुज, निवासी बशरत नगर, फलकनुमा शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल्हाड़ी, चाकू और कुदाल जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया और मामले की आगे की जांच जारी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों के भवन निर्माण में तेजी

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में महिलाओं को कार्य और विपणन के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास विभाग ने गांवों में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए भवन निर्माण कार्यों में तेजी लाई है।

यह पहल मंत्री दानसरी अनसूया (सीतक्का) की परिकल्पना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर महिला समूहों के लिए मजबूत आधारभूत ढांचा तैयार करना है। यह योजना 'इंदिरा महिला शक्ति' के तहत लागू की जा रही है, जो महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का प्रमुख माध्यम बनेगी। मंत्री सीतक्का ने कहा कि हर गांव में महिलाओं के लिए मजबूत मंच तैयार करना सरकार का लक्ष्य है। ये भवन आत्मरोजगार के अवसर बढ़ाने और सामूहिक निर्णय लेने में सहायक होंगे।

हनुमान जयंती पर ग्राम सभाओं को लेकर सरकार पर सवाल

बीसी आयोग के पूर्व चेयरमैन ने जताई आपत्ति

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमान जयंती के अवसर पर आयोजित ग्राम सभाओं को लेकर पूर्व राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने राज्य सरकार के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है।

अंबरपेट स्थित हनुमान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हनुमान जयंती जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व के दिन 'प्रजा पालना-प्रजा पालिका' के तहत ग्राम सभाओं का आयोजन करना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब लोग पूजा-अर्चना और धार्मिक गतिविधियों में व्यस्त रहते हैं, तो ऐसी स्थिति में ग्राम सभा किसके लिए आयोजित की जा रही है। डॉ. राव ने कहा कि सरकार को इस दिन अवकाश घोषित कर जनता की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए था, लेकिन इसके विपरीत उसी दिन सरकारी कार्यक्रम आयोजित करना हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने वाला है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ये ग्राम सभाएं केवल प्रचार का माध्यम बनकर रह गई हैं। उन्होंने 'राइजिंग तेलंगाना' के नाम पर सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार का ध्यान मुख्य रूप से रियल एस्टेट गतिविधियों पर केंद्रित है, जबकि कल्याणकारी योजनाओं के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। इसके चलते बकाया बढ़ते जा रहे हैं और विभिन्न वर्गों के लोग परेशान हैं। डॉ. राव ने कहा कि पहले ही महात्मा ज्योतिबा फुले भवन में लाखों आवेदन जमा हो चुके हैं, लेकिन सरकार यह स्पष्ट नहीं कर रही कि उनमें से कितनों का समाधान हुआ है। उन्होंने इस मुद्दे पर तत्काल श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने सरकार से अपील की कि भविष्य में निर्णय लेते समय धार्मिक पर्वों की महत्ता का सम्मान किया जाए और जनभावनाओं के अनुरूप कदम उठाए जाएं।

इस दौरान अंबरपेट गौड़ा संघ के अध्यक्ष पंझाला गिरिधर गौड़, मल्लिकार्जुन गौड़, भाजपा नेता श्रीहरी गौड़, एम. रोहित नंदराज गौड़, ए. वीरेंदर, महेंद्र, श्रीनिवास रेड्डी और दामोदर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वाहन नंबर आरक्षण शुल्क बढ़ने से चालकों में नाराजगी

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वाहन पंजीकरण नंबर आरक्षित करने के शुल्क में हाल ही में हुई बढ़ोतरी को लेकर वाहन चालकों में नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि परिवहन विभाग के नए नियमों से उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

पहले 'तत्काल' सुविधा के तहत वाहन मालिक 1,000 रुपये देकर उपलब्ध नंबरों में से अपनी पसंद का नंबर चुन सकते थे। यदि उस नंबर के लिए कोई अन्य आवेदक नहीं होता था, तो वह नंबर सीधे आवंटित कर दिया जाता था।

हालांकि, दिसंबर 2025 में सड़क परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) ने इस सुविधा को समाप्त कर शुल्क संरचना में बदलाव किया। अब चार पहिया वाहनों के लिए 6,000 रुपये और दो पहिया वाहनों के लिए 3,000 रुपये देकर ही पसंदीदा नंबर आरक्षित किया जा सकता है। वाहन चालकों का कहना है कि शुल्क देने के बावजूद नंबर मिलने की गारंटी नहीं है। यदि किसी अन्य व्यक्ति ने उसी नंबर के लिए आवेदन किया, तो नीलामी में भाग लेना पड़ता है और अतिरिक्त राशि देनी होती है।

फैंसी नंबरों की कीमतों में भी भारी वृद्धि की गई है। पहले 9999 जैसे नंबर के लिए 50,000 रुपये का शुल्क था, जो अब बढ़कर 1.5 लाख रुपये हो गया है। वहीं 1 और 9 जैसे नंबरों के लिए शुरुआती शुल्क 1 लाख रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा 3333, 4444, 5555, 7777 और 8888 जैसे नंबरों की फीस 30,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी गई है। वाहन चालकों का कहना है कि इतनी अधिक फीस के कारण अब फैंसी नंबरों में लोगों की रुचि कम हो रही है, फिर भी विभाग शुल्क बढ़ा रहा है, जो उचित नहीं है।

पूर्व पार्षद राकेश जायसवाल हनुमान जी की मूर्ति पर पाला एवं पुष्प अभिषेकम कर भक्तों को प्रसाद वितरित किया। एमजे मार्केट चौराहे पर बड़ी हनुमान जी की मूर्ति की आरती भी की गई। अवसर पर वेंकट रेड्डी, अनिल यादव, महेश यादव, काजल खुशवा, नरसिंह, बालाजी, कल्पना, रंजीता, अशोक, संजय, शरद, रवि, बाबू सहित बडी संख्या में भाजपा नेता मौजूद रहे।

नारेडको ने अपनी 30वीं एनुअल जनरल मीटिंग के बाद नई टीम की घोषणा की

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) तेलंगाना ने 2026-2028 के लिए नई एग्जीक्यूटिव कमेटी और एग्जीक्यूटिव टीम के सदस्यों की नियुक्ति की घोषणा की है। टीम की आधिकारिक घोषणा हैदराबाद के 'एपीआर आइल' में हुई एसोसिएशन की 30वीं एनुअल जनरल मीटिंग के दौरान की गई। प्रेसीडेंट श्रीधर रेड्डी कोप्पुला दो साल के लिए पद पर रहेंगे और 2026 से 2028 तक एसोसिएशन की गतिविधियों की औपचारिक रूप से देखरेख करेंगे। नई लीडरशिप टीम, जिसमें इस क्षेत्र में बहुत अनुभव वाले लोग शामिल हैं, तेलंगाना के रियल एस्टेट सेक्टर में सस्टेनेबल ग्रोथ और प्रोफेशनल एक्सीलेंस के एसोसिएशन के मिशन को आगे बढ़ाएगी। नारेडको तेलंगाना एग्जीक्यूटिव कमेटी में

प्रेसिडेंट : श्रीधर रेड्डी कोप्पुला, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट : काली प्रसाद दमेरा और गोपाल कृष्ण कोरिपल्ली, जनरल सेक्रेटरी : वेंकटेश्वर राव रावुला, ट्रेजरर सुधाकर रेड्डी कोंडाला को बनाया गया है।

इस अवसर पर श्रीधर रेड्डी कोप्पुला की लीडरशिप वाली नई लीडरशिप ने कहा हम जाने वाले प्रेसिडेंट विजया साई मेका को उनकी शानदार लीडरशिप के लिए बधाई देना चाहते हैं। उनकी स्ट्रेटेजिक विज़न और मिलकर काम करने की भावना हमारी हाल की सफलताओं के लिए अहम रही है। उन्होंने प्रोफेशनल एक्सीलेंस की एक विरासत और नई टीम को आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत नींव रखी है।

नारेडको तेलंगाना 30 साल पहले रियल एस्टेट डेवलपर्स की कोशिशों को रिप्रेजेंट करने और कोऑर्डिनेट करने के लिए बनाया गया एक एसोसिएशन है। इसमें तेलंगाना के 300 से ज़्यादा सदस्य हैं, जिनमें रियल एस्टेट इंडस्ट्री के टॉप नाम शामिल हैं। नारेडको तेलंगाना, पॉलिसी बनाने वालों के साथ कोऑर्डिनेट करके और इंडस्ट्री की तरफ से सरकार के साथ मिलकर रियल एस्टेट के लिए फायदेमंद पॉलिसी और सर्विस डिलीवरी सिस्टम बनाने और लागू करने में तेलंगाना राज्य की सेवा करता है, जिसका मकसद डेवलपमेंट को बढ़ावा देना है।

बीआरएस एमएलसी ने राहुल गांधी से विधेयक वापस कराने की मांग की

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण कुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से प्रस्तावित तेलंगाना घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक, 2026 के खिलाफ हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक असहमति को सीमित कर सकता है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता को लिखे पत्र में श्रवण कुमार ने कहा कि यह विधेयक राहुल गांधी द्वारा संवाद, बहस और असहमति के समर्थन के विपरीत है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह कदम कांग्रेस के मोहब्बत की दुकान के नारे के खिलाफ है। उन्होंने विधेयक को कठोर बताते हुए कहा कि इसमें 'दुर्भावना' और 'असामंजस्य' जैसे अस्पष्ट शब्दों का प्रयोग किया गया है, जिससे मनमानी कार्रवाई की आशंका है। उनका कहना है कि ऐसे अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती बनाने से आम लोगों, छात्रों और पत्रकारों पर गलत कार्रवाई हो सकती है। श्रवण कुमार ने उस प्रावधान पर भी चिंता जताई, जिसमें सरकारी अधिकारियों को बिना पूर्व सूचना या सुनवाई के डिजिटल सामग्री ब्लॉक करने का अधिकार दिया गया है।

वीर हनुमान विजयोत्सव पर अन्न प्रसाद कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वीर हनुमान विजयोत्सव के अवसर पर फतेहनगर डिवीजन के शिव शंकर नगर स्थित श्री हनुमान देवस्थान में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। भारी संख्या में लोगों ने भगवान बजरंग बली के दर्शन-पूजन किया। इस मौके पर दर्शन पूजन के पश्चात अन्न प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें टीपीसीसी प्रोटोकॉल सचिव सूरज तिवारी ने प्रमुख अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में फतेहनगर डिवीजन के कांग्रेस नेता के. राजू मुदिराज, डिवीजन महासचिव के. क्रांति मुदिराज, मेडचल-मल्काजगिरी जिला युवा कांग्रेस के महासचिव चीटकौरु कृष्ण, शिवालयम सचिव माधुरी सतीश समेत अन्य स्थानीय नेता और बड़ी संख्या में समाजसेवी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सूरज तिवारी ने हनुमान जयंती की भक्ति और सेवा भाव को साझा करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजनों से समुदाय में एकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम में विशेष रूप से अन्न प्रसाद वितरण को प्राथमिकता दी गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर भक्ति एवं सेवा का संदेश दिया गया।

हनुमान जन्मोत्सव समारोह

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हनुमान जन्मोत्सव पर बजरंग सेना ने अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में श्री हनुमान व्यायाम शाला हनुमान मंदिर में एक धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध कार्यक्रम का आयोजन किया। समारोह में 'महा आरती' और 'अर्चना' की गई।

आरती के बाद, 'अन्नदानम' भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख सदस्यों और गणमान्य व्यक्तियों में प्रभु बिरादर, राघवा, गुनेश, राहुल, कोंडा रेड्डी, सोनू रामेश्वर मिश्रा, वीरेंद्र अवस्थी आदि शामिल थे।

सिम कार्ड के दुरूपयोग से साइबर ठगी का खतरा, पुलिस की चेतावनी

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में सिम कार्ड के दुरूपयोग से जुड़े साइबर ठगी के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस के अनुसार, आपके नाम पर लिया गया सिम कार्ड अपराधियों द्वारा सट्टेबाजी और अन्य धोखाधड़ी में इस्तेमाल किया जा सकता है। हाल ही में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जो अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को सिम कार्ड लेने के लिए धोखा देकर उन्हें ऊंचे दाम पर सट्टेबाजी गिरोहों को बेच रहे थे। इनमें एक व्यक्ति दुबई से लौटकर 250 सिम कार्ड जुटाकर उन्हें गुजरात के एक व्यक्ति को 1,200 रुपये प्रति सिम के हिसाब से बेच चुका था। मामला तब सामने आया जब एक स्थानीय व्यक्ति ऑनलाइन सट्टेबाजी में बड़ी रकम हार गया। जांच में पता चला कि उसे व्हाट्सएप के जरिए फंसाया गया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दुबई स्थित सट्टेबाजी गिरोह बड़ी संख्या में सिम कार्ड इकट्ठा कर उनका इस्तेमाल लोगों को कॉल और मैसेज के जरिए ठगने में करते हैं। इन सिम कार्डों से व्हाट्सएप और टेलीग्राम अकाउंट बनाकर लोगों को झांसे में लिया जाता है। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ सिम एजेंट लोगों की पहचान का गलत इस्तेमाल कर एक ही व्यक्ति के नाम पर कई सिम कार्ड जारी कर देते हैं।

नकली सोना गिरवी रखकर लोन लेने वाले तीन गिरफ्तार

खम्मम, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के तेलंगाना ग्रामीण बैंक की एनकोर शाखा में नकली सोने के आभूषण गिरवी रखकर ऋण लेने के मामले में पुलिस ने एक स्वर्ण मूल्यांकक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एसीपी वसुंधरा यादव ने बताया कि शाखा प्रबंधक केवी प्रशांत रेड्डी की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच में सामने आया कि वर्ष 2024 में आरोपी श्रीपदी सतीश (जो बैंक का स्वर्ण मूल्यांकक था) ने श्रीपदी मौनिका, रामचंद्रोजू जयम्मा और रामचंद्रोजू नरेश के साथ मिलकर लगभग 242.25 ग्राम नकली सोने के आभूषणों को असली बताकर गिरवी रखा और करीब 9.53 लाख रुपये का लोन लिया। जब आरोपियों ने ऋण चुकता नहीं किया, तो उनके खाते एनपीए हो गए और बैंक ने नीलामी प्रक्रिया शुरू की।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें X@SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइट:www.scr.indianrailways.gov.in पर भी देखें

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सिग्नल & दूरसंचार अभियन्ता (निर्माण), विजयवाडा द्वारा निम्न कार्यों हेतु निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली में खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सूचना सं.-बी-एसजी-सीएन-एस & टी-बीजेडए-2-2025-26, दि.31-03-2026, कार्य विवरणः राजमंड्री रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास हेतु इन्टिग्रेटेड पैसेंजर इन्फर्मेशन सहित तत्संबंधित दूरसंचार कार्य।
निविदा मूल्य रु. 3,14,11,117.38 पैसे **कार्य पूरा करने की अवधिः** 06 महिने बंद करने की तिथि व समयः 27-04-2026 के 15.00 बजे

1. बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।
2. निविदाकार, अपने आफर्स को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति /बोली अवधि के दौरान निविदा बंद करने से पूर्व पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
3. निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति/बोली अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते है।

उप मुख्य सिग्नल & दूर संचार अभियंता (निर्माण), विजयवाडा

PUB/001

निविदा सं. जीटीएल-इएम-85-2025-26, दि.31-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ रखरखाव/ गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. जीटीएल-इएम-85-2025-26, कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजन- 1. वीपीएल, बीएलएल, वीपी, एचजीआय, बीएनएल, केडीटी, एनकेडीओ & जीपीयु पर नये 3एम एफओबी का प्रावधान तथा प्लेटफार्म्स को उंचे स्तर पर उठाना-बिजली व्यवस्थाएं। 2. आइएमएम, टीआईएम, एसएनकेजी & टीकेबीएन पर प्लेटफार्म्स को उंचे स्तर पर उठाना-बिजली व्यवस्थाएं। हनुमान सर्किल स्टेशन पर नई 3एम एफओबी का प्रावधान- बिजली व्यवस्थाएं।
अनुमानित मूल्य रु.2,72,84,821.90
बंद करने की तिथिः 22-04-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेन्डर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुध्दिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा। निविदाकार, निविदा दस्तावेज को http://www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते है।

टिप्पणीः इस ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुन्टकल

PUB/002

निविदा सूचना सं. 38 से 40_डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26, दि.31-03-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, **विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन,** दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि. 30-04-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सूचना सं. 38 डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26, **कार्य विवरणः** ए. हैदराबाद डिवीजनः अमृत भारत योजना का हिस्सा के रुप में सब स्टेशन हेतु रूम का प्रावधान, मेडचल पर एचटी/एलटी का सशक्तिकरण। बी. एएमक्यू पर मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग का सुधार कार्य तथा एएमक्यू & डीवायई पर शौचालयों का प्रावधान/मरम्मत कार्य। (एएमक्यू & डीवायई पर कार्य पूरा किया जाए)। सी. हैदराबाद डिवीजनः एलजीडीएच के आइलैण्ड प्लेटफार्म पर लिफ्ट का प्रावधान। डी. एचवायबी डिवीजनः सफिलगुडाः 75 मीटर्स तक प्लेटफार्म नं.2/3 (आइलैण्ड प्लेटफार्म) का विस्तार कार्य। इ. एचवायबी डिवीजनः बोलारम पर पीएफ नं. 2/3 का 100 मी. तक **विस्तार कार्य।** **अनुमानित मूल्य** रु. 2,77,03,231.00 अग्रधन रु.5,54,100.00

निविदा सूचना सं. 39_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26, **कार्य विवरणः** ए) एसएसइ/पी.वे/युएमआरआई & एनजेडबी के तहत हरेक छह स्टेशन पर यार्ड मटेरियल स्टैकिंग रूम का प्रावधान। बी) हैदराबाद डिवीजन-स्टेशन पर स्लीपर मैट्रिंग तथा पीडब्ल्यूआई आफिसेज। सी) हैदराबाद डिवीजन-युएमआरआई -एमयुइ एन्ड (500 मीटर्स) पर बाउण्डरी वाल का प्रावधान। डी) हैदराबाद डिवीजन- ड्रेन वर्क या नाली के कार्य की मरम्मत (800एम, एलएच तथा आरएच साइड पर) & केएमसी पर स्टोन पिच्चिंग कार्य। इ) हैदराबाद डिवीजन-युपीडब्ल्यू-300एम हेतु साइड ड्रेन रेजिंग (स्टोन मैसनरी)। एफ) हैदराबाद डिवीजन-युपीडब्ल्यू पर पाइण्ट 13 बी के एलएच तथा आरएच के दोनों में से किसी भी बाजू पर ड्रेन वर्क 800एम की मरम्मत। जी) हैदराबाद डिवीजनः किमी 482/600-900 पर आइडीएल पर एलसी के पास प्रस्तावित ड्रेन (नाली) का निर्माण। एच) हैदराबाद डिवीजनः गूड लूप तथा लूप लाईन-2 के बीच जमा हुए पानी (एक्युमलेटेड वाटर) की ग्रेटिंग्न कम बैलिन्ग का प्रावधान। आय) हैदराबाद डिवीजन- 300 एम हेतु किमी 458/900-500 तक टो वाल का प्रावधान। जे) हैदराबाद डिवीजन- बीडीएचएन & अन्य स्टेशनो पर कान्क्रीट स्लीपर सहित डेड एन्ड के विस्तार के रूप में बफ्फर स्टाप्स का प्रावधान (नान-ट्रैक पोर्शन)।
अनुमानित मूल्य रु. 8,80,66,798.00 **अग्रधन रु.**17,61,400.00

निविदा सूचना सं. 40_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी_26, कार्य विवरणः एसएसइ/कार्य/केसीजी क्षेत्राधिकार के तहत ट्रिप शेड केसीजी का निर्माण कार्य।
अनुमानित मूल्य रु. 2,80,05,854.00 **अग्रधन रु.**5,60,100.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/हैदराबाद

PUB/003

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूर संचार अभियंता, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा टेन्डर्स की ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं. & तिथिः सी_एसजी_36_598 दि.01-04-2026, **बंद करने की तिथिः** 22-04-2026, **कार्य विवरणः** एससी डिवीजन के (बी एण्ड डी रूट्स) पर केजेडजे-एससी-ड्ब्ल्यूडी, वीकेबी-पीआरएलआई, केएचएनपी-केयुकेटी, डीकेजे-एमयुजीआर, पीएसएचपी-बीडीसीआर, एमटीएमआई-एसएसएलएम सेक्शन में आरडीएसओ टाइप सहित 30 नं. स्टेशन/स्थानों पर रिले रूम, एक्वीपमेंट रूम तथा बैटरी रूम तथा फायर एस्पायरेशन सिस्टम सहित खराब/पुराने नान आरडीएसओ फायर एण्ड स्मोक डिटेक्शन अलार्म सिस्टम का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.** 7,57,33,765.32 बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.15,14,700.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें। जीसीसी-2022 नुसार बोली सुरक्षा/अग्रधन का भुगतान किया जाना चाहिए।

आईआरजीसीसी-2022 नुसार, सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र मुफ्त में जारी किये जायेंगे। (संदर्भः आईआरजीसीसी-2022 भाग-।, खण्ड-3)

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता/सिकन्दराबाद

PUB/004 A001

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

निविदा सं. 30265448, दिनांक: 27.03.2026
कार्य का नाम : स्फेरिकल पिवट एवं कॉन्स्टेन्ट कॉन्ट्रैक्ट साइड बेयरर सहित BOXNHL वैगनों के लिए CASNUB 22 HS बोगी, RDSO ड्राइंग नं. WD-04038-S/2, ALT. 5 के साथ आइटम नं. 4, 5, 6, 7, 8 एवं 9 को छोड़कर आइटम नं. 1 से 18 तक एवं RDSO विनिर्देश WD-17-CASNUB-22 HS BOGIE-92 (REV.4)। विनिर्देश WD-62-MISC17 (स्फेरिकल पिवट सहित) RDSO ड्राइंग नं. WD-20024-S/2 के अनुसार वेरिएंट B CCSB के साथ सेन्टर पिवट एवं साइड बेयरर की व्यवस्था, RDSO ड्राइंग नं. WD-89067-S/S, ALT. 17 के अनुसार सम्पूर्ण बोगी ब्रेक गियर की व्यवस्था, विनिर्देश CONTR-02-MISC-2007 एवं ड्राइंग नं. WX10046 के अनुसार फ्रिक्शन वेज आइटम नं. 11 ड्राइंग नं. WD-04038-S/2 मैटेलिक के साथ कम्पोजिट लाइनर, मात्रा : 30 सेट, (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 72 महीने), TPI द्वारा निरीक्षण।

निविदा सं. 30265455, दिनांक: 27.03.2026
कार्य का नाम : RDSO विनिर्देश MP-0.08.00.105 (REV-01) के अनुसार स्टेनलेस स्टील कोच / वैगन को काटने के लिए उच्च क्षमता वाले हाइड्रोलिक बचाव उपकरण GMBH का सेट। अनुलग्नक-A के अनुसार आइटमों की विस्तृत सूची संलग्न है, निर्माता : WEBER/LUKAS/HOLMATRO अथवा RDSO द्वारा अनुमोदित कोई अन्य, मात्रा : 02 सेट, (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने), TPI द्वारा निरीक्षण।

द्रष्टव्य : सामग्री 45 दिन (क्रम सं. 1 हेतु) एवं 30 दिन (क्रम सं. 2 हेतु) के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए।
निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 27.04.2026 को 1500 बजे (दोनों निविदा हेतु)।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर
PR-05/R/26-27

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-West-WAT-08-2026
दिनांक: 30.03.2026

कार्य का नाम : वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/ पश्चिम/ वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन (1) एल्युमिनो थर्मिक प्रक्रिया से शॉर्ट वेल्डेड (Short Welded) पैनलों में अथवा अन्य रूप से RDSO अनुमोदित वेल्डिंग अंश एवं तकनीक द्वारा यातायात की स्थिति से मुक्त CESS / ट्रैक पर 60 KG/60 EIR260 ग्रेड रेल के फ्यूजन वेल्डिंग के वेल्डिंग अंश की आपूर्ति एवं परिवहन, (2) एल्युमिनियम थर्मिक/ SKV प्रक्रिया द्वारा 60 KG. 90 UTS रेल के लिए वेल्डिंग अंश की आपूर्ति एवं परिवहन।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 46,49,804.20, EMD : ₹ 93,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 06 महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 23.04.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-09/R/26-27

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

विदेशों में हर ...

आंकड़ों के अनुसार, साल 2021 में सबसे ज्यादा 8,234 भारतीय श्रमिकों की मौत हुई। इसके बाद 2022 में यह संख्या घटकर 6,614 हुई। लेकिन इसके बाद मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता गया। साल 2023 में 7,291, साल 2024 में 7,747 और साल 2025 में 7,854 श्रमिकों की मौत दर्ज की गई।

इन मौतों में से 86 प्रतिशत से ज्यादा मामले सिर्फ खाड़ी देशों से जुड़े हैं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब में सबसे ज्यादा श्रमिकों की जान गई। पिछले पांच वर्षों (2021-25) में यूएई में 12,380, सऊदी अरब में 11,757, कुवैत में 3,890, ओमान में 2,821, मलयेशिया में 1,915 और कतर में 1,760 श्रमिकों की मौत हुई। इनके अलावा अमेरिका में 454, सिंगापुर में 451, नाइजीरिया में 210, यूके में 188 मौतें हुईं।

इस सबके अलावा सरकार ने विदेशों में भारतीय श्रमिकों के साथ होने वाले शोषण और दुर्व्यवहार से जुडी शिकायतों का भी ब्योरा दिया। सरकार के मुताबिक, 2021 से 2025 के बीच विदेशों में मौजूद भारतीय मिशनों को शोषण, दुर्व्यवहार और काम से जुड़ी शिकायतों के कुल 80,985 मामले मिले। शिकायतों के मामले में भी यूएई सबसे आगे रहा, जहां से 16,965 शिकायतें आईं। इसके बाद कुवैत से 15,234, ओमान से 13,295 और सऊदी अरब से 12,988 शिकायतें दर्ज की गईं।

साल 2018 की एक पुरानी रिपोर्ट के साथ तुलना करने पर पता चलता है कि हालात और खराब हुए हैं। उस समय के आंकड़ों के अनुसार, 2012 से 2018 के बीच खाड़ी देशों में हर दिन लगभग 10 भारतीय श्रमिकों की मौत होती थी। लेकिन 2021 और 2025 के बीच खाड़ी देशों (बहरीन को छोड़कर, जिसके आंकड़े जवाब में उपलब्ध नहीं थे) में 32,608 भारतीय श्रमिकों की मौत हुई। इसका मतलब है कि पिछले पांच वर्षों में अकेले खाड़ी क्षेत्र में हर दिन औसतन लगभग 18 श्रमिकों की मौत हुई है।

खाड़ी देशों के अलावा दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों से भी श्रमिकों की समस्याओं की खबरें आई हैं। मलयेशिया से 8,333 और मालदीव से 2,981 शिकायतें मिलीं। कुछ देशों में मौतें तो कम हुईं, लेकिन शिकायतों की संख्या बहुत ज्यादा रही। म्यांमार में पांच वर्षों में एक भी श्रमिक की मौत नहीं हुई, लेकिन वहां से 2,548 शिकायतें आईं। कंबोडिया में 31 मौतों के मुकाबले 2,531 शिकायतें मिलीं, जबकि लाओस में 11 मौतें और 2,416 शिकायतें दर्ज हुईं।

श्रमिकों की शिकायतों का ग्राफ साल दर साल बढ़ा है। साल 2021 में 11,632 शिकायतें थीं, जो 2025 में बढ़कर 22,479 हो गईं, जो 2024 की 16,263 शिकायतों से अधिक है और 2021 में दर्ज की गई 11,632 शिकायतों की लगभग दोगुनी है। मंत्रालय ने बताया कि श्रमिकों को सबसे ज्यादा परेशानी वेतन मिलने में देरी या वेतन न मिलने से होती है। कई बार कंपनियां काम खत्म होने के बाद मिलने वाले फायदे भी नहीं देतीं।

श्रमिकों ने यह भी शिकायत की कि मालिक उनके पासपोर्ट अवैध तरीके से अपने पास रख लेते हैं। उन्हें छुट्टियां नहीं दी जातीं और बिना ओवरटाइम पैसे दिए ज्यादा घंटों तक काम कराया जाता है। कई बार कंपनियां अचानक बंद हो जाती हैं, जिससे श्रमिक बेरोजगार हो जाते हैं। इसके अलावा उनके साथ बुरा बर्ताव होता है और कानूनी हक नहीं दिए जाते। कई मालिक तो काम पूरा होने के बाद भी श्रमिकों को भारत लौटने के लिए जरूरी एग्जिट वीजा भी नहीं देते।

इस समस्या को हल करने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार विदेशों में भारतीयों की सुरक्षा और भलाई को सबसे ज्यादा महत्व देती है।

जब भी किसी भारतीय के संकट में होने की खबर मिलती है, तो भारतीय मिशन तुरंत वहां के स्थानीय मंत्रालयों, श्रम विभागों और पुलिस से संपर्क करते हैं। सरकार श्रमिकों को कानूनी मदद भी देती है। इसके अलावा, भारत ने कई देशों के साथ विशेष समझौते (एमओयूएस) किए हैं ताकि भारतीय श्रमिकों के हितों की रक्षा की जा सके।

लोकसभा की सीटें ...

कांग्रेस से चर्चा बाकी : गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों इसके लिए कई नेताओं से बैठकें की। इनमें वाईएसआर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, एनसीपी (एसपी), आरजेडी और एआईएमआईएम के नेता शामिल रहे। बीजेडी और शिवसेना (यूबीटी) से भी बातचीत हुई।

महिला आरक्षण बिल कानून नहीं बना : महिला आरक्षण कानून 2023 में संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इसकी मंजूरी दे चुकी हैं। लोकसभा में यह बिल लगभग सर्वसम्मति से और राज्यसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ था। हालांकि, यह कानून अभी लागू नहीं हुआ है। इसकी लागू होने की तारीख केंद्र सरकार अधिसूचना के जरिए तय करेगी और जरूरत पड़ने पर संसद इसमें संशोधन कर सकती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

शमी ने 5वीं बार पहली बॉल पर विकेट लिया

पंत रनआउट; एलएसजी-डीसी मैच के रिकार्ड्स

लखनऊ, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के पांचवें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में मोहम्मद शमी ने 5वीं बार पहली बॉल पर विकेट लिया। चेज के दौरान रिजवी ने सिक्स लगाकर मैच फिनिश किया। ऋषभ पंत का नॉन-स्ट्राइक एंड पर रनआउट होना अहम मोमेंट रहा।

लखनऊ ने पहली पारी में अपना अब तक का सबसे कम स्कोर बनाया। टीम ने दिल्ली के खिलाफ 141 रन बनाए। इससे पहले यह रिकॉर्ड 153/8 का था, जो उन्होंने 2022 में पंजाब के खिलाफ पुणे में बनाया था।

मोहम्मद शमी ने 5वीं बार अपनी पहली बॉल पर विकेट लिया। प्रवीण कुमार-उमेश यादव जैसे बॉलर्स ने 3-3 बार यह कारनामा किया है। खास बात यह है कि शमी ने दो अलग-अलग टीमों के डेब्यू की पहली बॉल पर विकेट लिया।

2022 में गुजरात टाइटंस के लिए डेब्यू करते हुए उन्होंने केएल राहुल को पहली ही गेंद पर पर आउट किया था, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए डेब्यू करते हुए भी उन्होंने केएल राहुल को पहली गेंद पर गोल्डन डक पर पवेलियन भेजा।

मैच में 2 प्लेयर्स ने आईपीएल डेब्यू किया। दिल्ली ने श्रीलंका के ओपनर पाथुम निसांका को डेब्यू कैप सौंपी। वहीं लखनऊ के लिए अनकैप्ड भारतीय मुकुल चौधरी ने पहला आईपीएल मैच खेला।

पहले ओवर में ऋषभ पंत ने मुकेश कुमार की गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला। ओवर की तीसरी गेंद फुल और स्टंप्स के पास थी। पंत ने सीधे बल्ले से सामने की ओर शॉट खेलकर चौका लगा दिया।

2.6 ओवर में मुकेश कुमार की गेंद पर ऋषभ पंत रन आउट हो गए। गेंद फुल लेंथ पर थी। मिचेल मार्श ने सीधा शॉट खेला। बॉलर एंड पर मुकेश के हाथ से बॉल लगकर स्टंप्स से टकरा गई। नॉन स्ट्राइकर एंड पर पंत क्रीज से बाहर थे। गेंद स्टंप्स से लगी और पंत को वापस लौटना पड़ा।

9वें ओवर में निकोलस पूरन बोल्ड हो गए। लुंगी एनगिडी ने स्लोअर ऑफ-कटर फेंकी। पूरन ऑन साइड में फ्लिक करना चाहते थे, लेकिन शॉट के वक्त उनका बैलेंस बिगड़ गया। गेंद बैट के नीचे से निकलकर सीधे स्टंप्स से जा टकराई।

10वें ओवर में मुकुल चौधरी ने लगातार दो चौके लगाकर IPL में खाता खोला। कुलदीप यादव की गेंद पर मुकुल ने स्वीप शॉट खेला और गेंद फाइन लेग की दिशा में भेज दी। अगली गेंद पर भी मुकुल के बैट का किनारा लेकर बॉल बाउंड्री की तरफ निकल गई।

तीसरे ओवर में मोहसिन खान ने विकेट लेकर कोई रन नहीं दिया। उन्होंने तीसरी गेंद पर नीतीश राणा को अब्दुल समद के हाथों कैच कराया। इसके बाद इम्पैक्ट सब के तौर पर समीर रिजवी आए। मोहसिन ने बाहर की ऑफ स्टंप लाइन रखकर रिजवी को डिफेंस करने पर मजबूर कर दिया।

13.5 ओवर में समीर रिजवी ने चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मार्करम की शॉर्ट गेंद ऑफ स्टंप के बाहर थी, रिज़वी ने बैकफुट पर जाकर पॉइंट के पीछे कट शॉट खेला। बॉल बाउंड्री के बाहर चौके के लिए चली गई।

18वें ओवर की पहली गेंद पर समीर रिजवी ने अब्दुल समद के खिलाफ सिक्स लगाया। इसी के साथ उन्होंने टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी। रिजवी ने समद की बॉल को डीप मिडविकेट के ऊपर भेज दिया।

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

प्रज्ञानानंदा ने चौथा राउंड ड्रॉ खेला

विमेंस कैटगरी में दिव्या हारी

पाफोस, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। साइप्रस के पाफोस में चल रहे फाइड कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने चौथे राउंड में जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। चौथे राउंड में दो मुकाबले ड्रॉ रहे और दो के रिजल्ट निकले।

विमेंस में वैशाली रमेशबाबू ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिव्या देशमुख को चीन की झू जिनेर के खिलाफ हार मिली।

प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर

चौथे राउंड के बाद ओपन कैटेगरी में उज्बेक के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव 3.5 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना दूसरे, अनीश गिरी तीसरे और आर प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर हैं। विमेंस कैटेगरी में चौथे राउंड के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली छठे और दिव्या सबसे नीचे 8वें नंबर पर हैं।

गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और इसका विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

आईपीएल 2026 के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास

सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर होने के बाद रासी वैन ने उठाया कदम

केप टाउन, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रासी वैन डर दुसैं ने आईपीएल 2026 के रोमांच के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. हालांकि, रासी वैन डर दुसैं इस बार के आईपीएल में नहीं खेल रहे मगर इस लीग से उनका पुराना नाता जरूर रहा है. 37 साल के स्टार खिलाड़ी ने संन्यास का फैसला सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट से बाहर होने के बाद लिया. साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने बीते दिनों अपने क्रिकेटरों की नई कॉन्ट्रेक्ट लिस्ट जारी की, जिससे बाहर होने वाले खिलाड़ियों में एक नाम रासी वैन डर दुसैं का भी रहा.

सोशल मीडिया पर किया संन्यास का ऐलान

रासी वैन डर दुसैं ने इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने रिटायरमेंट का ऐलान सोशल मीडिया पर किया. उन्होंने साउथ अफ्रीका के लिए खेलने को अपने लिए गर्व की बात बताया. अपने क्रिकेट के सफर में उन्होंने हर किसी के योगदान की सराहना की और उनका शुक्रिया अदा किया.

साउथ अफ्रीका ने किस-किस को कॉन्ट्रेक्ट से बाहर किया?

रासी वैन डर दुसैं साउथ अफ्रीका के कॉन्ट्रेक्ट से बाहर होने वाले अकेले खिलाड़ी नहीं है. उनके अलावा डेविड मिलर, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जे और लिजाड विलियम्स को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया है. लेकिन, संन्यास का फैसला सिर्फ रासी वैन डर दुसैं ने लिया. कॉन्ट्रेक्ट से बाहर हुए बाकी साउथ अफ्रीकी खिलाड़ियों में ज्यादातर अभी आईपीएल 2026 में खेल रहे हैं.

रासी वैन डर दुसैं का इंटरनेशनल करियर

रासी वैन डर दुसैं के इंटरनेशनल करियर की बात करें तो उन्होंने 18 टेस्ट, 71 वनडे और 57 टी20आई मुकाबले खेले हैं. तीनों फॉर्मेट में उनके कुल मिलाकर 6 शतक के साथ 5000 के करीब रन हैं. उन्होंने अपने सभी 6 शतक वनडे फॉर्मेट में जमाए हैं. रासी वैन डर दुसैं ने आखिरी इंटरनेशनल मैच पिछले साल अगस्त में खेला था.

आईपीएल में रासी वैन डर दुसैं साल 2022 में खेलते दिखे थे. तब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स से खेलते हुए 3 मैचों में 22 रन बनाए थे.

'पैसा नहीं पीएसएल में खेलने का अनुभव ही है अनमोल'

एडम जांपा को मिला इंडियन प्रीमियर लीग से दूरी बनाने पर करारा जवाब!

खेल डेस्क, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। एडम जम्पा ने आईपीएल 2026 से अपना नाम वापस ले लिया, क्योंकि उन्हें लगा कि लीग की लंबी अवधि के मुकाबले मेहनताना उनकी स्किल के हिसाब से नहीं था.

सनराइजर्स हैदराबाद ने जम्पा के लिए 2.40 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाई थी, लेकिन उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में कराची किंग्स के लिए खेलना चुना. आकिब नबी, जो दिल्ली कैपिटल्स टीम में शामिल हैं, ने कहा कि उनके लिए आईपीएल में खेलना पैसों से ज्यादा महत्वपूर्ण है, भले ही उन्हें 30 लाख रुपये भी न मिलते.

पिछले दिसंबर में आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने आकिब नबी को 8.4 करोड़ रुपये में साइन किया था.

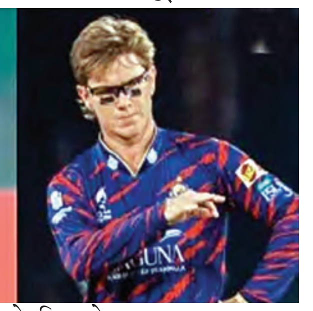

ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा ने आईपीएल 2026 से अपना नाम वापस ले लिया. उन्होंने इसकी वजह ये बताई कि लीग की लंबे ड्यूरेशन के मुकाबले उन्हें मिलने वाला मेहनताना उनकी स्किल के हिसाब से नहीं था, जबकि नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद ने उनके लिए 2.40 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाई थी. इसके बजाय उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में कराची किंग्स के लिए खेलना चुना.

जम्पा के लिए नज़ीर हैं आकिब

एडम जम्पा को अपनी इस दलील के बाद आकिब नबी का भी बयान सुनना चाहिए, जो उनके लिए एक करारा जवाब नजर आ रहा है. गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के ये तेज गेंदबाज इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स टीम में शामिल हैं. जहां डेब्यू करना उनका बहुत बड़ा ख्वाब है. हालांकि लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ वो प्लेइंग 11 में शामिल नहीं थे, लेकिन उम्मीद है कि आने वाले मुकाबलों में वो आईपीएल कैप हासिल कर लेंगे.

पिछले दिसंबर में हुए आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में दिल्ली कैपिट्स ने उन्हें 8.4 करोड़ रुपये में साइन किया था, लेकिन इस रकम से बड़ी वो इंडियम प्रीमयर लीग में चुने जाने की अहमियत थी. आकिब ने कहा, 'बात पैसों की नहीं थी. मैं तो बस खेलना चाहता था, भले ही मुझे 30 लाख रुपये भी न मिलते. मैं आईपीएल में खेलना चाहता था. ये जानकर अच्छा लगा कि उन्होंने मुझे इतनी बड़ी रकम देकर चुना.' दूसरी तरफ जम्पा कह रहे हैं कि उन्होंने पैसे के लिए आईपीएल छोड़ा और पीएसएल को चुना. एडम जम्पा की आईपीएल से अदावत कोई नई नहीं हैं.

सोने की चेन को लेकर विवाद

श्रीलंकाई क्रिकेटर एक्ट्रेस को करवाया गिरफ्तार

कोलंबो, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। श्रीलंका के क्रिकेटर भानुका राजपक्षे ने एक्ट्रेस हर्षी रसंगा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है. मामला गोल्ड चेन से जुड़ा है, जिसे लेकर भानुका राजपक्षे के वकीलों ने एक्ट्रेस को कानूनी नोटिस भेजा. एक्ट्रेस को भेजे कानूनी नोटिस में कहा गया कि श्रीलंकाई क्रिकेटर ने उन्हें अस्थाई तौर पर एक सोने की चेन दी थी, जिसकी कीमत 9 लाख रुपये थी. लेकिन, हर्षी रसंगा ने उसे बिना श्रीलंकाई खिलाड़ी को बताए गिरवी रख दिया. इस मामले ने तब तूल पकड़ा जब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अलग कहानी गढ़ी. बहरहाल, श्रीलंकाई क्रिकेटर के लिए एक्शन पर इस मामले में कार्रवाई भी होती दिखी.

श्रीलंका की थलंगगामा पुलिस ने हर्षी रसंगा को गिरफ्तार कर लिया, जिसके बाद उन्हें कडुवेला मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया. कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान हर्षी रसंगा के वकीलों ने माना कि गोल्ड चेन को क्रिकेटर को बिना बताए गिरवी रखा गया है. एक्ट्रेस की ओर से ये वादा भी किया गया कि वो उसे लाकर भानुका राजपक्षे को लौटा देगी.

बेल मिलने के बाद एक्ट्रेस के यू-टर्न से मामला हुआ दिलचस्प

अब यहां तक तो सब ठीक था लेकिन इस पूरे मामले ने तब हैरतअंगेज मोड़ लिया जब कोर्ट ने एक्ट्रेस को बेल दिया. कोर्ट ने हर्षी रसंगा को 5-5 लाख रुपये के दो मुचलके पर बेल दिया. बेल मिलते ही उन्होंने सोशल मीडिया पर विस्फोटक बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई क्रिकेटर भानुका राजपक्षे ने वो चेन उन्हें गिफ्ट की थी, जब वो दोनों एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे.

एक्ट्रेस हर्षी रसंगा के इस दावे पर अभी तक भानुका राजपक्षे की ओर से कोई बयान नहीं आया है. हालांकि, इससे पूरे केस में एक दिलचस्प मोड़ जरूर आ गया है. कुडुवेला मजिस्ट्रेट कोर्ट ने थलंगगामा पुलिस को सोने की चेन को हिरासत में अगली सुनवाई के दौरान पेश करने का आदेश दिया है. न्यूजवायर की रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होनी है.

पीबीकेएस कप्तान श्रेयस अय्यर की इंजरी से सीएसके के खिलाफ खेलेंगे या नहीं?

मुंबई, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026: चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले पंजाब किंग्स की टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर की इंजरी पर बड़ा अपडेट सामने आ रहा है. पिछले मैच में उनके हाथ में चोट लगी थी जिसके बाद वो बुरी तरह दर्ज में नजर आए थे. ऐसे में क्या वो अब अगले मैच में खेल पाएंगे या नहीं...? पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल 2026 में अगला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलने के लिए उतरेगी. इस मैच से पहले पंजाब की टीम के लिए एक गुड न्यूज सामने आ रही है. टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर इस मैच से पहले पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और मैच में खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. श्रेयस अय्यर को गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले मुकाबले में उनके हाथ में गेंद लगने से चोट लगी थी, जिसके बाद वो काफी दर्द में नजर आए थे. पीटीआई के हवाले से सामने आ रही जानकारी के अनुसार उनके स्कैन में में साफ हो गया है कि वो ठीक हैं. श्रेयस अय्यर को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी. पार के 12वें ओवर में गुजरात के फिरकी गेंदबाज राशिद खान गेंदबाजी करने के लिए उतरे. कूपर कोनोली पंजाब के लिए बल्लेबाजी कर रहे थे तो वहीं कप्तान अय्यर नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े थे. ओवर की पांचवी गेंद पर कोनोली ने ऐसा शॉट खेला जो कि सीधे श्रेयस अय्यर को जाकर लगा. उन्हें इस दौरान हिलने तक का मौका नहीं मिला. हाथ पर गेंद लगने के बाद वो काफी दर्द में भी नजर आए और मेडिकल टीम उनकी जांच के लिए तुरंत मैदान पर पहुंची.

पीसीबी के फैसले से सहमत नहीं हैं पाकिस्तानी बल्लेबाज फखर जमान

बैन के खिलाफ उठाई आवाज

लाहौर, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में फखर जमान के ऊपर अंपायर ने बॉल टेंपरिंग का आरोप लगाया. जिसके कारण ही मुकाबले में लाहौर कलंदर की टीम को हार का भी सामना करना पड़ा. इस विवाद के कारण लीग की बहुत ज्यादा बेइज्जती हो रही थी. ऐसे समय में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा एक्शन लेते हुए फखर जमान के ऊपर 2 मैच का बैन लगा दिया था. इस सजा के कारण अब फखर जमान अपनी क्रिकेट बोर्ड के ही खिलाफ चले गए हैं. उन्होंने इस बैन के खिलाफ आवाज उठाई है.

फखर जमान ने बैन के खिलाफ उठाई आवाज

कराची किंग्स के खिलाफ मुकाबले के आखिरी ओवर में 14 रन चाहिए थे. उस समय अंपायर को लाहौर कलंदर के खिलाड़ियों पर शक हुआ, तो उन्होंने गेंद मांगी और फखर जमान के ऊपर बॉल

टेंपरिंग का आरोप लगा दिया. जिसके कारण ही लाहौर कलंदर की टीम पर 5 रनों की पेनल्टी लगी और कराची को सिर्फ 9 रन ही बनाने पड़े. अंपायर ने इसके साथ ही गेंद को भी बदल दिया था. मैच के बाद सोशल मीडिया पर ये विवाद बहुत ज्यादा बड़ा हो गया. जिसके कारण ही दबाव में आकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उनके ऊपर 2 मैच का बैन लगा दिया. उन्हें पीसीबी ने लेवल 3 नियम के उल्लंघन का दोषी पाया था. हालांकि जमान इस बैन से खुश नहीं हैं. उन्होंने इसके खिलाफ आवाज उठाई है.

पीएसएल टेक्निकल कमिटी में दायर की अपील

क्रिकेट बोर्ड के इस फैसले से जमान ने सहमति नहीं दिखाई. फखर आरोप लगने के बाद से ही कह रहे हैं कि उन्होंने गेंद के साथ छेड़छाड़ नहीं किया है. इसी वजह से उन्होंने पीएसएल टेक्निकल कमिटी के सामने इस बैन को चुनौती दी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बैन लगाने के अगले दिन फखर जमान ने ये फैसला किया है. लाहौर की टीम अपना अगला मुकाबला 3 अप्रैल को मुल्तान सुल्तान्स के खिलाफ खेलना है. उसके बाद अगला मुकाबला 9 अप्रैल को कराची में इस्लामाबाद यूनाइटेड से होना है.

साहिबजादा फरहान ने 15 छक्के-चौके से जड़ा एक और शतक

टी20 में खतरे में बाबर आजम का रिकॉर्ड

इस्लामाबाद, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तानी ओपनर साहिबजादा फरहान ने टी20 में एक और शतक जड़ दिया. ये कमाल उन्होंने 1 अप्रैल को पीएसएल 2026 में खेले मुकाबले में किया. उन्होंने हैदराबाद किंग्समेन के खिलाफ खेलते हुए मुल्तान सुल्तांस के लिए जोरदार शतक लगाया. बड़ी बात ये रही कि साहिबजादा ने अपने शतक की स्क्रिप्ट रनचेज में लिखी. उसे जड़ने के साथ ही उन्होंने T20 में बाबर आजम के नाम दर्ज सबसे ज्यादा शतक जमाने के पाकिस्तानी रिकॉर्ड के टूटने के लिए खतरे की घंटी भी बजा दी है.

हैदराबाद किंग्समेन ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 225 रन बनाए थे. जवाब में 226 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुल्तान सुल्तांस की ओर से ओपनिंग करने उतरे

साहिबजादा फरहान ने पहले तो स्टीव स्मिथ के साथ पहले विकेट के लिए 104 रन की पार्टनरशिप की. उसके बाद T20 में अपने एक और शतक की कहानी भी लिखी. ऐसा करने के दौरान साहिबजादा आखिर तक नाबाद रहे. मतलब वो एक बार जो क्रीज पर उतरे तो फिर मुल्तान सुल्तांस को जीत दिलाकर ही लौटे. साहिबजादा फरहान की इनिंग हैदराबाद किंग्समेन के खिलाफ 57 गेंदों की रही, जिसमें उन्होंने 15 छक्के-चौके, जिसमें 8 छक्के और 7 चौके शामिल रहे, के साथ नाबाद 106 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने अपना शतक 55वीं गेंद पर पूरा किया. ये पीएसएल में उनका दूसरा शतक है. इससे पहले उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में अपना पहला शतक सिर्फ 49 गेंदों में जमाया था.

टी20 क्रिकेट की बात करें तो अब तक खेली 159 पारियों में ये उनके बल्ले से निकला 9वां शतक हैं. मतलब ये कि साहिबजादा अब बाबर आजम के नाम दर्ज सबसे ज्यादा 11 टी20 शतक जमाने पाकिस्तानी रिकॉर्ड से ज्यादा दूर नहीं हैं. बाबर ने 336 टी20 इनिंग खेलने के बाद 11 शतक जड़े हैं.

मौत के मुंह से निकलकर बनी नेशनल चैंपियन

इंदौर की गुनिका बनी युवाओं की प्रेरणा

बेंगलुरु, 2 अप्रैल (एजेंसियां)। बेंगलुरु में आयोजित चौथी राष्ट्रीय पैरा ताइक्वांडो स्पर्धा में इंदौर की गुनिका शर्मा ने अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। इस गौरवशाली उपलब्धि के साथ ही अब वे आगामी एशियन पैरा ताइक्वांडो स्पर्धा में भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। गुनिका की यह जीत उनकी वर्षों की कड़ी मेहनत और खेल के प्रति उनके अटूट समर्पण का परिणाम है।

संघर्षों को हराकर रचा इतिहास

गुनिका की सफलता की कहानी केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन के कड़े संघर्षों की भी गवाह है। मात्र तीन वर्ष की आयु में वे मेड्युलोब्लास्टोमा नामक ब्रेन ट्यूमर जैसी घातक बीमारी की चपेट में आ गई थीं। वर्ष 2009 का वह समय उनके और उनके परिवार के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण था जब उनके बचने की संभावना बहुत ही कम बताई जा रही थी। हालांकि अपनी मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर उन्होंने न केवल उस बीमारी को मात दी बल्कि 55 प्रतिशत शारीरिक अक्षमता और पूर्ण हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी जैसी बाधाओं के बावजूद खुद को एक बेहतरीन एथलीट के रूप में स्थापित किया। राष्ट्रीय चैंपियनशिप के पी-35 (पूमसे) इवेंट में गुनिका ने अपनी तकनीक, शरीर के संतुलन और एकाग्रता का जो नमूना पेश किया उसने वहां मौजूद निर्णायकों को अचंभित कर दिया। द मिलेनियम स्कूल इंदौर की पूर्व छात्रा रहीं गुनिका ने अपनी रीढ़ की हड्डी की विकृति को अपनी प्रगति के आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने मैट पर जिस सटीकता के साथ अपनी प्रस्तुतियां दीं, उससे यह स्पष्ट हो गया कि उनकी दृढ़ता ने कैंसर जैसी बीमारी को हराने के बाद अब खेल के मैदान में भी जीत का परचम लहरा दिया है।

तेलंगाना आकर 'सिक्स गारंटी' के सफल क्रियान्वयन को देखें : रेवंत रेड्डी

> रेवंत रेड्डी ने विपक्ष को दी चुनौती, यूडीएफ का घोषणापत्र जारी

कोच्चि/हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला करते हुए उन्हें तेलंगाना आकर 'सिक्स गारंटी' के सफल क्रियान्वयन को देखने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने जो वादे किए थे, उन्हें जमीनी स्तर पर लागू कर दिखाया है और राजनीतिक विरोधियों को यह खुद देखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और उनकी टीम तेलंगाना का दौरा करें, तो वे उन्हें योजनाओं के क्रियान्वयन का मॉडल स्वयं दिखाने को तैयार हैं। रेवंत रेड्डी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और पूर्व तेलंगाना मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर निशाना साधते हुए दोनों सरकारों को भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और निरंकुश शासन का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा कि जैसे तेलंगाना में 2023 के बाद व्यापक बदलाव आया, वैसे ही केरल में भी जल्द ही परिवर्तन देखने को मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र से मिलने वाला धन जनता का अधिकार है, कोई दान नहीं। सीएम ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि देश और केरल में 'मोदी ब्रदर्स' शासन कर रहे हैं। उन्होंने सबरीमला मंदिर से जुड़े विवादों का भी जिक्र करते हुए कानून और धर्मस्थलों की सुरक्षा पर सवाल उठाया। मुख्यमंत्री ने बताया कि तेलंगाना सरकार ने सत्ता में आते ही पहली कैबिनेट बैठक से ही गारंटी योजनाओं को लागू करना शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना 'राइजिंग विजन 2047' के तहत 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने की राह पर है। उन्होंने भरोसा व्यक्त किया कि राज्य बिना किसी अतिरिक्त कर बढ़ोतरी के 10.8 प्रतिशत विकास दर बनाए रखेगा और इसे एक वैश्विक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करेगा। केरल विधानसभा चुनावों के लिए यूडीएफ के घोषणापत्र में 'इंदिरा 5 गारंटी' का उल्लेख किया गया है, जिसमें महिलाओं के लिए केएसआरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा, छात्राओं के लिए 1,000 मासिक सहायता, पेंशन राशि 3,000 प्रति माह, 25 लाख तक स्वास्थ्य बीमा और युवाओं को 5 लाख तक ब्याजमुक्त ऋण शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूडीएफ का लक्ष्य भ्रष्टाचार मिटाना, राज्य राजस्व की रक्षा करना और केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किए गए कोष का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों के संदेह पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य स्वयं गारंटी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का उदाहरण है। कोच्चि में आयोजित कार्यक्रम में केपीसीसी अध्यक्ष सनी जोसेफ, केरल सीएलपी नेता वी.डी. सतीशन, एआईसीसी महासचिव दीपदास मुंशी, यूडीएफ संयोजक अडूर प्रकाश, आईयूएमएल राष्ट्रीय महासचिव पी.के. कुनहलीकुट्टी सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधिमंडल ने बौद्ध विरासत संरक्षण की सराहना की

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण कोरिया के बौद्ध परिषद के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को तेलंगाना सचिवालय में श्रम, रोजगार एवं खनन मंत्री डॉ.जी. विवेक वेंकटस्वामी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में भगवान बुद्ध के उपदेशों और बौद्ध मूल्यों के प्रचार-प्रसार में मंत्री के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में हाल ही में आयोजित 'धम्म यात्रा' को प्रोत्साहन देने के लिए उनकी सराहना की। यह धम्म यात्रा कर्नाटक के कलबुर्गी से शुरू होकर नागार्जुन सागर स्थित बुद्धवनम में संपन्न हुई, जो एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा रही।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रसिद्ध अभिनेता गगन मलिक ने किया। इसमें इंटरनेशनल इंटरचेंज डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईआईडीए) के अध्यक्ष योंगजो मुन, जीएम ग्यूह्वा कांग, एजुकेशन प्रेसिडेंट सु जियोंग मुन, सीईओ क्यूम मी हान, मानवाधिकार प्रमुख मी क्युंग पार्क और सचिव वोन सेओप किम शामिल थे।

पुलिस कमिश्नर ने पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया

> वीर हनुमान विजय यात्रा के अवसर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वीर हनुमान विजय यात्रा के अवसर पर हैदराबाद पुलिस ने शहर में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए। गुरुवार को गौलीगुड़ा राम मंदिर में नगर पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनर ने विशेष पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया।

कमिश्नर ने बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों से कुल 168 शोभा यात्राएं टैंकबंड हनुमान मंदिर तक निकलेंगी। पहले ही करमनघाट से मुख्य यात्रा प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने बताया कि यात्रा की सुरक्षा के लिए 3,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और संभावित संवेदनशील क्षेत्रों में कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए विशेष बंदोबस्त किया गया है। यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जा रही है, जो सीधे कमांड कंट्रोल सेंटर से जुड़े हैं। कमिश्नर ने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में कोई समस्या उत्पन्न होती है, तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त ड्रोन कैमरों से भी यात्रा पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने जनता से अपील की कि यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हो, जैसे श्रीराम नवमी शोभायात्रा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई थी। यात्रा मार्ग पर ट्रैफिक प्रतिबंध होंगे, इसलिए वाहन चालक पुलिस का सहयोग करें और वैकल्पिक मार्ग अपनाएं। इस अवसर पर एडिशनल सीपी एम. श्रीनिवासुलु, एडिशनल सीपी क्राइम एंड एसआईटी, डीसीपी गोलकोंड ज़ोन जी. चंद्रमोहन, डीसीपी ट्रैफिक अविनाश कुमार, डीसीपी ट्रैफिक काजल, और एडिशनल डीसीपी ए. श्रीनिवासराव टास्क फोर्स सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : राजनरसिम्हा

> भूमि के गलत रजिस्ट्रेशन के मामले में कार्रवाई के निर्देश

मंत्री ने किया संगारेड्डी इंदिरम्मा आवास का शिलान्यास

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने कहा कि सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और गरीबों के उत्थान को लक्ष्य बनाकर विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है।

गुरुवार को 'प्रजा पालना-प्रगति योजना' के तहत आंडोल मंडल के अल्मायिपेट गांव में आयोजित ग्रामसभा में मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और इंदिरम्मा आवास निर्माण के लिए शिलान्यास किया। कार्यक्रम की शुरूआत तेलंगाना गीत से हुई, जिसके बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का संदेश ग्रामीणों को पढ़कर सुनाया गया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने गांव में चल रही योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी पात्र लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने बताया कि महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक गांव में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए 30 प्रकार की चिकित्सा जांच कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि गांव के 28 स्वयं सहायता समूहों को 3.50 करोड़ रुपये के ऋण और 2.50 लाख रुपये की ब्याज सब्सिडी दी गई है। इसके अलावा इंदिरम्मा आवास, ब्याजमुक्त ऋण, बीमा योजनाएं, किसान सहायता योजनाएं, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली जैसी योजनाएं लागू की जा रही हैं। मंत्री ने अल्मायिपेट गांव में नई कॉलोनी विकसित करने पर सड़क, अंडरग्राउंड ड्रेनेज, पानी की टंकी, बिजली और आवास जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। साथ ही हाईवे से अल्मायिपेट-कोन्याल तक बीटी सड़क, सीसी रोड और ड्रेनेज निर्माण को मंजूरी देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्वीकृत 7 इंदिरम्मा घरों में से केवल 4 का निर्माण हुआ है, शेष लाभार्थी जल्द निर्माण पूरा करें। जरूरत पड़ने पर आर्थिक और व्यक्तिगत सहायता देने का भी भरोसा दिलाया। मंत्री ने बताया कि क्षेत्र में उच्च शिक्षा संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं और जल्द ही आंडोल क्षेत्र में फार्मेसी कॉलेज खोला जाएगा। संगुपेट गुट्टा क्षेत्र में दो-तीन उद्योग स्थापित होने की भी संभावना जताई।

उन्होंने 40 एकड़ असाइंड भूमि के गलत रजिस्ट्रेशन के मामले में कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि जमीन वास्तविक लाभार्थियों को लौटाई जाएगी। इस अवसर पर जिला कलेक्टर प्रवीण्य ने कहा कि 'प्रजा पालना-प्रगति योजना' के तहत आगामी दो महीनों में 10 विभागों के कार्यक्रमों में लोगों को सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत 800 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं और 50 हजार नए राशन कार्ड जारी किए गए हैं। कार्यक्रम के अंत में मंत्री और कलेक्टर ने तीन लाभार्थियों के इंदिरम्मा आवास निर्माण के लिए नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। इस मौके पर अतिरिक्त कलेक्टर पांडु, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

केबीआर पार्क फ्लाईओवर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव तथा विशेष अधिकारी जयेश रंजन ने केबीआर पार्क फ्लाईओवर के निर्माण कार्यों को तेज गति से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को जयेश रंजन ने एल.वी.प्रसाद आई अस्पताल से जुबली हिल्स चेक पोस्ट होते हुए रोड नंबर 45 तक चल रहे फ्लाईओवर निर्माण कार्यों का जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ कमिश्नर आर.वी. कर्णन और चीफ इंजीनियर सहदेव रत्नाकर भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जयेश रंजन ने कहा कि शहर में ट्रैफिक समस्याओं को स्थायी रूप से दूर करने के लिए राज्य सरकार इस फ्लाईओवर परियोजना को अत्यंत महत्व के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए और हर सप्ताह प्रगति की समीक्षा की जाए। वहीं, कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए मेगा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) को अतिरिक्त मशीनरी और मानव संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस निरीक्षण में ईई (प्रोजेक्ट्स), डीईई, एईई सहित अन्य इंजीनियरिंग अधिकारी और एजेंसी के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

साइबराबाद पुलिस ने व्यापार धोखाधड़ी में 19 लोगों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस के साइबर अपराध थाना ने पिछले सप्ताह देशभर से जुड़े 12 व्यापार धोखाधड़ी मामलों में शामिल 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इन मामलों में एक बड़ा मामला भी शामिल है, जिसमें एक व्यक्ति से 2.93 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। इस मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

इसके अलावा पुलिस ने 125 मामलों में अदालत से 4,35,58,181 रुपये की राशि के 884 रिफंड आदेश भी प्राप्त किए हैं। पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है।

देश में प्रथम स्थान पर पहुंचाना मुख्यमंत्री का लक्ष्य : रामकृष्णा राव

> ग्रामसभा कार्यक्रम में मुख्य सचिव ने लिया भाग

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 'प्रजापालन-प्रगति योजना' (99 दिनों की कार्ययोजना) के तहत राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामसभाएं आज से सफलतापूर्वक शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव ने रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम मंडल के तम्मलूर गांव में आयोजित ग्रामसभा में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर नारायण रेड्डी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि वर्ष 2047 के विजन के साथ राज्य को देश में प्रथम स्थान पर पहुंचाना मुख्यमंत्री का लक्ष्य है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस प्रगति यात्रा में भागीदार बनने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि ग्रामसभाओं का मुख्य उद्देश्य गांवों की समस्याओं को सीधे समझकर उनका समाधान करना है। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। नए राशन कार्डों के माध्यम से सन्ना चावल (उत्तम गुणवत्ता वाला चावल) वितरण भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी छात्रावासों और स्कूलों में डाइट चार्ज और अन्य खर्चों में वृद्धि कर गरीब विद्यार्थियों को बेहतर भोजन और सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

सरकार का लक्ष्य पात्र सभी लोगों को आवास उपलब्ध कराना है। महिला सशक्तिकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों को बिना ब्याज के ऋण, स्कूल यूनिफॉर्म सिलाई कार्य और आरटीसी ड्राइविंग प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से आर्थिक रूप से मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को कल्याण लक्ष्मी योजना के चेक भी वितरित किए गए।

पान दुकानदार को लाठियों से बेरहमी से पीटा

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर रोड पर गुरुवार तड़के एक पान दुकानदार पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान वसीम के रूप में हुई है, जो अरमान होटल के पास पान की दुकान चलाता है। उसने पुलिस को बताया कि तड़के करीब 3 बजे जब वह दुकान के पास बैठा था, तभी दो-तीन लोग सिगरेट मांगने आए।

दुकान बंद होने की बात कहने पर उन्होंने गाली-गलौज की और चले गए। कुछ ही देर बाद 8-10 लोग वहां पहुंचे और वसीम पर लाठियों से हमला कर दिया। हमले में उसे गंभीर चोटें आई हैं। घटना के दौरान सड़क से गुजर रहे लोगों ने बीच-बचाव कर उसे बचाया और पुलिस को सूचना दी।

जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है : सुधीर रेड्डी

मच्छरों की समस्या पर बीआरएस विधायक का अनोखा विरोध-प्रदर्शन

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बढ़ती मच्छरों की समस्या को लेकर बीआरएस विधायक डी. सुधीर रेड्डी ने गुरुवार को विधानसभा परिसर में अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मच्छरदानी से बना विशेष परिधान पहनकर सरकार का ध्यान इस गंभीर मुद्दे की ओर आकर्षित करने की कोशिश की। विधायक ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) क्षेत्र में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप पर सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की और लोगों को संभावित बीमारियों से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने विधानसभा मीडिया हॉल में फॉगिंग मशीन और मच्छरदानियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का प्रयास किया, लेकिन मार्शलों ने अनुमति न होने का हवाला देते हुए उपकरण जब्त कर लिए। इसके बावजूद वे मच्छरदानी पहनकर मीडिया से मुखातिब हुए। एलबी नगर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सुधीर रेड्डी ने कहा कि मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां फैल रही हैं, जिससे जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति न केवल नागरिकों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि हैदराबाद की छवि को भी प्रभावित कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व बीआरएस सरकार के दौरान नियमित रूप से किए जाने वाले एंटी-मच्छर उपाय अब प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि प्रत्येक डिवीजन में कम से कम 10 फॉगिंग मशीनें तैनात की जाएं और व्यापक स्तर पर फॉगिंग अभियान तुरंत शुरू किया जाए। सुधीर रेड्डी ने विधानसभा परिसर में लगाए गए प्रतिबंधों की भी आलोचना की और कहा कि उनका यह विरोध प्रदर्शन लाखों लोगों को प्रभावित करने वाले नागरिक मुद्दे को उजागर करने के लिए था।

आईपीएल मैचों के लिए कड़ी सुरक्षा, 2000 पुलिसकर्मी तैनात होंगे

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि पुलिस ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल में होने वाले टाटा आईपीएल मैचों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। मैचों के दौरान करीब 2,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

ये मैच 5 अप्रैल और 22 मई को 39,000 दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था में 750 कानून-व्यवस्था पुलिसकर्मी, 300 यातायात पुलिस, टीएसएसपी/एआर की 10 प्लाटून, घुड़सवार पुलिस, बम निरोधक दस्ते और दमकल वाहन शामिल रहेंगे।

मलकाजगिरि के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने बताया कि स्टेडियम और आसपास के क्षेत्रों में 430 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। ये कैमरे वाहन चेकिंग पॉइंट, पार्किंग स्थल और पूरे स्टेडियम परिसर को कवर करेंगे।

चाकू से हमले में सेल्समैन गंभीर

हैदराबाद, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली के शास्त्रीपुरम रोड पर बुधवार रात पांच सदस्यीय गिरोह द्वारा किए गए हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। पीड़ित की पहचान मोहम्मद फहद खान (22) के रूप में हुई है, जो शास्त्रीपुरम के ओवैसी हिल्स का निवासी है। वह काम से लौट रहा था, तभी शहबाज, शाहनवाज, जाफर और दो अन्य लोगों ने उसे रोक लिया।

स्विमिंग पूल में संदिग्ध हालत में गर्भवती महिला और दो बेटियों की मौत

हनमकोंडा, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के इनावोलू मंडल के पुन्नेल गांव में बुधवार देर रात एक गर्भवती महिला और उसकी दो मासूम बेटियों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में स्विमिंग पूल में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान फरहत (26), उसकी बेटी उमायरा (8) और आयशा (6) के रूप में हुई है। तीनों के शव गांव में बने एक रियल एस्टेट प्रोजेक्ट के स्विमिंग पूल में पाए गए। महिला के पति अजरुद्दीन ने शवों को वारंगल के एमजीएम अस्पताल पहुंचाया और बताया कि तीनों गलती से पूल में गिरकर डूब गईं। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, फरहत के पिता शेख अली ने अपने दामाद पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यह हादसा नहीं बल्कि साजिश है। मृतका की चाची मुमताज ने भी अजरुद्दीन पर शक जताते हुए बताया कि दोनों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि अजरुद्दीन अपनी पत्नी पर गर्भपात कराने का दबाव बना रहा था, लेकिन फरहत इसके लिए तैयार नहीं थी। बताया जा रहा है कि जिस स्विमिंग पूल में यह घटना हुई, वह अजरुद्दीन के परिवार का ही है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

सालार जंग संग्रहालय के क्यूरेटर रितेश शर्मा ने हैदराबाद के लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से भेंट की।

ब्रिगेडियर एन.आर. बाबू को सैनिक कल्याण राज्य विभाग का निदेशक नियुक्त किया गया है। उन्होंने गुरुवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में सरकार के विशेष मुख्य सचिव (गृह) सी.वी. आनंद से शिष्टाचार भेंट की। ब्रिगेडियर बाबू ने 30 मार्च को सैनिक कल्याण निदेशक का कार्यभार संभाला था।

तेज रफ्तार लॉरी की टक्कर से तीन युवकों की मौत, नौ घायल

जगतियाल, 2 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मपुरी मंदिर नगर में बुधवार रात एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

यह दुर्घटना तब हुई जब तेज रफ्तार से आ रही एक लॉरी ने भारत पेट्रोल पंप के पास एक ऑटो रिक्शा को ओवरटेक करने की कोशिश कर रही विपरीत दिशा से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन युवक मदासु अमरनाथ (22), पदाला ऋषवंत (22) और कोला मयंक (22) की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों धर्मपुरी से जगतियाल जा रहे थे। अमरनाथ और ऋषवंत धर्मपुरी के निवासी थे, जबकि मयंक जगतियाल का रहने वाला था। टक्कर के बाद लॉरी चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और हनुमान दीक्षा के श्रद्धालुओं को ले जा रहे एक ऑटो रिक्शा से जा टकराया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.